विश्व का सर्वाधिक पढ़ा जाने वाला अखबार

दैनिक जागरण

वर्ष 72 अंक 161 पृष्ठ 12
रीवा, सोमवार 10 मार्च 2025
फाल्गुन शुक्ल पक्ष 11,
विक्रम संवत् 2081
नगर मूल्य 5 रु.
www.dainikjagranmpcg.com

हम ही चैंपियन

भारत ने रचा इतिहास, तीसरी बार जीती चैंपियंस ट्रॉफी, फाइनल में न्यूजीलैंड को हराया

दुबई, जेएनएन। भारतीय क्रिकेट टीम ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर इतिहास रच दिया। भारत ने तीसरी बार यह खिताब अपने नाम किया है, जबकि रोहित शर्मा ने बतौर कप्तान लगातार दूसरी आईसीसी ट्रॉफी जीती। टीम इंडिया इस पूरे टूर्नामेंट में अजेय रही। उसने लगातार पांच मैच जीते। भारत की इस जीत ने देश को होली से पहले एक और जश्न का मौका दे दिया। दुबई से लेकर भारत तक आतिशबाजी हुई। टीम की जीत में कप्तान रोहित शर्मा, श्रेयस अय्यर, अक्षर पटेल, केएल राहुल और कुलदीप यादव ने अहम भूमिका निभाई। इस जीत के साथ भारत ने साल 2000 में न्यूजीलैंड से इस टूर्नामेंट में मिली हार का बदला भी चुकता कर दिया। तब कीवी टीम ने भारत को चार विकेट से हराया था। संयोग से भारत ने इस मैच को चार विकेट से जीता। फाइनल में न्यूजीलैंड ने 251 रन बनाए। जवाब में भारत ने 49 ओवर में छह विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। चेज की बागडोर खुद कप्तान रोहित (76 रन) ने अपने कंधों पर लेते हुए टीम को एक तेज शुरुआत दिलाई। उनका साथ शुभमन गिल (31 रन) ने दिया। रोहित और गिल के बीच पहले विकेट के लिए 105 रन की शतकीय साझेदारी हुई। इससे पहले न्यूजीलैंड की पारी में भारत ने 11 से 40 ओवरों के बीच स्पिन को ही आक्रमण पर लगाए रखा। 2002 के बाद यह सिर्फ दूसरी बार था, जब भारत ने वनडे की एक पारी में इस चरण में सिर्फ स्पिनरों का इस्तेमाल किया था। 1988 में भारत ने न्यूजीलैंड को शारजाह कप के फाइनल में हराया था। इसके बाद से भारतीय टीम कीवियों के खिलाफ लगातार तीन फाइनल हार चुकी थी। लेकिन अब 37 साल का इंतजार खत्म हो गया है।

(संबंधित खबर पेज-11 पर)

इनामी राशि
विजेता 20 करोड़
उपविजेता 10 करोड़

प्लेयर ऑफ द मैच
रोहित शर्मा 76 रन
7 चौके, 3 छक्के

प्लेयर ऑफ द सीरीज
रचिन रविंद्र (न्यूजीलैंड)
कुल रन 263

चैंपियंस ट्रॉफी में भारत का प्रदर्शन

- बांग्लादेश को 6 विकेट से हराया
- पाकिस्तान को 6 विकेट से हराया
- न्यूजीलैंड को 44 रन से हराया
- ऑस्ट्रेलिया को 4 विकेट से हराया

चैंपियन ट्रॉफी सर्वश्रेष्ठ भारतीय गेंदबाज

खिलाड़ी	विकेट
वरुण चक्रवर्ती	09
मो. शमी	09
कुलदीप यादव	07

चैंपियन ट्रॉफी सर्वश्रेष्ठ भारतीय बल्लेबाज

खिलाड़ी	रन
श्रेयस अय्यर	243
विराट कोहली	218
शुभमन गिल	188

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी के चैंपियन

साल	विजेता	उपविजेता
1998	दक्षिण अफ्रीका	वेस्टइंडीज
2000	न्यूजीलैंड	भारत
2002	भारत-श्रीलंका संयुक्त विजेता	
2004	वेस्टइंडीज	इंग्लैंड
2006	ऑस्ट्रेलिया	वेस्टइंडीज
2009	ऑस्ट्रेलिया	न्यूजीलैंड
2013	भारत	इंग्लैंड
2017	पाकिस्तान	भारत
2025	भारत	न्यूजीलैंड

- भारतीय टीम ने तीसरी बार आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी जीती। इससे पहले भारत गांगुली की कप्तानी में 2002 में तथा 2013 में धोनी की कप्तानी में चैंपियन बना था।
- रोहित शर्मा की कप्तानी में लगातार दूसरी आईसीसी ट्रॉफी जीती। इससे पहले 2024 में आईसीसी टी-20 वर्ल्ड कप जीता था।
- 07वां आईसीसी खिताब यह भारत का है। इससे पहले टीम इंडिया ने 1983, 2002, 2007, 2011, 2013 और 2024 में आईसीसी खिताब जीते हैं।
- 25 साल बाद भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड को हराकर खिताब जीता। 2000 में न्यूजीलैंड ने भारत को चार विकेट से हराकर खिताब पर कब्जा जमाया था।
- 12 टॉस लगातार बतौर कप्तान रोहित शर्मा ने वनडे में हारे हैं। उन्होंने आखिरी बार 2023 वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में न्यूजीलैंड के खिलाफ टॉस जीता था। यह पुरुषों के वनडे में किसी कप्तान के लिए सबसे लंबी हार की स्ट्रीक की बराबरी है। ब्रायन लारा ने भी साल 1998 से 1999 के बीच लगातार 12 टॉस हारे थे।
- 30 कुल ओवर भारत के स्पिनर्स ने मध्य ओवरों (11-40) के दौरान फेंके। इससे पहले वनडे में भारत ने आखिरी बार इस अवधि में सबसे अधिक स्पिन गेंदबाजी साल 2002 की चैंपियंस ट्रॉफी फाइनल में श्रीलंका के खिलाफ की थी, जो रिजर्व डे पर खेला गया था।
- न्यूजीलैंड की पारी में 14वें (जब मिचेल ने अक्षर पर चौका मारा) और 27वें ओवर (जब ग्लेन फिलिप्स ने कुलदीप पर छक्का लगाया) के बीच 81 गेंदों तक कोई बाउंड्री नहीं आई।
- रोहित शर्मा ने 41 गेंद में अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने आईसीसी टूर्नामेंट के किसी फाइनल में पहली बार 50 या उससे ज्यादा रन बनाए। रोहित ने पहली बार 2007 में आईसीसी का फाइनल (टी-20 विश्व कप) खेला था। तब से उनका यह 9वां आईसीसी फाइनल है। हालांकि, वह 50 से अधिक रन का स्कोर पहली बार ही लगा पाए।

संक्षिप्त खबरें

प्रदेश विधानसभा का बजट सत्र आज से

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का आगाज सोमवार से प्रारंभ होगा। 15 दिवसीय सत्र में 10 बैठकें होंगी। 12 मार्च को प्रदेश सरकार अपना पहला पूर्ण बजट प्रस्तुत करेगी। सत्र के पहले दिन राज्यपाल डॉ. मंगू भाई पटेल का अभिभाषण होगा। इसके दूसरे दिन दूसरा अनुपूरक बजट और आर्थिक सर्वेक्षण सदन में लाया जाएगा। इसके उपरांत राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा होगी । इसके बाद 12 मार्च को वित्त मंत्रालय संभाल रहे उपमुख्यमंत्री डॉ.जगदीश देवड़ा वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट पेश करेंगे। 14 मार्च को होली का अवकाश और फिर शनिवार और रविवार को अवकाश के बाद 17 मार्च से विधानसभा सत्र की कार्यवाही फिर से शुरू होगी।

बिहार में महिलाओं को मिलेगा 35% आरक्षण

छपरा, जेएनएन। बिहार में सरकारी नौकरियों में महिलाओं को 35 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। यह घोषणा राज्य के पंचायती राज मंत्री केदार गुप्ता ने की। उन्होंने कहा कि पंचायती राज में महिलाओं को 50 प्रतिशत आरक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य महिलाओं का उन्नयन है। सीएम नीतीश कुमार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिलाओं के उत्थान के लिए लगातार काम कर रहे हैं। प्रदेश सरकार पीएम मोदी की प्रेरणा से चल रही है। उन्होंने कहा कि राज्य के बजट में भी महिला आरक्षण का वादा किया गया था, जो हम पूरा करने जा रहे हैं। एनडीए जो कहता है, वही करता है।

मौसम विभाग का पूर्वानुमान गर्मी इस साल तोड़ेगी सभी पुराने रिकॉर्ड

नई दिल्ली, जेएनएन। मौसम विभाग ने इस वर्ष समय से पहले और बेहद तेज गर्मी पड़ने की भविष्यवाणी की है। उसने बताया कि इस साल फरवरी का महीना 1901 के बाद सबसे ज्यादा गर्म रहा। देश में 2024 की गर्मियों के दौरान लू वाले दिनों की संख्या 14 वर्षों में सर्वाधिक रही। इस बार पिछले साल का रिकॉर्ड टूटेगा। मौसम विभाग ने कहा कि इस बार सर्दी का मौसम भी काफी शुष्क था, जिससे वातावरण में नमी कम हो गई है। इसका असर गर्मी पर पड़ेगा। हालांकि, ग्लोबल वार्मिंग भी गर्मी की एक बहुत बड़ी वजह है। मौसम विभाग ने कहा है कि गर्मी का कहर साल-दर-साल बढ़ेगा।

इंदौर में हुए हनी सिंह के कॉन्सर्ट का मामला

50 लाख टैक्स नहीं हुआ जमा तो एक करोड़ का सामान जब्त

जागरण, इंदौर। इंदौर का हनी सिंह का कॉन्सर्ट विवादों में घिर गया है। यह आयोजन न केवल नगर निगम के लिए महंगा पड़ा, बल्कि सिर्फ डेढ़ घंटे में शो खत्म होने से दर्शकों में भी नाराजगी है। आयोजन में नगर निगम को लाखों रुपए के टैक्स का नुकसान हुआ है। आयोजकों ने 50 लाख रुपए टैक्स जमा करने से इंकार कर दिया। टैक्स नहीं भरने पर नगर निगम की टीम ने एलईडी समेत करीब एक करोड़ रुपए का सामान जब्त कर लिया जबकि आयोजकों का तर्क है कि केवल 80 लाख रुपए के ही टिकट बिके थे। मालूम हो कि इंदौर में शनिवार को हनी सिंह का कॉन्सर्ट हुआ था। इसके बाद रविवार सुबह नगर निगम की टीम वहां पहुंची। नगर निगम के अनुसार कॉन्सर्ट के आयोजकों ने शनिवार को पौने आठ लाख रुपए जमा कराए थे। जीएसटी पोर्टल से मिली जानकारी के अनुसार कॉन्सर्ट के 3.28 करोड़ रुपए के टिकट बिके। ऐसे में इस पर 10 प्रतिशत मनोरंजन कर पहले जमा कराने की बात कही गई थी, लेकिन टैक्स जमा नहीं किया गया।

दिलजीत के कॉन्सर्ट का टैक्स भी नहीं हुआ था जमा : इंदौर में इसके पहले दिलजीत दोसांझ का कॉन्सर्ट हुआ था, उस दौरान आयोजकों ने टैक्स नहीं जमा कराया था। इसके बाद इस बार नगर निगम टैक्स को लेकर सख्त था। शनिवार को हुए कॉन्सर्ट में हनी सिंह केवल डेढ़ घंटे ही स्टेज पर रहे और बाय-बाय कर चले गए। सात बजे कार्यक्रम शुरू हुआ और साढ़े आठ बजे तक खत्म हो गया। इस दौरान दर्शक निराश हुए। यह बात भी सामने आई कि रात में नगर निगम की टीम पहुंचने के बाद हनी सिंह जल्दी चले गए, लेकिन नगर निगम ने साफ किया कि उन्होंने रात में कॉन्सर्ट बंद नहीं कराया था।

अमेरिका में खालिस्तानियों ने मंदिर में की तोड़फोड़

वॉशिंगटन, जेएनएन। अमेरिका के कैलिफोर्निया में एक हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ की गई और दीवारों पर आपत्तिजनक नारे लिखे गए। ये घटना चिनो हिल्स इलाके में हुई। मंदिर बनवाने वाली संस्था बीएपीएस अमेरिका ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घटना की जानकारी शेयर की। भारत के विदेश मंत्रालय ने इस घटना की निंदा की है। मंत्रालय ने एक बयान जारी करके कहा कि हम स्थानीय लॉ अथॉरिटीज से अपील करते हैं कि वे आरोपियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करें। अमेरिका के हिंदू संगठनों ने भी घटना की निंदा की है। इनका आरोप है कि घटना में खालिस्तानियों का हाथ है। गौरतलब है कि खालिस्तानी कैलिफोर्निया में खालिस्तान के पक्ष में जनमत संग्रह कराने की तैयारी में हैं। इस जनमत संग्रह का मकसद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खालिस्तान के प्रति समर्थन जुटाना है। बीते कुछ वर्षों में खालिस्तान समर्थकों ने ब्रिटेन, कनाडा और अमेरिका में कई बार ऐसे जनमत संग्रह आयोजित किए हैं।

उपराष्ट्रपति धनखड़ की तबीयत खराब

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ की तबीयत अचानक बिगड़ गई। उन्हें रविवार सुबह सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत हुई। इसके बाद उन्हें दिल्ली एम्स में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। डॉक्टरों की टीम उनकी स्थिति पर लगातार नजर रखे हुए है। कार्डियोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. राजीव नारंग की देखरेख में उनका इलाज चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी धनखड़ के स्वास्थ्य की जानकारी लेने एम्स पहुंचे। इसकी जानकारी स्वयं प्रधानमंत्री ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में दी। जेपी नड्डा ने भी एम्स पहुंचकर उपराष्ट्रपति का हालचाल जाना।

महिला की मौत से नाराज परिजनों पर जूडा का हमला, चार घायल

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। हमीदिया अस्पताल के आईसीयू-3 में वृद्ध महिला की मौत के बाद शनिवार-रविवार रात जमकर बवाल हुआ। मौत के बाद पोस्टमार्टम का विरोध कर रहे परिजनों पर डॉक्टरों ने हमला कर दिया। हमले में मृतक महिला के चार परिजन घायल हुए हैं। कोह-ए-फिजा पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर ली है। फिलहाल, आरोपियों की पहचान नहीं हो सकी है। इस बीच जूनियर डॉक्टरों ने दावा किया है कि 30 से 40 लोग आईसीयू में घुस आए और उन पर हमला किया। पुलिस को शिकायत देते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि इस घटना में तीन जूनियर डॉक्टर घायल हुए हैं।जानकारी के मुताबिक, ग्राम झिरनिया, थाना परवलिया निवासी भूरी बाई उर्फ डॉली को उनके परिजनों ने हमीदिया अस्पताल में भर्ती कराया था। शनिवार देर रात इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि डॉक्टर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज रहे थे, तभी उसके परिजनों ने विरोध किया। कहासुनी के बाद भूरी बाई के परिजनों और आईसीयू में जूनियर डॉक्टरों व मेडिकल स्टाफ के बीच झड़प हो गई। मृत मरीज के चार परिजनों को चोटें आई हैं। कोह-ए-फिजा टीआई ब्रजेंद्र मर्सकोले ने बताया कि भूरी बाई के पोते सूरज बंजारा की शिकायत पर अज्ञात डॉक्टरों व मेडिकल स्टाफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। डॉक्टरों ने भी शिकायत दी है। उन्होंने बताया कि झड़प में शामिल लोगों की पहचान के लिए सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

> मरीज की मौत के बाद कुछ लोगों ने डॉक्टरों पर हमला किया। इससे कुछ डॉक्टरों को मामूली चोटें आई हैं। पुलिस को शिकायत दी गई है। डॉक्टरों ने घटना की जानकारी देते हुए सीएमओ को पत्र लिखा है।
> **डॉ. आरपी कौशल,** कार्यवाहक डीन, गांधी मेडिकल कॉलेज

> हमीदिया अस्पताल में डॉक्टरों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। डॉक्टरों को सुरक्षा देने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री और संबंधित अधिकारियों को पत्र भेजा जा चुका है। अस्पताल में देर रात संदिग्ध लोग घूमते रहते हैं।
> **डॉ. कुलदीप गुप्ता,** जूडा अध्यक्ष

12 साल बाद फिर चैंपियंस ट्रॉफी भारत के नाम (पेज 11)

होलाष्टक आरम्भ, 13 को होगा होलिका दहन

तैयारी हुई शुरू, शुभ कार्यों पर लगेगा विराम

रीवा। अगले सप्ताह होली का त्योहार आने वाला है। आगामी 13 मार्च को होलिका दहन होगा और फिर 14 मार्च को होली, धुरेड़ी खेली जायेगी। शास्त्र मत के अनुसार होलिका दहन से 8 दिन पूर्व होलाष्टक लग जाता है, जो इस बार विगत 7 मार्च से आरम्भ हो गया। इस होलाष्टक में सभी तरह के शुभ कार्य वर्जित होते हैं। फाल्गुन माह के शुक्ल पक्ष की अष्टमी तिथि से होलाष्टक शुरु होता है। होलाष्टक से होलिका दहन की तैयारियां शुरु हो जाती हैं। धार्मिक मान्यता के मुताबिक होलाष्टक यानी होली से पूर्व 8 दिनों में सभी ग्रह विशेषतः शनि और राहु का स्वभाव उग्र रहता है, जो शुभ कार्यों के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इस समय में कोई शुभ कार्य करने से उसका पूर्ण फल प्राप्त नहीं होगा। ग्रहों की उग्रता से उसके दुष्प्रभाव देखने को मिल सकते हैं। यही कारण है कि इस अवधि मे शुभ कार्य नही किये जाते।

दहन के दिन समाप्त होगा होलाष्टक

पौराणिक कथा के अनुसार, फाल्गुन शुक्ल अष्टमी तिथि से ही हिरण्यकश्यप ने बेटे प्रह्लाद को तरह-तरह की यातनाएं देनी शुरु कर दी थी। होलिका दहन तक भक्त प्रह्लाद को मारने के लिए कई षडयंत्र रचे गए लेकिन प्रभु श्रीहरि विष्णु की कृपा से प्रह्लाद का कुछ भी बुरा नहीं हुआ। फाल्गुन पूर्णिमा को हिरण्यकश्यप की बहन होलिका स्वयं जलकर मर गई और भक्त प्रह्लाद जीवित बच गए। शास्त्रों में वर्णित प्रावधान के तहत होलाष्टक फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन के साथ खत्म हो जाएगा।

होली के रंग में रंगा बाजार, बच्चों को लुभा रहे मुखौटे व पिचकारी

बेलन, हथोड़ा के साथ इलेक्ट्रिक वाटर गन की भरमार

हर्बल गुलाल के साथ ही रंग-बिरंगे कलर उपलब्ध

जागरण, रीवा। होली पर्व को लेकर बच्चों सहित बड़ों में भी खासा उत्साह बना हुआ है। बाजारों में विभिन्न वैरायटी की बेलन, हथोड़ा के अलावा वॉटर टैंक, वॉटर गन आदि पिचकारियां बच्चों को लुभा रही हैं। जिसे खरीदने अभी से बच्चे अभिभावकों को लेकर दुकानों में जुट रहे हैं। रंगों में इस बार हर्बल गुलाल उपलब्ध है, जिसका सिंगल पैक भी 90 रुपए में व गिफ्ट पैक 450 रुपए में उपलब्ध है। इसके अलावा सूखे रंगों में विभिन्न रंग उपलब्ध हैं। बात करें महंगाई तो फिलहाल इस संबंध में कुछ कहने को तैयार नहीं हैं, सिर्फ ये ही कहते रहे कि भाव बेहतर हैं, अभी मार्केट नहीं है। वैसे भाव में बढ़ोत्री नहीं हुई है, दुकानदार जेपी साफा व अतुल गुप्ता ने बताया कि इस बार होली के जो भी आयटम मंगवाएं हैं वे सभी देशी हैं। इसमें अन्य देश का कोई भी उत्पाद नहीं है। फिलहाल सभी के दाम निर्धारित हैं, मार्केट कैसा होगा, तभी माल के उठाव के बारे में पता चलेगा। अभी तो इक्का-दुक्का ही ग्राहक वह भी अधिकतर बच्चे ही आ रहे हैं।

भांति-भांति के मुखौटे भी सजे

होली के उत्साह को देखते हुए दुकानदारों ने विभिन्न प्रकार के मास्क भी मंगवाए हैं। जिसमें इस वर्ष पगला मास्क आकर्षण बना हुआ है। दुकानदारों ने बताया कि यह मास्क जो भी लगाएगा पगला कहलाएगा। अभी तक अधिकांश लोग इसे खरीद चुके हैं। इस मास्क के साथ अन्य मास्क भी उपलब्ध हैं, जिनके अलग-अलग दाम निर्धारित हैं।

मार्केट में उपलब्ध पिचकारियां व रंग

बेलन पिचकारी	250
हथोड़ा पिचकारी	250
पाइप पिचकारी	50 से 350
टैंक पिचकारी	250 से 900
साधारण पिचकारी	50 से 150
इलेक्ट्रिक वॉटर गन	650 से 850
ओलंपिक फायर टॉर्च	550
हर्बल गुलाल गिफ्ट पैक	450
साधारण गुलाल	10 से 100

हरे पेड़ न काटने की अपील

होलिका दहन कार्यक्रम का आयोजन करने वाली समितियों से अनुरोध किया है कि खुले स्थानों पर, बिजली एव डिस्क के वायरों से दूर होली जलाये तथा होलिका दहन के लिए सूखी लकड़ी एवं गोबर के उपलो (कण्डों) अथवा गौकाष्ट का उपयोग करे, हरे वृक्षों को न काटे। इसी प्रकार होली खेलने तथा मिलने के लिए केवल रंग, अबीर गुलाल का प्रयोग करें केमिकलयुक्त रंगो, वार्निश, सफेदा एवं पेन्ट का कतई उपयोग न करें साथ ही नशे की स्थिति में तेजगति से वाहन न चलायें। आपका जीवन अमूल्य है किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने का प्रयास करे। जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन से होलिका दहन के लिए समुचित स्थानों पर न्यूनतम दर पर गौकाष्ट उपलब्ध कराने, रंग के दिन अर्थात 14 मार्च को तीन समय पेयजल सप्लाई करने तथा नदी एवं तालाबों के किनारे समुचित निगरानी व्यवस्था बनाये रखने का अनुरोध किया है।

होली से पहले सब्जियों में लगा महंगाई का तड़का

होली पर्व को लेकर सब्जियों के दाम में भी कुछ बढ़ोतरी हुई है। जिसमें मटर, गोभी, आलू, भिण्डी, करेला, मिर्च आदि के दामों में कुछ बढ़त देखने को मिली। सब्जी व्यापारी प्रकाश कुशवाहा ने बताया कि ये दाम होली त्योहार की वजह से बढ़े ये तो नहीं कह सकते, लेकिन कुछ सब्जियों के भाव जरूर बढ़ गए हैं। जैसे मटर 40 से 50 रुपए किलो हहो गई, इसी प्रकार गोभी के दामों में कुछ बढ़त हुई है। अन्य सब्जियों के दामों में कुछ बढ़ोत्री हुई है।

सब्जी	थोक	फुटकर
मटर	30 से 40	40 से 50
लौकी	11 से 13	20 से 30
कोहड़ा	20	30
आलू	11 से 13	80 से 90 5 केजी
प्याज	25 से 27	35 से 40
बैंगन	12 से 15	20 से 30
करेला	60 से 65	80 से 90
भिण्डी	60 से 65	80 से 90
लहसुन	80 से 100	30 से 40 पाव
धनिया	30 से 40	15 से 20 पाव
पत्तागोभी	5 से 8 रुपए	20 रुपए नग
शिमला मिर्च	25 से 30	40 से 50
चुकन्दर	20 से 25	30 से 40
लाल मिर्च	50 से 60	70 से 80
पालक	10 प्रति मुठी	15 से 20 प्रति मुठी

उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण युवक उप मुख्यमंत्री से मिले

प्रदेश के कई जिलों से रीवा आये थे शिक्षित बेरोजगार

जागरण, रीवा। मप्र उच्च माध्यमिक परीक्षा 2023 उत्तीर्ण युवकों का एक जत्था उपमुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल से मिलने उनके अमहिया स्थित आवास पहुंचा और उनसे शिक्षकों के रिक्त 60 हजार पदों पर भर्ती करने की मांग की। बताया गया है कि रीवा के अलावा बालाघाट, सिवनी, जबलपुर, इंदौर आदि जिलों से उच्च माध्यमिक परीक्षा 2023 में उत्तीर्ण युवक अमहिया पहुंचे थे। आशीष कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में उपमुख्यमंत्री से मिलकर युवकों ने बताया कि परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद भी वे लोग दर-दर भटक रहे हैं। अच्छी शिक्षा प्राप्त करने के बाद भी रोजगार नहीं मिल पा रहा है। ये लोग पक्ष और विपक्ष दोनों से मिलकर अपनी समस्याओं से अवगत करा रहे हैं लेकिन समस्या का निराकरण नहीं किया जा रहा है। अपनी समस्या लेकर लोग उज्जैन, भोपाल गये लेकिन कोई नतीजा नहीं निकला। वे हताश और निराश है कि कब तक परीक्षा दें।

नहीं सुधरी स्वास्थ्य सुविधाएं, मरीज परेशान

व्यवस्थाएं बेपटरी! ब्लड चढ़वाना है तो 80 किमी की भागमभाग

मरीजों के पास एसजीएमएच व जिला अस्पताल ही मात्र एक विकल्प

रीवा आने में खर्च के साथ परेशानी भी

जागरण, रीवा। जिले में तहसील व ग्रामीण क्षेत्र के सरकारी अस्पतालों में मरीज को ब्लड चढ़ाने का इंतजाम नहीं है। दुर्घटना में रक्त की कमी के कारण रुटीन में ब्लड चढ़ाने की जरूरत पड़ जाए तो मरीज को 80 से 85 किलोमीटर तक का सफर तय कर रीवा आना पड़ता है। कई बार दुर्घटना में घायल मरीज की स्थिति और गंभीर हो जाती है। ग्रामीण अंचल में ब्लड की अवश्यकता होने पर मरीज को सीधे जिला अस्पताल व एसजीएमएच रेफर कर दिया जाता है। हैरानी इस बात की है कि बीते वर्षो में लगातार बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का दावा करने वाले स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने भी स्वास्थ्य सेवा के नाम पर सिर्फ ग्रामीण अंचल के स्वास्थ्य केन्द्रों को एम्बुलेंस वाहन ही दिए हैं।

ग्रामीण इलाकों में जागरुकता की कमी : ग्रामीण इलाकों में स्वास्थ्य विभाग की ओर से रक्तदान शिविर नहीं लगाए जाते हैं। ब्लॉक व पंचायत स्तर पर रक्तदाताओं की सूची भी नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के शिविर शहरी क्षेत्रों तक ही सीमित है। जागरुकता की कमी के कारण ग्रामीण क्षेत्र से आने वाले कई मरीजों के रिश्तेदार ब्लड देने तैयार नहीं होते हैं। सबसे अधिक समस्या अशिक्षित वर्ग को होती है, उसे रक्त के लिए डिमांड तक के लिए भटकना पड़ता है। डाक्टर एक यूनिट रक्त के लिए उन्हें इधर से उधर घुमाते रहते हैं।

सिविल अस्पतालों में भी नहीं : बता दें कि जिले में तीन सिविल अस्पताल हैं, आगामी दिनों में मऊगंज सिविल अस्पताल को जिला अस्पताल बनाने की योजना भी चल रही है लेकिन यहां भी ब्लड स्टोरेज व रक्त देने की व्यवस्था नहीं है। बता दें कि यदि सिविल अस्पतालों में भी व्यवस्था हो जाए तो कुछ राहत ग्रामीण अंचल में मिलेगी लेकिन अब तक ऐसी कोई योजना स्वास्थ्य विभाग ने नहीं बनाई है।

मरीजों की हो जाती है मौत

बता दें कि ग्रामीण अंचल में इमरजेंसी में ब्लड नहीं मिलने से मरीजों की मौत भी हो जाती है, ऐसे मामले आए दिन आते ही रहते हैं, यह बात अलग है कि ग्रामीण अंचल से मरीजों को रेफर कर पूरा ठीकरा एसजीएमएच व जिला अस्पताल पर फोड़ दिया जाता है लेकिन हकीकत यह है कि ग्रामीण अंचल में यदि सुविधाएं बेहतर हों तो मरीजों को काफी राहत मिलेगी।

> ग्रामीण अंचल में फिलहाल ब्लड स्टोरेज की व्यवस्था नहीं है, इसके लिए प्रयास किया जा जाएगा। जल्द ही यह व्यवस्था बनाई जाएगी।
>
> **डॉ.संजीव शुक्ला, सीएमएचओ रीवा**

स्वामी रामदास गुरूजी का मनाया 75वां जन्मोत्सव

दिव्यांग व नेत्रहीन कन्या छात्रावास में किए सेवा कार्य

जागरण, रीवा। पूज्य गुरूजी स्वामी रामदासजी (मंहत विष्णु धाम जबलपुर) के पचहत्तरवें जन्मदिन पर रीवा सिंधु समाज, स्वामी दयालदास सेवा मंडल रीवा द्वारा आज अनेक सेवा कार्य आयोजित किये गये जिसमें रीवा नगर के मध्य स्थल वीर हेमू कालानी चौक में प्रसाद का आम जनमानस में वितरण किया गया।

75 वें जन्मदिन पर पूज्य गुरूजी की प्रेरणा एवं सिखलाई के अंतर्गत दिव्यांग,नेत्रहीन कन्या छात्रावास घोघर पहुंचकर नन्ही-नन्ही बालिकाओं के साथ बर्थडे केक काटकर मनाया गया। सभी दिव्यांग नेत्रहीन मूक-बधिर बालिकाओं को एक गिफ्ट पैक भी प्रदान किया गया। बालिकाओं द्वारा बर्थडे भजन गाकर गुरूजी को जन्मदिन की बधाईयां दी गई। इस अवसर पर वीरेंद्र गुप्ता जिलाध्यक्ष भाजपा, प्रहलाद सिंह, संतूलाल आहूजा, लद्वाराम ठारवानी, कमलेश सचदेव, प्रकाश तारानी, महेश ठारवानी, नरेश काली, पप्पू मंजानी, राजकुमार टिलवानी, जगदीश मंघनानी, नन्दलाल कोटवानी,साधूराम माखीजा, राजू वाधवानी, महेश दुम्बानी एवं स्वामी दयाल दास सेवा मंडल रीवा के सभी सदस्य शामिल रहे। शाम 6 से 9 बजे तकसिंधु भवन रीवा में भी पूज्य गुरूजी जी का 75वां जन्मदिन धूमधाम से मनाया गया।

भारत की जीत पर गले लगकर दी बधाई

भारत ने जीता फाइनल मुकाबला, मैच देखने टीवी मोबाइल में डटे रहे लोग

रीवा। चैम्पियन ट्रॉफी का फाइनल मुकाबला रविवार को भारत व न्यूजीलैंड के मध्य खेला गया। मैच देखने शहर के विभिन्न चौराहे, दुकानों सहित घरों में भी लोग निर्धारित समयानुसार टेंलीविजन के सामने बैठ गए। वहीं कुछ युवाओं ने सामूहिक रूप से मैच देखने के साथ ही भोजन आदि की भी व्यवस्था की थी। पहले खेलते हुए न्यूजीलैंड ने भारत को जीत के लिए 7 विकेट खोकर 251 रनों का लक्ष्य दिया। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम ने 49 वे ओवर में 254 रन बनाकर 12 वर्ष बाद पुनः चैम्पियन ट्रॉफी पर कब्जा कर लिया। भारत के मैच जीतते ही खेल प्रेमियों ने जहां आतिशबाजी की वहीं एक दूसरे का मुंह मीठा करवाकर गले लगकर इस जीत की बधाई दी।

विश्व हिंदू परिषद् के जिले अध्यक्ष बने सुनील सिंह

दिव्यांशु गौतम जिला मंत्री का दायित्व

रीवा। विश्व हिंदू परिषद रीवा इकाई का जिला अध्यक्ष बद्रिका मोटर्स के संचालक सुनील सिंह को बनाया गया है कि जबकि दिव्यांशु गौतम को जिला मंत्री का दायित्व सौंपा गया है। यह निर्णय जबलपुर में आयोजित महाकौशल प्रांत की बैठक में लिया गया है। दरअसल विश्व हिंदू परिषद महा कौशल प्रांत की दो दिवसीय प्रांत बैठक 8- 9 मार्च को जबलपुर में संपन्न हुई। इस बैठक में महाकौशल प्रांत के विभिन्न जिलों से कई पदाधिकारी उपस्थित थे। जिसमें विशेष रूप से प्रांत अध्यक्ष सुनील भागचंदानी, प्रांत संगठन मंत्री जितेंद्र वर्मा, प्रांत मंत्री उमेश मिश्रा द्वारा ली गई। महाकौशल प्रांत की इस प्रांत बैठक में विशेष रूप से कई जिलों के पदाधिकारी द्वारा किए गए कार्य व धर्म रक्षा निधि का अवलोकन हुआ तथा आगामी कार्यक्रमों की जानकारी सभी जिलों के विश्व हिंदू परिषद के पदाधिकारीयों को दी गई। संगठन को गति देने और कार्य विस्तार के उद्देश्य से महाकौशल प्रान्त, विभाग और जिलों की समितियों में कुछ बदलाव/परिवर्तन करते हुए नवीन दायित्वों की घोषणा की गई, जिसमे रीवा जिले की नई समिति गठित हुई। जिसमें मुख्य रूप से श्री मनीष भार्गव जी को प्रांत सह समस्ता प्रमुख, सुनील सिंह जिला अध्यक्ष, श्री दिव्यांशु गौतम जिला मंत्री, श्री हरीश ढींगरा कोषाध्यक्ष, शुभम सोनी जिला उपाध्यक्ष, मृत्युंजय सिंह जिला सह मंत्री, रामकृष्ण गौतम जिला संयोजक, यशवर्धन सिंह को जिला संयोजक मऊगंज, धर्मेंद्र त्रिपाठी जी को विभाग सह मंत्री बनाया गया।

गंगा वाटिका के सामने की दुकानों का नहीं निकला कोई समाधान

रीवा। गंगा वाटिका के सामने बनी दुकानों में किये गये अतिक्रमण का मामला सुलझता हुआ नजर नहीं आ रहा है। अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के बाद भी न तो अतिक्रमणकारी शिफ्ट हो सके और न ही साईं मंदिर के आसपास का अतिक्रमण हट पाया है। हालत यह हो गई है कि फल ठेला वाले फिर से वहीं पर पहुंच गये हैं जहां से उन्हें खदेड़ा गया था और फलों सहित ठेला तक जब्त कर लिये गये थे। अतिक्रमणकारियों ने सामान समेटा अवश्य था, तीन दिन तक शांत रहने के बाद सामने के दुकानदारों ने फिर से दुकानें खोल कर कारोबार शुरू कर दिया। नगर निगम के अतिक्रमण उड़नदस्ता द्वारा अंदर तरफ की दुकानें खाली करा ली गई। इनमें अन्य फुटपाथी व्यापारियों को एक-एक दुकानों पर कारोबार करने के लिए कहा गया लेकिन अब समस्या यह है कि बाकी की दुकानों से अतिक्रमण कैसे हटाया जाय। अतिक्रमणकारियों ने जिस तरह से सामने के दुकानें खोल कर व्यापार शुरू कर दिया है उससे ऐसा लगता है कि मामला इतनी आसानी से सुलझने वाला नहीं है और व्यापारी प्रशासन से टकराने के मूड में है। निगमायुक्त के सामने व्यापारियों ने भी हर माह किराया देना स्वीकार किया है। हालाकि अभी तक इस बात का खुलासा नहीं हुआ है कि नगर निगम के किस अधिकारी के द्वारा वसूली कराई जाती थी।

दो सौ परिवार पिछले साल भर से पानी के लिए कर रहे मशक्कत

नलों में आता है बमुश्किल 15 मिनट पानी, उसमें भी कई घरों तक नहीं पहुंचता

जागरण, रीवा। शहर के वार्ड क्रमांक 36 के करीब दो सौ परिवार पिछले साल भर से पेयजल के लिए मशक्कत कर रहे हैं। लोगों के घरों में नल कलेक्शन तो किया हुआ है, किन्तु पानी बमुश्किल पंद्रह मिनट तक प्रदाय किया जाता है, प्रेशर न होने से अधिकांश घरों तक पानी पहुंचता ही नहीं। ये तो गनीमत है कि नजदीक नदी होने से लोग नहाने, कपड़े आदि धोने नदी में पहुंच जाते हैं। नदी न होती तो यहां के रहवासियों की फजीहत हो जाती। यहां के रहवासियों ने बताया कि पानी लोगों के घरों तक पहुंचे इसके लिए अन्य पाइपलाइन से भी मोहल्ले की पाइपलाइन जोड़ी गई, परंतु उसके बाद भी हालात जस के तस हैं। लोगों ने अपने घरों में आने वाले पाइप नाली के नजदीक से खोल रखे हैं, जिससे नलों में पानी आए, लेकिन इसके बाद भी नलों में पानी नहीं आ रहा।

नहाने के लिए नदी में जाना पड़ता है, नलों में पानी ही नहीं आता, दस-पंद्रह मिनट जो पानी आता है वह भी पीने के लिए बड़ी मुश्किल से पुरता है। नलों में मोटर लगाने पर भी पानी नहीं मिलता। कई लोग मोटर लगाकर भी देख चुके हैं।

लालचंद वर्मा, रहवासी

पानी के लिए पिछले एक साल से परेशान हो रहे हैं। यहां करीब दो सौ से ढाई सौ परिवार निवास कर रहे हैं। जो कपड़े आदि धोने नदी पर ही निर्भर हैं। पास में नदी है तो काम चल रहा है, वरना लोग पानी की व्यवस्था कहां से करते।

दिलीप बारी, रहवासी

यहां के लोगों को पानी मिले इसके लिए समीप के मोहल्ले से पाइपलाइन जोड़ी गई, अब पाइपलाइन जुड़ी है या नहीं नहीं हमको नहीं पता, लेकिन हमें पानी नहीं मिल रहा। घर में मेहमान वगैरह आ जाते तो बड़ी परेशानी होती है। नहाने, कपड़े धोने नदी में चले जाते हैं, लेकिन शौचालय आदि में तो पानी लगता है।

शशिकला वर्मा, रहवासी

पंद्रह मिनट पानी मिल रहा है। कोतवाली के पास में सरकारी नल लगा है, वहां से पानी भरकर लाते हैं, सरकारी नल में भी पानी भरने वाले लोगों की भीड़ लगी रहती है, जिससे घंटों इंतजार करना पड़ता है। वार्ड के लोगों की समस्या कोई सुनने नहीं आता।

रजनीश तिवारी, रहवासी

लाइफ केयर हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेन्टर
आयुष्मान एवं कैशलेस द्वारा मुफ्त इलाज
कम खर्च दर्द निशान रक्तस्त्राव
लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
• गॉलब्लॉडर • अपेंडिक्स • सभी प्रकार के हार्निया • ओवेरियन सिस्ट
• डायग्नोस्टिक लैप्रोस्कोपी • हिस्ट्रैक्टमी • रेक्टप्रोलैप्स
• सुडोपेन कियाटिक सिस्ट • पेट संबंधित सभी प्रकार के ऑपरेशन
संपर्क करें जनता कॉलेज रोड, अनन्तपुर रीवा (म.प्र.) 07662-356125, 8435896118

मेट्रो हॉस्पिटल, रीवा
पता- नया बस स्टैण्ड के पास, श्रीचन्द्र हार्डवेयर के बगल से, शारदापुरम रोड, रीवा
आयुष्मान द्वारा निःशुल्क इलाज
फोन नं.: 07662-314775, मोबा.- 7771000668

आयुष्मान में निःशुल्क एवं कैशलेश ईलाज की सुविधा उपलब्ध
कीमोथेरेपी | शिशु रोग विभाग | पथरी का ऑपरेशन | हड्डी का ऑपरेशन | कैंसर का ऑपरेशन | प्लास्टिक सर्जरी | जनरल सर्जरी | आकस्मिक सुविधा | यूरो सर्जरी | जबड़े का फ्रेक्चर
नेशनल हॉस्पिटल, न्यू बस स्टैण्ड, रीवा (म.प्र.)
अपॉइंटमेंट के लिए संपर्क करें- 18008890620, 8608600604 7566831551

6.99 करोड़ रु. सेवा प्रभार शुल्क बकाया, जमा हुए मात्र 41.32 लाख

सेवा प्रभार शुल्क देने में दिलचस्पी नहीं दिखा रहे शासकीय कार्यालय

69 शासकीय कार्यालयों में से 11 कार्यालयों ने जमा किया सेवा प्रभार शुल्क

बकाया सेवा प्रभार शुल्क जमा नहीं होने से प्रभावित हो रहे विकास कार्य

जागरण, रीवा। नगर निगम द्वारा एक तरफ लाख दो लाख रुपये का संपतिकर नहीं देने वालों के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जा रही है। शहर के कई संस्थानों एवं दुकानों में नगर निगम द्वारा तालाबंदी भी की जा चुकी है लेकिन शहर में स्थित आधा सैकड़ा से अधिक शासकीय कार्यालयों में से मात्र दर्जन भर शासकीय कार्यालयों द्वारा ही सेवा प्रभार शुल्क जमा किया गया है। शेष शासकीय कार्यालयों के पास करोड़ों रुपये का सेवा प्रभार शुल्क बकाया है, लेकिन उनके द्वारा इसे जमा करने का कोई प्रयास नहीं किया जा रहा है। गौरतलब है कि नगर निगम क्षेत्र में स्थित 69 शासकीय कार्यालयों से भी सेवा प्रभार शुल्क लिए जाने का प्रावधान है, लेकिन शासकीय कार्यालय भी सेवा प्रभार शुल्क देने में लगातार लापरवाही कर रहे हैं। नगर निगम द्वारा चिन्हित किये गये शहर में स्थित 69 शासकीय कार्यालयों में से मात्र दर्जन भर कार्यालयों द्वारा चालू वित्त वर्ष में अब तक 41 लाख 32532 रुपये जमा किया गया है जबकि बाकी के शासकीय कार्यालयों पर 6 करोड़ 58 लाख 4418 रुपये सेवा प्रभार शुल्क बकाया है। पिछले वर्ष दर्जन भर शासकीय कार्यालयों द्वारा 2 कारोड़ 20 लाख 34626 रुपये सेवा प्रभार शुल्क जमा किया गया था। इस राशि में सर्वाधिक राशि 2 करोड़ 3 लाख 48 हजार रुपये संजय गांधी अस्पताल रीवा द्वारा जमा किये गये हैं। सूत्रों ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2017-18 से 2023-24 तक का सेवा प्रभार शुल्क के रूप में सबसे अधिक श्याम शाह मेडिकल कालेज रीवा का लगभग डेढ़ करोड़ रुपये बकाया है। इसके बाद एपीएस विश्व विद्यालय रीवा का 75 लाख रुपये से अधिक का सेवा प्रभार शुल्क बकाया है। नगर निगम को शासकीय कार्यालयों द्वारा सेवा प्रभार शुल्क जमा नहीं करने महत्वपूर्ण विकास के कार्य नहीं हो पा रहे हैं।

क्यों जरूरी है सेवा प्रभार शुल्क

शासकीय कार्यालयों को नगर निगम में सेवा प्रभार शुल्क जमा करना इसलिए जरूरी है क्योकि वह मध्य प्रदेश नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 132-क की उपधारा (1) तथा मध्य प्रदेश नगर पालिका अधिनियम 1961 की धारा 127-ख की उपधारा (1)के प्रावधानो के अनुसार वह जल प्रदाय जल निकास एवं मलवहन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन तथा अन्य किसी प्रकार की प्रदान की गई सेवाओं के लिए उपभोक्ता प्रभार अधिरोपित करेगी। नगरीय निकाय सरकारी संपतियों पर जल प्रदाय, सफाई, सीवरेज तथा अन्य सामान्य सेवाओं पंहुच मार्ग, पथ प्रकाश तथा ड्रेनेज उपलब्ध कराने के बदले में सेवा प्रभार अधिरोपित कर सकते हैं। श्ह निजी संपत्ति पर लगने वाले संपत्तिकर का 75 प्रतिशत, 50 प्रतिशत एवं 33 प्रतिशत होगा। सेवा प्रभार प्रदान की गई सेवाओं कही मात्रा पर आधारित होगा।

इन संस्थानों ने जमा किया सेवा प्रभार शुल्क

वित्तीय वर्ष 2024-25 में अब तक सिर्फ 11 संस्थानों द्वारा सेवा प्रभार शुल्क जमा किया गया है। सेवा प्रभार शुल्क जमा करने वालों में संजय गांधी स्मृति चिकित्सालय, नवीन केशरवानी शिक्षा समिति, मुख्य डाक घर कार्यालय, मृगनयनी एम्पोरियम, परियोजना अधिकारी एकीकृत एवं महिला बाल विकास कार्यालय, केन्द्रीय जेल रीवा, पुलिस वेलफेयर पेट्रोल पंप, आईटीआई रीवा, जिला उपभोक्ता फोरम कार्यालय रीवा एवं ईको पार्क रीवा शामिल है। इसके अलावा किसी भी शासकीय कार्यालय रीवा सेवा प्रभार शुल्क नहीं जमा किया गया है।

इनके खिलाफ कैसे होगी कार्रवाई

नगर निगम प्रशासन निजी संस्थानों व आवासों से वसूली के लिए कुर्की और तालाबंदी की कार्रवाई करता है। अभी हाल में कई संस्थानों में ताला लगाया गया और राशि वसूली गई। लेकिन सरकार विभाग सेवा प्रभार शुल्क जमा करने में आनाकानी कर रहे हैं तो इनके खिलाफ क्या कार्रवाई की जायेगी। भले निगम द्वारा हाथ पैर मारा जा रहा हो लेकिन कार्रवाई करने में पसीना आ जायेगा। यही कारण है कि साढ़ करोड़ से अधिक प्रभार सेवा शुल्क वसूली होना शेष है।

इन शासकीय दफ्तरों का नहीं जमा हुआ सेवा प्रभार शुल्क कार्यालयों की सूची

कार्यालय/विभाग का नाम	अधिरोपित सेवा प्रभार की राशि
कुल सचिव एपीएस विश्वविद्यालय रीवा	7552020.00
प्राचार्य इंजीनियरिंग कालेज रीवा	4627638.00
मुख्य वन संरक्षक वन विभाग, जिला-रीवा	1915480.00
स्टेशन डायरेक्टर आकाशवाणी केन्द्र, जिला-रीवा	278375.00
कार्यपालन यंत्री, क्योंटी नहर सभाग, जिला-रीया	4003168.00
प्राचार्य पॉलिटेक्निक इंजी. कालेज जिला-रीवा	2126252.00
प्राचार्य, मडिल स्कूल, जिला-रीवा	532650.00
जिला दूरसंचार प्रबंधक, जिला-रीवा	1010396.00
अपर आयुक्त राजस्व कार्यालय रीवा सभाग, रीवा	646380.00
डिप्टी कलेक्टर कार्यालय (पुराना), जिला-रीवा	510300.00
डिप्टी कलेक्टर कार्यालय (नया), जिला-रीवा	1454356.00
प्राचार्य, टीआरएस कालेज जिला रीवा	3878280.00
प्राचार्य, शा. विज्ञान महाविद्यालय, जिला-रीवा	2154600.00
प्राचार्य, कृषि महाविद्यालय, जिला-रीवा	1176065.00
प्रबंधक विन्ध्या रिट्रीट, मप्र पर्यटन विभाग, रीवा	624870.00
क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय, जिला रीवा	565988.00
उपायुक्त, आबकारी कार्यालय, जिला-रीवा	409664.00
सहायक आयुक्त, आबकारी कार्यालय, जिला-रीवा	116542.00
पुलिस अधीक्षक, जिला-रीवा	4271243.00
प्राचार्य, शा. पीके उ.मा. विद्यालय, जिला-रीवा	762927.00
अधिष्ठाता, विटनरी कालेज जिला रीवा	5537056.00
प्राचार्य, शा. उमावि क्र.1 घोबिया टंकी, रीवा	355512.00
प्राचार्य, शा. उमावि क्र.2 धोबिया टंकी, रीवा	355512.00
प्राचार्य क्षेत्रीय कृषि अनुसंधान प्रक्षेत्र कुठुलिया, रीवा	171519.00
प्राचार्य, बी.एड. कालेज, जिला-रीवा	83590.00
अधीक्षक, आदिमजाति कन्या छात्रावास, जिला-रीवा	69522.00
प्राचार्य, जनता महाविद्यालय, जिला-रीवा	276201.00
प्राचार्य, मार्तण्ड स्कूल क्र. 1, जिला-रीवा	131384.00
प्राचार्य, मार्तण्ड स्कूल क्र.2, जिला-रीवा	180632.00
प्राचार्य, मार्तण्ड स्कूल क्र.3, जिला-रीवा	357500.00
प्राचार्य, गोलवरकर महाविद्यालय, जिला-रीवा	318394.00
प्राचार्य, शासकीय कन्या महाविद्यालय जिला रीवा	748432.00
सीईओ, जिला पंचायत जिला रीवा	37616.00
संयुक्त संचालक, लोक शिक्षण विभाग जिला रीवा	4555600.00
जिला आयकर अधिकारी, जिला सेवा	191868.00
क्षेत्रीय ग्रंथपाल शा. केन्द्रीय पुस्तकालय, जिला रीवा	80190.00
संयुक्त संचालक, मत्स्य उद्योग विभाग जिला-रीवा	190476.00
परियोजना अधिकारी एकीकृत बाल विकास, रीवा	136080.00
जेडी, किसान कल्याण एवं कृषि विभाग, जिला रीवा	107568.00
संयुक्त संचालक, सांख्यिकी कार्यालय, जिला-रीवा	32076.00
अधीक्षक, आयुर्वेदिक चिकित्सालय जिला-रीवा	118906,00
संयुक्त संचालक, उद्यान विभाग, जिला-रीवा	413684.00
प्रबंधक, उप डाकघर शिल्पी प्लाजा जिला-रीवा	8019.00
प्रबंधक, उप डाकघर पुराना बस स्टैण्ड जिला-रीवा	11878.00
प्रबंधक, मृगनयनी एम्पोरियम, जिला-रीवा	23834.00
जिला उपभोक्ता फोरम, जिला रीवा	8910.00
महा प्रबंधक, जिला व्यापार केन्द्र, जिला-रीवा	21161.00
सहायक नियंत्रक, नापतौल विभाग, जिला रीवा	14256.00
संरक्षण सहायक भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण, रीवा	29700.00
प्रबंधक, शासकीय कुक्कुट प्रेक्षत्र, जिला-रीवा	27621.00
कंपनी कमाण्डर, पुलिस वेलफेयर पेट्रोल पम्प रीवा	133650.00
अधीक्षक, शासकीय केन्द्रीय जेल, जिला-रीवा	89100.00
प्रबंधक, मुख्य डाकघर सिरमौर चौराहा जिला-रीवा	43586.00
प्राचार्य, आई टी आई जिला-रीवा	217149.00
प्राचार्य, शासकीय बुनियादी प्रशिक्षण केन्द्र रीवा	136080.00
अधिष्ठाता, श्याम शाह मडिकल कालेज रीवा	14377623.00
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी रीवा	211439.00
अधीक्षक, जिला चिकित्सालय जिला रीवा	1757741.00
प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय क्र. 1 जिला रीवा	1347740.00
प्राचार्य केन्द्रीय विद्यालय क्र. 2 जिला रीवा	211616.00
एसपी ईओडब्ल्यू कार्यालय जिला रीवा	232820.00
पुलिस वेलफेयर पेट्रोल पंप जिला बल रीवा	103275.00
पुलिस अधीक्षक कार्यालय जिला रीवा	3960374.00
पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त कार्यालय जिला रीवा	48712.00
पुलिस अधीक्षक कार्यालय पीटीएस जिला रीवा	1881301.00
संभागीय पशु चिकित्सालय जिला रीवा	30620.00
विकासखंड पशु चिकित्सा अधिकारी जिला रीवा	30620.00
संभागीय पशु रोग अन्वेषण प्रयोगशाला जिला रीवा	91856.00
बाबू जगजीवन राम अनु.जाति कन्या छात्रावास रीवा	160380.00
कुलयोग	6,99,36,950.00

1761 में से 1481 विद्यार्थी हुए प्रवेश परीक्षा में शामिल

केन्द्र का नाम	दर्ज	उपस्थित	अनुपस्थित
शा. मार्तण्ड उमावि-2	307	264	43
शा. मार्तण्ड उमावि-3	300	274	26
शा. मॉडल उमावि	433	328	105
शा. उत्कृष्ट उमावि मार्तण्ड-1	550	468	82
शा. उत्कृष्ट उमावि गंगेव	36	30	6
शा. उत्कृष्ट उमावि जवा	3	3	०
शा. उमावि त्योंथर	55	46	9
शा. उमावि हनुमना	14	14	०
शा. उत्कृष्ट उमावि मऊगंज	59	51	8

उत्कृष्ट एवं मॉडल स्कूल प्रवेश परीक्षा संपन्न

जागरण, रीवा। उत्कृष्ट एवं मॉडल स्कूल स्कूल में प्रवेश पाने रविवार को शहर के 9 परीक्षा केन्द्रों में प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें दर्ज 1761 विद्यार्थियों में से कुल 1481 विद्यार्थी परीक्षा में सम्मिलित हुए, जबकि 280 विद्यार्थी अनुपस्थित रहे। सहायक संचालक राजेश मिश्रा ने बताया कि परीक्षा शांतिपूर्ण संपन्न की गई।

भारतीय किसान संघ की नगर इकाई का हुआ गठन

किसानों की समस्याओं का लेकर हुई चर्चा

रीवा। भारतीय किसान संघ जिला रीवा की एक महत्वपूर्ण बैठक आज 09 मार्च,को रीवा स्थित होटल सेलिब्रेशन में संपन्न हुई। बैठक जिला अध्यक्ष भूपेंद्र मणि अग्निहोत्री की अध्यक्षता में आयोजित हुई। जिसमें प्रान्त संगठन मंत्री भरत जी एवं मातृ संगठन की ओर से विभाग प्रचारक हरिनारायण जी एवं विभाग प्रचार प्रमुख विवेक उपस्थित रहे। इस दौरान संगठन द्वारा नगर इकाई के गठन की घोषणा भी की गई। जिसमें कमलेन्द्र पांडेय नगर अध्यक्ष एवं अनूप सिंह नगर मंत्री बनाए गए है। इस दौरान किसानों के ज्वलंत मुद्दों पर विशेष चर्चा की गई। साथ ही संगठन विस्तार एवं रचनात्मक कार्यों में संगठन की ओर से चलाए गए विषयों की समीक्षा की गई।

उक्त बैठक मे संगठन की ओर से सम्भागीय मंत्री जय प्रकाश पटेल सम्भागीय कार्य कारणी सदस्य जगदीश पटेल रामनारायण सिंह जिला उपाध्यक्ष बृजभूषण मिश्रा जिला मंत्री प्रो महेंद्र प्रताप सिंह जिला महिला सहयोंजिका मनोज्ञा सिंह, जिला सह मंत्री सीबी सिंह, जिला सह मिडिया प्रभारी नीरज मिश्रा, जिला युवा वाहिनी संयोजक अकंलेश पटेल, जिला युवा वाहिनी सह संयोजक राजेश मिश्रा, मनगवा तहसील अध्यक्ष जोधा प्रसाद पटेल, मनगवा तहसील मंत्री शुशील शुक्ला, रायपुर कर्चुलियान अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह, तहसील मंत्री मंगल सिंह पटेल, आशीष कुमार, सिरमौर तहसील उपाध्यक्ष कमला कान्त तिवारी, तहसील सिरमौर मंत्री कैलाश तिवारी, कमलनारायण तिवारी, गोविंद प्रसाद सहित अन्य तहसील स्तर के पदाधिकारी रहे उपस्थित रहे।

गंदगी से पटे हैं सुपर स्पेशलिटी के शौचालय

जागरण, रीवा। सुपर स्पेशलिटी के निर्माण व यहां किए गए अन्य कार्यों के गुणवत्ता की लगातार पोल खुल रही है। अभी तक यहां छत चूने व फॉल सीलिंग गिरने के मामले सामने आ रहे थे, अब अस्पताल में शौचालय की सुविधा के लिए मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है। निकासी सही नहीं होने से शौचालय चोक हैं, जिससे गंदगी फैली हुई है। मरीज परेशान हो रहे हैं, लेकिन प्रबंधन द्वारा इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इतना ही नहीं, शौचालयों में टाइल्स सहित अन्य उपकरण भी टूटे हुए हैं।

वैकल्पिक शिक्षक को भेजा मूल पद पर, नहीं कर रहा ज्वाइन

रीवा। जनपद शिक्षा केन्द्र रीवा में उच्च श्रेणी शिक्षक रामनारायण मिश्रा उमावि डिहिया को विकासखण्ड अकादमिक समन्वयक के पद पर व्यवस्था के तहत वैकल्पिक रूप से आगामी आदेश तक कार्यानुमति प्रदान की गई थी, जिन्हें जिला परियोजना समन्वयक द्वारा 13 फरवरी को कार्यमुक्त उनकी मूल संस्था में भेज दिया गया। लेकिन उन्होंने वहां ज्वाइनिंग नहीं दी। हालांकि प्राचार्य का कहना है कि उनका घुटना खराब हो गया था, जिससे वे अवकाश पर हैं। इसलिए संबंधित ज्वानिंग नहीं दिया बता नहीं सकता।

टीबी मुक्त जिला बनाने किया जा रहा प्रयासः सीएमएचओ

रीवा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ.संजीव शुक्ला ने बताया है कि प्रधानमंत्री के संकल्प अनुसार टीबी रोग का उन्मूलन वर्ष 2025 तक किये जाने का लक्ष्य प्रदान किया गया है। इस हेतु ऐसे सभी संभावित लोग जिनमें टीबी रोग होने की संभावना ज्यादा है,उन सभी का परीक्षण कर उनको टीबी की दवाइयां खिलाकर स्वस्थ्य करना है। इस हेतु सभी मधुमेह रोगियों में टीबी रोग की खोज किया जाना है। शहरी मलिन बस्तियों में स्वास्थ्य शिविर के माध्यम से टीबी रोग की खोज की जानी है। एचआईव्ही क्लीनिक में आने वाले सभी रोगियों का टीबी हेतु परीक्षण किया जाना है। सभी धूम्रपान/मादक पदार्थों का सेवन करने वाले लोगों में टीबी रोग की खोज की जानी है। शासन की मंशानुसार निःक्षय मित्र बनकर टीबी रोगियों को दवा पूरी होने तक पोषण आहार देने का प्रावधान किया गया है। जिले के सभी प्राइवेट चिकित्सको से टीबी रोग को जिले से खत्म करने हेतु सह्योग की अपेक्षा की गई है। सभी बच्चों के डॉक्टरों से अनुरोध है कि बच्चों में टीबी रोग का परीक्षण अवश्य कराएं, खासकर कुपोषित बच्चों में टीबी रोग होने की संभावना अधिक होती है। सभी महिला चिकित्सकों से भी यह अपेक्षा हैं कि ऐसी महिलाएँ जो माँ नहीं बन पा रहीं हैं, वह भी टीबी की जॉच अवश्य करवायें, क्योंकि बहुत महिलाओं में यह समस्या टीबी रोग के कारण हो रही है।

स्वास्थ्य, रक्षा, स्वावलंबन महिला सशक्तिकरण का वृंदावन गार्डन में हुआ आयोजन

रीवा। शनिवार के दिन देशभर में मनाए जा रहे अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर वृंदावन गार्डन झिरिया के समीप वृहद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शहर भर से आयोजन में पहुंची महिलाओं को सम्मानित किया गया। साथ ही कार्यक्रम दौरान खेल के अलावा नुक्कड़ नाटक एवं गायन की प्रस्तुति महिलाओं द्वारा दी गई। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला कलेक्टर प्रतिभा पाल रहीं। जबकि अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल ने की। इसके अलावा जनपद पंचायत रीवा की अध्यक्ष संगीता यादव शामिल रहीं। कार्यक्रम की आयोजन रेनू यादव एवं आयोजक आशा सिंह के अलावा पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष माया सिंह, प्रो.डॉ. सुधा सोनी, पूर्व जिला पंचायत उपाध्यक्ष विभा सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता विमलेश मिश्रा, पूर्व जिला अध्यक्ष महिला मोर्चा बीजेपी मनीषा पाठक, वरिष्ठ समाजसेवी ममता सिंह, पूर्व महापौर ममता गुप्ता, समाजसेवी सरोजनी मिश्रा, समाजसेवी ममता पयासी, रचित खंडेलवाल, कल्पना पटेल, स्नेहा सिंह, मोनिका यादव, रेखा सिंह, उमा सिंह, महिला बाल विकास अधिकारी प्रतिभा पाण्डेय, नगर पुलिस अधीक्षक रितु उपाध्याय, उपनिरीक्षक मिथिलेश यादव, चाइल्ड आफीसर महिला बाल विकास स्वाती श्रीवास्तव, अंतर्राष्ट्रीय कबड्डी दर्शना बाकड़े, प्रतिभा सिंह, पायल सिंह, साहित्यकार डॉ.प्रतिभा पटेल, डॉ.सुष्मिता मिश्रा, अनु शर्मा, श्रलेश शुक्ला, सरगम रीती पांडेय, तमन्ना खान, डॉ.संध्या श्रीवास्तव आदि मौजूद रहीं।

बिना बीआईएस की मान्यता के संचालित हो रहे पेयजल प्लांट

जागरण,रीवा। जिले में पेयजल के नाम पर गोरखधंधा खूब फल फूल रहा है, बिना सक्षम स्वीकृति के आए दिन बन रही नई-नई कंपनियां स्थानीय स्तर सहित जिले के बाहर पेयजल का व्यापार कर रही हैं। हैरानी इस बात की है कि जिम्मेदार विभाग मौन साधे बैठे हुए हैं और इस गोरखधंधा करने वालों को संरक्षण प्रदान कर रहे हैं। बता दें कि इस मामले को लेकर पेयजल का व्यापार करने वाले कुछ एजेंसियों के संचालकों ने शिकायत कलेक्टर से की है, इतना ही नहीं अवैध व्यापार करने वालों की सूची भी कलेक्टर रीवा को सौंपी गई है और जांच की मांग की गई है। रीवा पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर एसोसिएशन बोर्ड से की गई शिकायत में बताया है कि जिले में बिना बीआईएस की मान्यता प्राप्त अमानक स्तर का पानी पाऊच सप्लाई किया जा रहा है, जो बिना लैब टेस्टिंग किए ही विक्रय हो रहा है, इस पानी की शुद्वता की कोई गारंटी नहीं होती। ऐसे संचालकों द्वारा मुनाफा कमाने की नियत से मानव जीवन से खिलवाड़ किया जा रहा है। शिकायत में रीवा पैक्ड ड्रिंकिंग वॉटर एसोसिएशन बोर्ड ने आरोप लगाया है कि इन एजेंसियों द्वारा शासन को धोखे में रखकर पानी बेचने का न तो लाइसेंस लिया गया है और जीएससीटी भी नहीं लिया गया है और शासन को मिलने वाले लाभ से भी वंचित कर गोरखधंधा किया जा रहा है। यह लोग सरहंग प्रवृत्ति के लोग हैं जो गुंडागर्दी के दम पर अपना गोरखधंधा चला रहे हैं।

एक वर्ष पहले मांगी गई थी रिपोर्ट

जिला अस्पताल को अब तक नहीं मिली मैमोग्राफी मशीन

मेडिकल कॉलेज को दे दी गई मशीन, अब जिला अस्पताल को भूला शासन

जागरण,रीवा। जिला अस्पताल में बीते वर्ष मैमोग्राफी मशीन के लिए स्वीकृति दी गई थी। अस्पताल प्रबंधन से इस मशीन को इंस्टॉल करने व उससे संबंधित जानकारी तलब की गई थी, जानकारी भेज भी दी गई। माना जा रहा था कि जल्द ही यह सौगात जिला अस्पताल को मिलेगी और रीवा सहित आस-पास के जिलों को इस मशीन से होने वाली जांच सुविधाओं का लाभ मिल सकेगा। हालांकि ऐसा हुआ नहीं। एक वर्ष बीत गए और अब तक यह मशीन जिला अस्पताल को नहीं मिली। जिला अस्पताल को तो मशीन नहीं दी गई लेकिन मेडिकल कॉलेज को जरूर यह मशीन मिल गई है। जबकि जिला अस्पताल के लिए पहले ही घोषणा कर दी गई थी। फिलहाल यह सुविधा जिले भर में मेडिकल कॉलेज में उपलब्ध है। जिला अस्पताल में मशीन आने के बाद इस जांच सुविधा के लिए जिले के मरीजों को नहीं भटकना पड़ेगा।

मशीन से होती हैं यह जांचे

जिला चिकित्सालय के चिकित्सकों की मानें तो मैमोग्राफी से प्रमुख रूप से स्तन कैंसर की जांच की जाती है। यह एक ऐसा महत्वपूर्ण टेस्ट है जिसमें नियमित चिकित्सकीय जांचों और स्तन की स्वयं जांच के साथ स्तन कैंसर का जल्द पता लगाने में मदद मिलती है। इस टेस्ट में डॉक्टर स्तन का एक्स रे करता है।

प्राइवेट में होता है ज्यादा खर्च

मात्र एक जगह पर जांच सुविधा होने से लोड बढ़ता है, ज्यादातर मरीज जिला अस्पताल पहुंचते हैं। इस मशीन से जांच के लिए प्राइवेट अस्पतालों में ढाई से तीन हजार रुपए तक खर्च मरीज को करना पड़ता है। जिला अस्पताल में यह सुविधा शुरू होने के बाद मरीज को काफी कम खर्च या फिर निःशुल्क यह सुविधा मिल सकती है। हालांकि अभी इस पर कोई विचार नहीं किया गया है। मशीन इंस्टॉल होने के बाद आगे की रूपरेखा तैयार की जाएगी।

खतरनाक स्टेज में होती है जानकारी

चिकित्सकों के अनुसार आमतौर पर जब कैंसर की गांठें बनना शुरू होती हैं तो इसकी जांच महिलाएं नहीं करवातीं। खासकर ग्रामीण महिलाएं कैंसर की शुरूआत में जांच नहीं करवातीं। कैंसर की गांठें बनना शुरू होती हैं तो वह उसे नॉर्मल बीमारी समझकर जांच नहीं करवातीं। मगर जब यह तीसरे स्टेज से आगे बढ़ जाता है और इसमें दर्द होना शुरू होता है तो ही वह जांच के लिए आती हैं। सरकारी सुविधा नहीं होने व बाहर जाने के डर से और समस्या होती है, लेकिन सुविधा शुरु होने के बाद इस गंभीर बीमारी को मात दी जा सकेगी।

11 मार्च को पैदल मार्च व संजय गांधी अस्पताल में होगा मौन सत्याग्रह : कुंवर सिंह

जागरण, रीवा। जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण के कार्यकारी अध्यक्ष किसान नेता नेता कुंवर सिंह ने बताया कि रीवा जिले की स्वास्थ्य सुविधाओं की आन, बान, शान संजय गांधी अस्पताल व जिले की अन्य स्वास्थ्य व्यवस्थाएं पूरी तरह से बेहाल हो गई हैं। प्रदेश में बिगड़ी हुई स्वास्थ्य व्यवस्था व रीवा जिले में संजय गांधी अस्पताल, जिला अस्पताल व सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में हो रही व्यापक गड़बड़ियां भ्रष्टाचार अमानक दवाइयों का वितरण आवश्यक मशीन उपलब्ध होने के बावजूद निजी दुकानों में परीक्षण के लिए भेजना निजी अस्पतालों में बीमार व पीड़ित व्यक्तियों को डॉक्टरों द्वारा भेजे जाने के विरोध में विवेकानंद पार्क से 11 बजे संजय गांधी अस्पताल तक पदयात्रा व रैली एवं संजय गांधी अस्पताल में हनुमानजी के मंदिर के सामने 12 से 2 बजे तक मौन धरने का आयोजन किया गया है। साथियों व कांग्रेस जनों को 11 मार्च को सुबह 11 बजे विवेकानंद पार्क से संजय गांधी अस्पताल तक रैली व संजय गांधी अस्पताल के सामने हनुमानजी के मंदिर के समक्ष मौन धरना कार्यक्रम में आम जनमानस की समस्याओं को देखते हुए कांग्रेस पार्टी एवं पार्टी की विचारधारा से संबंधित जन पीड़ित आम जनमानस अनिवार्य रूप से पहुंचने की अपील की है।

भारतीय रिज़र्व बैंक
RESERVE BANK OF INDIA
www.rbi.org.in

मध्य प्रदेश राज्य सरकार की 06, 17 और 22 वर्षीय प्रतिभूतियों की नीलामी

मध्य प्रदेश राज्य सरकार ने नीलामी के माध्यम से कुल **₹6,000.00 करोड़ (अंकित मूल्य)** के प्रतिभूतियों की बिक्री का प्रस्ताव किया है।

एकाधिक मूल्य प्रारुप के अंतर्गत प्रतिफल आधारित नीलामी भारतीय रिज़र्व बैंक के कोर बैंकिंग सोल्यूशन **(ई-कुबेर)** पर **11 मार्च 2025 (मंगलवार)** को आयोजित की जाएगी । व्यक्तिगत निवेशक भी **रिटेल डायरेक्ट पोर्टल (https://rbiretaildirect.org.in)** के माध्यम से गैर-प्रतिस्पर्धी योजना के अनुसार बोली लगा सकते है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया भारतीय रिज़र्व बैंक की वेबसाइट **(www.rbi.org.in)** पर **07 मार्च 2025 (शुक्रवार)** की प्रेस प्रकाशनी देखें।

"पैसे का वादा करने वाले ई-मेल/एसएमएस/टेलीफोन द्वारा धोखा न खाएं"

ईओडब्ल्यू टीम का सीधी के धान उपार्जन केंद्रों में पड़ा छापा

ईओडब्ल्यू रीवा की टीम के छापा से मचा हड़कंप

उपार्जन केंद्रों में पकड़ी गई 8916 क्विंटल धान की हेराफेरी

जागरण, सीधी

जिले में धान की खरीदी शुरू होने के बाद से ही गोलमाल करने की शिकायतें सुर्खियों में बनी हुई थी। धान के घोटाले में संबंधित विभागों के बड़े अधिकारियों के संलिप्त होने के कारण करोड़ों का घोटाला सुनियोजित तरीके से किया जा रहा है। धान के घोटाले मे वर्षों से वेयरहाउस, समितियां, अधिकारी और कर्मचारी संलिप्त थे। इस बार भी यह खेल जमकर खेला जा रहा है और शासन को करोडों का चूना लग रहा है। यही कारण है कि अब इस मामले में ईओडब्ल्यू को प्रदेश के अन्य जिलों के साथ ही सीधी जिले में भी छापामार कार्यवाही करनी पड़ी है। जांच के बाद जिन वेयर हाउसों मे धान की मात्रा बेहद कम मिली थी उनकी मात्रा एफआईआर के बाद भी बढ़ती जा रही है। जिले में धान उपार्जन मे अनियमितता का मामला सामने आया है। जिसमें फर्जी रजिस्ट्रेशन के जरिए सरकार को लाखों रुपये की चपत लगाई गई है। इस अनियमितता के खुलासे के बाद आर्थिक अपराध शाखा ईओडब्ल्यू ने पूरे जिले में छापेमारी शुरू कर दी है। अब तक की जांच में 8916 क्विंटल धान की हेराफेरी पकड़ी गई है। बताते चलें कि शासन के निर्देशानुसार गड़बड़ी की आशंका वाले धान उपार्जन केंद्रो मे औचक जांच की कार्यवाही ईओडब्ल्यू द्वारा शनिवार को शुरू की गई। जिसके धान में खरीदी को लेकर पूर्व में भी इस तरह की गडबड़ियां की जाती रही है जिसको लेकर प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस घोटाले पर सख्त रूख अपनाते हुए ईओडब्ल्यू को प्रभावी कार्रवाई करने के निर्देश दिये थे जिसके बाद अब सीधी जिले में भी छापेमारी शुरू की गई है।

घोटाला को अंजाम देने फर्जी रिकार्डों का संधारण

किसानों के फर्जी रजिस्ट्रेशन कर बिना धान खरीदे ही पोर्टल पर खरीद दर्ज की जाती थी। वेयरहाउस और ट्रांसपोर्ट में गलत रिकॉर्ड तैयार कर भुगतान ले लिया जाता था। समितियों में रखे धान की जगह भूसी या घटिया अनाज रखा जाता था और इसी धान को वेयर हाउसों में भंडारित कर दिया जाता था जिसका भुगतान वेयर हाउस मालिकों द्वारा शासन से लिया जाता था। लेकिन के उक्त कार्रवाई के बाद जिले में हड़कंप मचा हुआ है।

15 सदस्यीय टीम कार्यवाही में मुस्तैद

ईओडब्ल्यू रीवा की टीम में डीएसपी किरण कीरो, निरीक्षक प्रियंका पाठक एवं उपनिरीक्षक अभिषेक पाण्डेय सहित 15 सदस्यीय टीम द्वारा कार्रवाई की जा रही है। संदेह के दायरे में आए धान उपार्जन केंद्रों में टीम द्वारा काफी बारीकी के साथ साक्ष्यों को एकत्रित करने का काम शुरू किया गया है।

ईओडब्ल्यू की छापेमारी में खरीदी केंद्र टीकट कला में लगभग 2800 क्विंटल कम धान पाई गई। सर्रा में 1670 क्विंटल कम धान एवं बघवार में 637 क्विंटल कम धान पाई गई। वहीं कमर्जी मे 505 क्विंटल, अमिरती मे 416 क्विंटल, बघोर मे 808 क्विंटल व बिठौली मे 2081 क्विंटल धान कम पाई गई है। पूरे जिले में कार्रवाई के बाद स्पष्ट हो सकेगा कि कितनी कम धान पाई गई है। इन पूरे मामले में खरीदी केन्द्रों के प्रभारियों के साथ-साथ जिले में बैठे अधिकारियों की भूमिका संदिग्ध बनी हुई है।

रीवा में खुलेगा गणेशम फास्ट फूड

जागरण, रीवा। गणेशम फास्ट फूड व आहार वाटिका के तत्वावधान में स्थित यूनियन बैंक के बगल में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस द्वारा फ्रेंचाइजी ओनर एवं इन्वेस्टट्रैक के संचालक सुधीश मिश्रा द्वारा बताया गया गणेशम फास्ट फूड भोपाल का एक बेस्ट ब्रांड है जिसका संचालन 1993 से शुरू हुआ था और आज भोपाल में अपने पांच आउटलेट से भोपाल के फूड लवर्स की पहली पसंद है। गणेशम अपने स्वाद गुणवत्ता स्वच्छता और अपने किफायती दरों से हर उम्र के लोगों के खान-पान में प्रचलित है 2008 में जब मैं भोपाल गया और वहां पर संचालित इनके रेस्टोरेंट की स्वच्छता और खान-पान की गुणवत्ता देखा तभी से मन में यह संकल्प ले लिया था की भविष्य में ऐसे रेस्टोरेंट को रीवा में लेकर आऊंगा। समय बीतने के साथ मेरा यह सपना हमेशा सपना बना रहा जिसकी चर्चा श्री नरसिंह मंदिर के निर्माण के दौरान मैंने अपने बड़े भाई जैसे मित्र व आहार वाटिका के डायरेक्टर अजय सिंह बघेल से वर्षों पुराने सपने को साकार करने के लिए उनके साथ प्रयास शुरू किया और प्रयासों के मूर्त स्वरूप देखते हुए आज गणेशम फास्ट फूड रीवा में खुलने जा रहा है। बड़ी बात यह है की गणेशम की फ्रेंचाइजी भोपाल के बाद इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर जैसे महानगरों को दरकिनार करते हुए और अति विकासशील शहर रीवा की प्रगति को देखते हुए कंपनी ने अपना नया प्रतिष्ठान रीवा में खोलने को निर्णय लिया। सुधीश मिश्रा ने बताया कि इसका विधिवत उद्घाटन राजेन्द्र शुक्ल उपमुख्य मंत्री मप्र शासन द्वारा 10 मार्च को सुबह 11 बजे किया जाएगा। कांफ्रेंस में विभु सूरी, सुमित डिगवानी, नितेश जैन, गणेश पांडे, गौरव पांडे व शहर के गणमान्य नागरिकों के बीच पधारे सभी सम्मानित मीडिया बंधुओं को स्मृति चिन्ह द्वारा सम्मानित किया गया।

विंध्य प्रदेश पुर्ननिर्माण को लेकर उमरी में बैठक सम्पन्न

जागरण, रीवा। विंध्य प्रदेश पुर्ननिर्माण को लेकर ऑल इण्डिया फारवर्ड ब्लॉक मप्र की एक बैठक सिरमौर विधानसभा के उमरी गांव में सम्पन्न हुई। बैठक में एआईएफबी नेता नागेन्द्र सिंह कल्चुरी ने विंध्य प्रदेश के पुर्ननिर्माण की मांग को रखा जिस पर उपस्थित लोगों ने मांग का समर्थन करते हुए विंध्य प्रदेश की वापसी को लेकर संकल्प दोहराया।

कल्चुरी ने कहा कि विंध्य प्रदेश के पुर्ननिर्माण को लेकर मप्र विधानसभा में तत्कालीन विधानसभा अध्यक्ष श्रीयुत श्रीनिवास तिवारी ने संकल्प पत्र ध्वनिमत से पारित कराकर केन्द्र में अटलजी की सरकार को भेजा था लेकिन विंध्य के सांसदों ने विंध्य प्रदेश की मांग को लेकर सदन में किसी भी प्रकार की आवाज नहीं उठाई। उन्होंने विंध्य प्रदेश के पुर्ननिर्माण की मांग को लेकर सड़क से सदन तक आवाज उठाने की मांग पर बल दिया। बैठक में उपस्थित समाजसेवी शिवशंकर कुशवाहा ने कहा कि विंध्य प्रदेश पहले से बना था जिसको मप्र में विलय कर दिया गया हम अपने विंध्य प्रदेश को लेने के लिए कोई भी कुर्बानी दे सकते हैं। बैठक में आशीष केवट, रतन प्रसाद कुशवाहा, शिवशंकर कुशवाहा पूर्व जनपद उपाध्यक्ष उमरी, सियाशरण केवट, सुखलाल कुशवाहा, मोहनलाल कुशवाहा, सोमवती केवट सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

बीजेपी के मोहन का शिक्षा पर फोकस नहीं : शिव सिंह

रीवा। मप्र में शिक्षा के गिरते हुए स्तर पर गंभीर चिंता व्यक्त करते हुए समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एड. शिव सिंह ने कहा कि शासकीय स्कूलों के हालात बद से बदतर होते जा रहे हैं मप्र में 20 वर्षो से भाजपा की सरकारें रहीं लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में गंभीर नहीं रही, ऐसे नाजुक हालातों में मप्र के बच्चे रोजगार की दौड़ में बाकी देश के बच्चों से क्या प्रतिस्पर्धा कर पाएंगे यह बड़ा सवाल आज हम सब के बीच है मप्र में कुल 94000 से अधिक सरकारी स्कूलें हैं जिनमें कुल संचालित 80000 स्कूलों में से अधिकांश प्राथमिक हैं जहां अधिकांश शासकीय प्राथमिक स्कूलों में पांचवी तक के प्रवेश की सुविधा ही नहीं है और न ही अन्य व्यवस्थाएं हैं जिससे अभिभावकों को प्राइवेट स्कूलों में ही दाखिला दिलाना मजबूरी बन गया है वहीं 1275 स्कूलों में एक भी शिक्षक नहीं है तथा 6838 स्कूल ऐसे हैं जिनमें केवल एक ही शिक्षक है। व्यवस्था की ओर नजर डालें तो 5176 स्कूलों में पेयजल सुविधा नहीं है तथा 44754 स्कूलों में खेल मैदान तक नहीं है 70000 से अधिक शिक्षकों के पद खाली हैं और हाल ही में मोहन सरकार 12876 स्कूलों को बंद करने का खाका भी तैयार कर चुकी है आज शिक्षा के क्षेत्र में 20 बड़े राज्यों में मप्र 15वें पायदान पर खड़ा है शिव सिंह ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि मप्र की मोहन सरकार का भी शिक्षा पर कोई फोकस नहीं है सरकार शिक्षा के क्षेत्र में काम नहीं कर रही है धार्मिक आयोजनों एवं पार्टी के प्रचार प्रसार में पानी की तरह पैसा बहा रही है जिसके चलते प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था बिगड़ चुकी है बच्चों का भविष्य बर्बाद हो रहा है आत्महत्या के आंकड़े बढ़ रहे हैं जो देश एवं प्रदेश के भविष्य के लिए खतरा है ।

जिला मैहर पुलिस ने बांदा की गाड़ी का निकलवाया हूटर

हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट नहीं होने पर ठोका तीन हजार का जुर्माना

जागरण, सतना। रविवार को मैहर पुलिस ने चार पहिया वाहन से हूटर हटवा कर तीन हजार रूपये का जुर्माना ठोका है। यह कार्यवाही पुलिस मुख्यालय के निर्देश पर की जा रही है। जिस में गाडियों से हूटर , व्हीआईपी स्टीकर , सर्च लाईट निकलवाये जाने के निर्देश दिये गये है। जिसके के बाद मैहर सुधीर अग्रवाल के निर्देश पर यह कार्यवाही की गई है। रविवार को मैहर पुलिस ने उत्तर प्रदेश के बांदा जिले की गाड़ी यूपी 90 एम 8300 पर कार्यवाही करते हुये वाहन से हूजर , सर्च लाईट निकाले गये इतना ही नही हाई सिक्योरिटी नम्बर प्लेट नही पाये जाने पर तीन हजार रूपये का चालान काटा है।

बांदा से मैहर आये थे दर्शन करने

पुलिस सूत्रो से मिली जानकारी के मुताबिक चार पहिया वाहन सवार बांदा से मैहर माँ शारदा के दर्शन कर आये थे मगर वे अनाधिकृत तौर पर माँ शारदा देवी मंरिद परिसर पर हूटर का दुरूपयोग करते पाये गये जिसकी सूचना मिलते ही पुलिस ने उक्त वाहन को धर दबोचा और उस पर कार्यवाही कर दी।

ये है आदेश

मध्यप्रदेश पुलिस मुख्यालय भोपाल 01 मार्च 2025 से 15 मार्च तक विशेष अभियान चलाने का आदेश जारी किया गया जिसमें प्रदेश भरे निजी वाहनों हूटरए फ्लैस लाइटए वीआइपी स्टीकर एवं गलत नंबर प्लेट का दुरुपयोग करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्यवाही करने के आदेश दिए गए।

दूरदर्शन भोपाल में बघेली कविगोष्ठी सम्पन्न

जागरण, सीधी। सोमालोब साहित्यिक मंच मुख्यालय सीधी मध्यप्रदेश से सम्बद्ध बघेली कवियों की एक कवि गोष्ठी दूरदर्शन भोपाल में 8 मार्च 2025 को हुई। उक्त कवि गोष्ठी का संचालन रमाकांत द्विवेदी सावन ने करते हुए कहा गौरी के पूत लोलार गजानन शुभ कीन्हे, शिव के परम पियार गजानन शुभ कीन्हे। गोष्ठी के क्रम में अंजनी सिंह सौरभ ने पढा कोऊ नही सुनइया पुनिके आबा कृष्ण कन्हैया, गली-गली मा बिबस द्रोपदी बढिगें चीर हरइया। गोष्ठी को बढाते हुए ब्रजमोहन ब्रजेश ने सुनाया। अंग-अंग बदरंग लगे, हर अंग सजीली बनाइगै होरी। गोष्ठी को गति देते हुए राजबहोर पाठक मनोज ने पढा। बॉसे के पत्ता मा पियरी चढी देखि, चरत्री हॅंसी मन हॅंसै लाग फागुन, डोलत जो भीरा पमन के डोलाये, त कनई मा कनई घॅंसै लाग फागुन। गोष्ठी को बघेली के रॅंग में रगते हुए डॉ. श्रीनिवास शुक्ल सरस ने सुनाया, भूंखे पियासे रही दूनउ जून पय, लाला का देखे अघान रही, लाला के लागै न दूब के सॉटी हो येही के लाने सधान रही। बघेली कविताओं की यह एक उत्कृष्ट एवं श्रवणीय संगोष्ठी मानी जा सकती है। इस कवि संगोष्ठी का प्रसारण मध्यप्रदेश दूरदर्शन लोकांचल कार्यक्रम के अंतर्गत 15 मार्च 2025 शनिवार को होगा।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर परियोजना

गंगेव अंतर्गत महिलाओं का सम्मान

जागरण, रीवा। विश्व महिला दिवस के अवसर पर विकास खण्ड गंगेव परियोजना गंगेव अंतर्गत महिलाओं का सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जनपद गंगेव में प्रशासनिक पदों तथा अन्य क्षेत्रों में प्रतिभा के जौहर दिखा रही महिलाओं एवं छात्राओं तथा स्व सहायता समूह महिला अध्यक्षों को पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया गया। सम्मानित करते हुये विधायक इंजी. नारेन्द्र प्रजापति ने कहा कि महिला दिवस के रूप में भले ही 8 मार्च का दिन निर्धारित हैं लेकिल वर्ष के सभी 365 दिन महिलाओं के सम्मान के लिए हैं। परिवार और समाज में नारी भूमिका सबसे महत्वपूर्ण हैं। विभिन्न क्षेत्रों में सफलतापूर्वक कार्य कर रही नारियों की प्रतिभा और सशक्तिकरण इसका उत्कृष्ट प्रमाण हैं। जनपद अध्यक्ष विकास तिवारी द्वारा मनुस्मृति की पंक्तियों का उल्लेख करते हुए बताया गया कि स्त्री की प्रसन्नता में सब कुछ प्रसन्न होता हैं तथा उसकी अप्रसन्नता में सब अप्रसन्न हो जाता हैं। कार्यक्रम के समापन में परियोजना अधिकारी द्वारा महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण हेतु चलाई जा रही योजनाओं व शासन द्वारा किए जा रहे अन्य प्रयासों को महिलाओं तक पहुंचाया गया।

ब्लड बैंक में ब्लड का स्टॉक पूरी तरह से खत्म

आपरेशन एवं गंभीर मरीजों को हो रही है दिक्कतें

रक्तदान शिविर का आयोजन न होने से ब्लड की किल्लत

जागरण, सीधी

जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में ब्लड का स्टॉक कई दिनों से खत्म है। ब्लड बैंक में किसी भी ग्रुप का ब्लड न होने से ऑपरेशन एवं गंभीर मरीजों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। ब्लड बैंक के कर्मचारियों द्वारा बताया जा रहा है कि एक सप्ताह से किसी भी ग्रुप का ब्लड उपलब्ध नहीं है। जिला अस्पताल में 10-15 यूनिट ब्लड की डिमांड रहती है। यदि मरीज के परिजन या परिचित किसी दूसरे ग्रुप का ब्लड डोनेट कर देते हैं तो उन्हें ब्लड बैंक के मार्फत आसानी से जरूरी ग्रुप का ब्लड उपलब्ध हो जाता है। किंतु ब्लड बैंक में किसी भी ग्रुप का ब्लड न होने के कारण ब्लड मैचिंग को लेकर दिक्कतें गंभीर रूप से निर्मित हो गई हैं। ब्लड बैंक के कर्मचारियों का कहना था कि रक्तदान शिविरों का आयोजन लंबे समय से नहीं हुआ। इसी वजह से जिला अस्पताल के ब्लड बैंक में ब्लड की भारी किल्लत शुरू हो गई थी। अब तो स्थिति यह है कि करीब एक सप्ताह से किसी भी ग्रुप का ब्लड यहां उपलब्ध नहीं है। ऐसे में ऑपरेशन एवं गंभीर मरीजों को संबंधित ग्रुप का ब्लड पाने को लेकर बड़ा भटकाव शुरू हो गया है। विभागीय कर्मचारियों का कहना है कि जिला स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से यदि ब्लॉक स्तर पर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाए तो काफी हद तक ब्लड की जरूरत पूरी हो सकती है। साथ ही समाजसेवियों, राजनैतिक दलों एवं विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों को भी इसमें आवश्यक मदद के लिए आगे आना चाहिए।

> ब्लड बैंक में ब्लड की किल्लत काफी समय से है। अभी सिंगरौली जाने पर केवल आठ यूनिट ब्लड मिला था। जिसका उपयोग सिजेरियन आपरेशन में हो चुका है। जिला अस्पताल की ओर से पूर्व में शिविर भी लगाए जाते रहे हैं किंतु इसमें अपेक्षित ब्लड नहीं मिल पाता। ऐसे में ब्लड की कमी को दूर करने के लिए सामूहिक रूप से पहल की जरूरत है।
>
> **डॉ. दीपारानी इसरानी**
> **सिविल सर्जन जिला अस्पताल सीधी**

भाजपा नेता लक्ष्मी यादव का निधन, शोक की लहर

खजुराहो में आयोजित शादी कार्यक्रम में हुई घटना

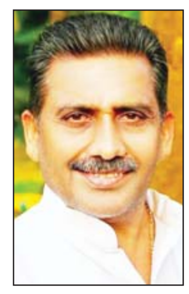

सतना। भाजपा नेता और राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य लक्ष्मी यादव का निधन होने की खबर मिलते ही शोक की लहर दौड गई। बताया जाता है कि वे खजुराहो में एक वैवाहिक कार्यक्रम में शामिल होने गये थे तभी यह दुखध खटना हुई है। सूत्र बताते है कि जब वे खाने की प्लेट लेने के लिए काउंटर पर पहुंचे तभी उन्हें अटैक आया और वे वहीं घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने उन्हें तुरंत खजुराहो सिविल अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। लक्ष्मी यादव की पहचान एक जलयोगी के रूप में भी थी। हाल ही में उन्होंने प्रयागराज महाकुंभ में गंगा में डुबकी लगाकर जलयोग किया था जो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया था। उनके जलयोग का लाइव प्रसारण देश के प्रमुख टीवी चैनलों पर किया गया था जिससे उनकी लोकप्रियता और बढ़ गई थी।

प्रदेश अध्यक्ष और सीएम ने जताया शोक

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णु दत्त शर्मा ने भाजपा प्रदेश कार्यसमिति सदस्य लक्ष्मी यादव के निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और उनके पिता से फोन पर परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए शोक संतप्त परिवार को इस कठिन समय में धैर्य रखने की कामना की। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और प्रदेश संगठन मंत्री हितानंद शर्मा ने इस दुःखद घटना को पार्टी के लिए बड़ी क्षति बताया। उन्होंने कहा कि लक्ष्मी यादव के पिता से फोन पर बात कर योगदान समाज और परिवार के लिए उल्लेखनीय रहा है। भाजपा नेतृत्व और कार्यकर्ताओं ने भी शोक संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट की।

पार्टी व समाज की एक बड़ी क्षति : गणेश सिंह

सांसद गणेश सिंह ने शोक संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि श्री यादव का निधन उन्हें भीतर तक झकझोर गया है। वे कुशल राजनीतिज्ञ ही नहीं बल्कि एक सच्चे कर्मयोगी थे जिन्होने जिले के ही नहीं बल्कि देश के युवाओं को प्रेरित किया। सांसद ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा कि श्री यादव का निधन उनकी व्यक्तिगत क्षति है जिसकी भरपाई अब कभी नहीं हो पाएगी। उनका निधन निरूशब्द कर गया है। पूर्व आयोग सदस्य लक्ष्मी यादव के निधन को पार्टी व सामाजिक क्षेत्र की भी एक बड़ी क्षति बताते हुए सांसद ने श्री यादव की पुण्यात्मा को अपने चरणों में स्थान देते हुए शोक संतप्त परिजनों को इस असीम दुख को सहन करने की क्षमता प्रदान करने ईश्वर से प्रार्थना की है।

विश्व जल योगी के निधन पर शोक

वरिष्ठ भाजपा नेता प्रदेश कार्यसमिति सदस्य मध्यप्रदेश राज्य पिछडा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य विश्व जल योगी लक्ष्मी यादव के ह्रदय गति रूक जाने के कारण आकस्मिक निधन की खबर लगते ही पूरे जिले मे शोक की लहर फैल गई द्य रामपुर बाघेलान विधायक विक्रम सिंह रामपुर बाघेलान जनपद अध्यक्ष रावेन्द्र सिंह छोटू अमरपाटन जनपद अध्यक्ष श्रीमती माया विनीत पाण्डेय पूर्व विधायक प्रभाकर सिंह पूर्व विधायक रामलखन पटेल कांग्रेस ब्लाक अध्यक्ष रामशंकर पयासी रोहितकांत सिंह के के कुशवाहा बसपा नेता मणीराज सिंह भाजपा जिला उपाध्यक्ष बाबूलाल सिंह जिलामंत्री दीपनरायण सिंह शुभम तिवारी भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष पुष्पराज कुशवाहा भाजपा मण्डल अध्यक्ष मृगेंद्र सिंह परिहार जितेंद्र मिश्रा संजय मिश्रा संतोष सिंह रामकृष्ण तिवारी संदीप गुप्ता अतुल शुक्ला इटमा जनपद सदस्य नंन्दकिशोर पटेल नंदू योगेंद्र यादव संतोष कुशवाहा उमेश यादव शिवकुमार यादव सहित सैकडो लोगो ने शोक व्यक्त करते हुए मृत आत्मा की शांति हेतु ईश्वर से प्रार्थना की ।

लक्ष्मी यादव प्रतिष्ठित समर्पित संघर्षशील जननेता थे : सुरेंद्र शर्मा

जदयू राष्ट्रीय कार्यसमिति के पूर्व सदस्य अधिवक्ता सुरेंद्र शर्मा ने राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग के पूर्व सदस्य भाजपा नेता लक्ष्मी यादव के निधन पर गहन शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने समाजवादी आंदोलन की पृष्ठभूमि से अपना राजनैतिक जीवन शुरू कर शोषितों पीड़ितों और वंचितों की लड़ाई की अगुवाई की और उनकी आवाज बने उन्होंने अपने जीवन में लम्बा संघर्ष किया हम सब संघर्ष में साथ रहे जिन पर समाजवादी चिंतक डा राममनोहर लोहिया की नीतियों की गहरी छाप थी उनके रग रग में समाजवादी व्यवस्था की कायमी का संकल्प था निश्चित ही वो प्रतिष्ठितए समर्पित संघर्षशील जननेता थे उसके बाद वो जिस दल में रहे वहां भी अन्याय से लडने के लिए संकल्पित रहे समाजसेवा के क्षेत्र में हमेशा तत्पर रहने वाले लक्ष्मी भाई के निधन की खबर से आज मन दुखी है।

लक्ष्मी यादव ने एक अमिट छाप दी : भगवती पांडेय

भाजपा जिला अध्यक्ष भगवती प्रसाद पांडेय ने कहा कि लक्ष्मी यादव ने अपने जीवन में जल योग के माध्यम से सतना को विश्व पटल पर एक अलग पहचान दिलाई। उन्होंने अपने अद्वितीय कौशल और समर्पण से जल योग की कई असाधारण प्रस्तुतियाँ दींए जिससे वह न केवल भारत बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी चर्चित हुए। उनकी उपलब्धियाँ सतना के युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत रही हैं। उनके निधन से खेल और योग क्षेत्र में एक अपूरणीय क्षति हुई है। शहर के गणमान्य व्यक्तियोंए योग प्रेमियों और अनुयायियों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की और उनकी यादों को संजोने का संकल्प लिया।

लक्ष्मी यादव के निधन से शोक की लहर

भाजपा जिला मीडिया प्रभारी श्याम लाल गुप्ता श्यामू ने कहा कि विश्व जल योग के क्षेत्र में अपनी अनूठी प्रतिभा के लिए विश्व स्तर पर ख्याति प्राप्त करने वाले विश्व जल योगी लक्ष्मी यादव के निधन की खबर से शहर में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके असामयिक जाने से सभी हतप्रद हैं।

सूचना

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. किसी तृतीय पार्टी के उत्पादकों वस्तुओं या सेवाओं का समर्थन नहीं करती है और न ही किसी तृतीय पार्टी के विज्ञापनों में छपी किसी जानकारी की सच्चाई या विश्वसनीयता की पुष्टि करती है। जागरण पब्लिकेशन प्रा. लि. पाठकों को प्रेरित करती है कि वे ऐसे किसी भी विज्ञापनदाता के साथ कोई भी लेन-देन करने की कार्रवाई से पहले उचित व जरूरी समझे जाने वाली जांच पड़ताल कर लेवे।

त्योहारों के समय कानून और व्यवस्था की निगरानी रखने बैठक आयोजित

जागरण, सीधी। कमिश्नर रीवा संभाग बी एस जामोद तथा डीआईजी साकेत प्रकाश पाण्डेय द्वारा आगामी त्यौहारों के दौरान शांति और व्यवस्था बनाए रखने के लिए की गई तैयारियों की विस्तृत समीक्षा की गई। कमिश्नर रीवा संभाग की श्री जामोद ने कहा कि माह मार्च और अप्रैल त्यौहारों के दृष्टि से महत्वपूर्ण है। होली, ईद, नवरात्रि, रामनवमी जैसे महत्वपूर्ण त्यौहारों को हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। इस दौरान कानून एवं व्यवस्था को बनाए रखने के लिए राजस्व तथा पुलिस अधिकारी संयुक्त रूप से भ्रमण करें। लोगों को त्यौहारों के दौरान सुरक्षित वातावरण देने जिले के प्रमुख स्थानों में फ्लैग मार्च करें और आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों को शांतिपूर्ण एवं सौहार्दपूर्ण वातावरण में त्यौहार मनाने की समझाइस दें।

कुर्मी क्षत्रिय समाज की बैठक संपन्न

जागरण, रीवा। सरदार वल्लभ भाई पटेल संस्थान निराला नगर रीवा में रविवार शाम 4 बजे मप्र कुर्मी क्षत्रिय समाज जिला इकाई रीवा की एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। इस दौरान 23 मार्च को मप्र कुर्मी क्षत्रिय समाज की बैठक रीवा में आयोजित होना तय किया गया। जिसमें विभिन्न मुद्दों को लेकर चर्चा की जाएगी, जिसमें समाज में मृत्यु भोज, पाखंडवाद, समाज को संगठित करने तथा पूरे प्रदेश में संगठन को मजबूत करने, समाज में नारी शक्ति की सहभागिता को बढ़ाने को लेकर भी चर्चा होगी, जिला इकाई का गठन एवं शपथ भी 23 मार्च को की जाएगी। उक्त कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संचालित करने के लिए बैठक संपन्न हुई जिस बैठक में समाज के जिला अध्यक्ष वीरभद्र सिंह, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ राजमणि पटेल, वरिष्ठ समाजसेवी एड. इंद्रमणि सिंह, युवा अध्यक्ष एडवोकेट मनोज सिंह, सरदार पटेल संस्थान के अध्यक्ष इंजी. पुष्पेंद्र सिंह, सचिव डॉ.आरके पटेल, प्रवक्ता एड. राजेंद्र पटेल, डॉ. गोमती पटेल, सह मीडिया प्रभारी एड.अभिषेक सिंह, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष माया सिंह, समाज सेविका आशा सिंह सिद्धेश्वर सिंह, कमांडेंट लक्ष्मण सिंह, फुलेल सिंह, जितेन सिंह, इंजीनियर रामजी सिंह, देवेश सिंह, एड. हरिशंकर पटेल सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

अब 12 को रीवा से भोपाल के बीच दौड़ेगी होली स्पेशल ट्रेन

पमरे ने जारी की सूचना

रात 9.10 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी

जागरण, रीवा। होली त्योहार पर यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेल प्रशासन ने अतिरिक्त ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इसमें रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से रीवा के लिए त्योहार स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है। इस संबंध में पश्चिम मध्य रेलवे ने विगत सप्ताह ही सूचना जारी कर दी थी, जिसके तहत गत 8 मार्च को होली स्पेशल ट्रेन ने अपना पहला फेरा लगाया। अब आगे प्रसारित जानकारी के अनुसार गाड़ी संख्या 02186 होली स्पेशल ट्रेन 12 मार्च को भी रीवा से दोपहर 12.30 बजे प्रस्थान करेगी, जो 6.45 बजे बीना, 7.50 बजे विदिशा एवं रात 9.10 बजे रानी कमलापति स्टेशन पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 02185 स्पेशल ट्रेन 12 मार्च को रानी कमलापति स्टेशन से रात 10.15 बजे प्रस्थान करेगी और अगली सुबह 7.30 बजे रीवा स्टेशन पहुंचेगी। इस गाड़ी में 1 वातानुकूलित प्रथम श्रेणी, 1 वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी, 4 वातानुकूलित तृतीय श्रेणी, 12 शयनयान श्रेणी, 4 सामान्य श्रेणी एवं 02 एसएलआरडी सहित कुल 24 कोच रहेंगे। रास्ते में यह गाड़ी दोनों दिशाओं में सतना, मैहर, कटनी मुडवारा, दमोह, सागर, बीना और विदिशा स्टेशनों पर रुकेगी। अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए इस होली स्पेशल ट्रेन को चलाने का निर्णय लिया गया है।

वापसी के लिए भी चलेगी स्पेशल ट्रेन

होली त्योहार में रीवा आये लोगों को वापस भोपाल पहुँचाने के लिए भी स्पेशल ट्रेन चलेगी। पमरे द्वारा तय कार्यक्रम के मुताबिक गाड़ी संख्या 01704 आगामी 16 मार्च को रीवा स्टेशन से शाम 6.45 बजे चलेगी, जो अगली सुबह साढ़े 4 बजे रानी कमलापति स्टेशन पर पहुंचेगी। इसी तरह, गाड़ी संख्या 01703 रानी कमलापति स्टेशन से 17 मार्च को सुबह सवा 6 बजे चलेगी, जो उसी दिन शाम 5.10 बजे रीवा स्टेशन आयेगी। इन दोनों स्पेशल ट्रेन में बुकिंग की सुविधा आरम्भ हो गई है।

प्रत्येक शुक्रवार रीवा से बांद्रा के बीच चलेगी ग्रीष्मकालीन स्पेशल

रेल प्रशासन ने लिया निर्णय ट्रेन के लिए बुकिंग हुई शुरू

रीवा। रीवा से बांद्रा टर्मिनस मुम्बई के बीच प्रत्येक शुक्रवार ग्रीष्मकालीन स्पेशल ट्रेन चलेगी। इस ट्रेन का संचालन विगत 6 मार्च आरम्भ हो गया। अर्थात् रीवा से बांद्रा के बीच स्पेशल ट्रेन ने 1-1 फेरा लगा लिया। अब यह ट्रेन रीवा से बांद्रा के बीच 16-16 फेरे और लगायेगी। इस संबंध में रेल प्रशासन ने विगत सप्ताह सूचना जारी की है। तय समय-सारिणी के अनुसार गाड़ी संख्या 09129/09130 बांद्रा टर्मिनस-रीवा-बांद्रा टर्मिनस अनारक्षित स्पेशल ट्रेन 26 जून तक संचालित होगी। बताया गया कि गाड़ी संख्या 09129 बांद्रा टर्मिनस-रीवा अनारक्षित स्पेशल ट्रेन साप्ताहिक प्रत्येक गुरुवार को बांद्रा टर्मिनस स्टेशन से सुबह 04.30 बजे प्रस्थान करेगी, जो अगले दिन प्रातः 7 बजे रीवा स्टेशन पर आयेगी। इसी तरह, गाड़ी संख्या 09130 रीवा-बांद्रा टर्मिनस ट्रेन साप्ताहिक प्रत्येक शुक्रवार को रीवा स्टेशन से सुबह 11 बजे रवाना होगी और दूसरे दिन दोपहर 12.15 बजे बांद्रा टर्मिनस स्टेशन पहुंचेगी।

इन स्टेशन पर होगा ठहराव

यह स्पेशल ट्रेन पश्चिम मध्य रेल के दोनों दिशाओं में पिपरिया, नरसिंहपुर, मदनमहल (जबलपुर), कटनी, मैहर एवं सतना स्टेशन से होकर गंतव्य तक पहुँचेगी। इसके अलावा, बोरीवली, बोइसर, वापी, वलसाड़, भेस्तान, चलथान, बारडोली, नंदुरबार, अमलनेर, जलगांव, भुसावल, खण्डवा स्टेशन पर भी ट्रेन का ठहराव होगा। ट्रेन के सभी 20 कोच सामान्य द्वितीय श्रेणी के हैं, जबकि 1 सह गार्ड ब्रेक वैन और 1 जनरेटर कार कोच ट्रेन में लगाया गया है।

मई में एक दिन के लिए बदलेगा संचालन दिवस : बताया गया कि ट्रेन का संचालन प्रत्येक गुरूवार और शुक्रवार को ही होगा। परंतु मई माह में एक ट्रिप के लिए ट्रेन का संचालन दिवस परिवर्तित होगा। गाड़ी संख्या 09129 बांद्रा टर्मिनस-रीवा अनारक्षित स्पेशल ट्रेन बांद्रा टर्मिनस से 15 मई की जगह 18 मई 2025 को चलेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09130 स्पेशल ट्रेन रीवा से 16 मई के बजाय 19 मई को संचालित होगी। यात्री सुविधा का लाभ लेने विस्तृत जानकारी रेल मदद 139 अथवा एनटीईएस ऑनलाइन माध्यम से प्राप्त कर सकते हैं।

पिछले सत्र के मूल्यांकन का नहीं हुआ भुगतान

इधर 5वीं, 8वीं का मूल्यांकन शुरू, पुराने भुगतान की उठी मांग

जागरण, रीवा

कक्षा 8वीं और 5वीं की परीक्षाएं समाप्त हो गई हैं। विगत 7 मार्च से मूल्यांकन भी शुरू हो गया है। मूल्यांकन कार्य के लिए शिक्षकों की ड्यूटी लगाई गई है। मूल्यांकन के संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा पहले ही निर्देश जारी किए जा चुके हैं। राशिके के निर्देश के मुताबिक इन परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन 17 मार्च तक करना होगा। मूल्यांकन व्यवस्था बनाने राशिके ने कलेक्टर को भी निर्देशित किया है। वहीं, राशिके की इस व्यवस्था को लेकर शिक्षकों में आक्रोश पनप रहा है। पिछले सत्र में भी इसी तरह बोर्ड पैटर्न पर 5वीं, 8वीं की परीक्षा हुई और फिर मूल्यांकन कराया गया परंतु अभी तक मूल्यांकन के पारिश्रमिक का भुगतान नहीं हुआ।

इस संबंध में मध्य प्रदेश शिक्षक कांग्रेस के पूर्व उप प्रांत अध्यक्ष आबाद खान ने बताया कि सत्र 2023-24 में 5वीं, 8वीं की परीक्षा बोर्ड पैटर्न पर हुई थी और दूसरे जिले से उत्तर पुस्तिकाएं मूल्यांकन के लिए रीवा भेजी गई। तब उन उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन शासकीय सुदर्शन कुमारी कन्या विद्यालय में हुआ। इसमें रीवा विकासखंड के संकुल केंद्र के शिक्षकों द्वारा मूल्यांकन कार्य किया गया। बताया गया कि मूल्यांकन कार्य के पश्चात शिक्षकों के खातों में मूल्यांकन का पारिश्रमिक शिक्षा विभाग को भेजना था लेकिन अधिकांश शिक्षकों के खाते में एक वर्ष बीत जाने के बावजूद भी उक्त मूल्यांकन का पारिश्रमिक नहीं आया। और अब इन्हीं शिक्षकों को पुनः मूल्यांकन कार्य में लगा दिया गया है। शिक्षक कांग्रेस के पूर्व उप प्रांत अध्यक्ष आबाद खान ने शिक्षा विभाग के अधिकारियों से मांग की है की अति शीघ्र सत्र 2023-24 के मूल्यांकन का पारिश्रमिक दिया जाए, जिससे मूल्यांकन में लगे शिक्षकों का मनोबल न टूटे।

मूल्यांकन में 434 में से मात्र 183 शिक्षक हुए उपस्थित

रीवा। कक्षा 5 वीं व 8 वीं परीक्षा के वार्षिक मूल्यांकन के लिए रविवार को प्राचार्य गंगाप्रसाद उपाध्याय के नेतृत्व में किया गया। मूल्यांकन कार्य के लिए कुल दर्ज 434 शिक्षकों में से 183 शिक्षक ही उपस्थित हुए। बाकी के शिक्षकों के नहीं आने से मूल्यांकन नहीं हो पाया। जिस पर डाइट रीवा मूल्यांकन केन्द्र प्रभारी ने अनुपस्थित 251 शिक्षकों पर कार्यवाही के लिए नाम प्रस्तावित किए हैं। उनका कहना है कि जब मूल्यांकन में शिक्षक ही उपस्थित नहीं होंगे तो मूल्यांकन कैसे होगा।

भारतीय संस्कृति ने सदा ही नारी का सम्मान किया

विवि के समाज कार्य विभाग में मनाया गया अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस

रीवा। अवधेश प्रताप सिंह विश्वविद्यालय में एक्सीलरेट एक्शन 2025 की थीम पर अंतर राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग ने यह आयोजन कराया। इस उपलक्ष्य पर विभाग में संगोष्ठी हुई। इस संगोष्ठी कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किशोर न्याय बोर्ड की पूर्व सदस्य एवं चेयरपर्सन बाल कल्याण समिति रीवा एवं संयोजिका महिला समन्वयक डॉ मीनाक्षी मिश्रा रहीं। डॉ मीनाक्षी मिश्रा ने कहा कि नारी जहाँ है सशक्त है, चाहे वह जिस भूमिका में हो। चाहे वह शिक्षित हो या अशिक्षित, चाहे वह घरेलू हो या कामकाजी, हर स्थान पर उसकी भूमिका महत्वपूर्ण और निर्णायक है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विभाग के प्रभारी आचार्य प्रो. श्रीकांत मिश्र ने कहा कि पाश्चात्य संस्कृति में भले ही नारी अबला रही हो, किंतु भारतीय संस्कृति ने सदा ही नारी का सम्मान किया और वैदिक काल से ही महिला के विद्वता, समर्पण के उदाहरण देखने को मिलते हैं। इस कार्यक्रम में छात्राओं ने भी अपनी कविता, भाषण, नृत्य की सांस्कृतिक प्रस्तुति दी। इस दौरान प्राचीन भारतीय इतिहास के प्राध्यापक डॉ रुपेश मिश्रा सहित डॉ प्रीतम सिंह, डॉ सुनीत कुमार द्विवेदी, डॉ. शालिनी शर्मा, डॉ. शशांक पाण्डेय उपस्थित रहे।

राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं का योगदान महत्वपूर्ण : प्रतिभा पाण्डेय

टीआरएस महाविद्यालय में दो दिवसीय शोध संगोष्ठी का हुआ समापन

रीवा। शासकीय ठाकुर रणमत सिंह महाविद्यालय में रविवार को दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन हुआ। महाविद्यालय के समाज कार्य विभाग एवं आई.क्यू.ए.सी. द्वारा इस संगोष्ठी का आयोजन कराया गया। सशक्त महिलाः सशक्त राष्ट्र विषय पर हुई संगोष्ठी के समापन कार्यक्रम की मुख्य अतिथि महिला एवं बाल विकास अधिकारी प्रतिभा पाण्डेय रहीं। इस अवसर पर प्रतिभा पाण्डेय ने कहा कि किसी भी राष्ट्र की प्रगति में महिलाओं का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण है। एक सशक्त महिला समाज और राष्ट्र की प्रगति की दिशा में प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य करती है। जब महिलाओं को समान अवसर और समर्थन मिलता है, तो वह अपने परिवार, समाज और राष्ट्र के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। संगोष्ठी के संयोजक प्रोफेसर अखिलेश शुक्ल ने निष्कर्ष और सुझाव प्रस्तुत करते हुए कहा कि महिला सशक्तिकरण का मतलब सिर्फ आर्थिक स्वतंत्रता नहीं है, बल्कि मानसिक, सामाजिक और शारीरिक स्वतंत्रता भी है। एक सशक्त महिला अपने जीवन के हर क्षेत्र में आत्मनिर्भर होती है और समाज की सकारात्मक दिशा में योगदान करती है। इस संगोष्ठी के माध्यम से जो विचार-विमर्श और शोध प्रस्तुत किए गए हैं, वे सभी समाज में महिलाओं की स्थिति को सुधारने और सशक्त बनाने के लिए प्रेरित करते हैं। इन विचारों को अपनी जिंदगी में उतारकर हम एक ऐसा समाज और राष्ट्र बना सकते हैं, जो वास्तव में महिलाओं के अधिकारों का सम्मान करता हो। शोध पत्रों के वाचन में सर्वोत्कृष्ट युवा प्रतिभागियों को वैज्ञानिक अवार्ड से अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इसमें प्रथम स्थान सौरभ दुबे तथा विकास शुक्ला, द्वितीय स्थान स्वाति शुक्ला तथा तृतीय स्थान शिखा तिवारी ने अर्जित किया। शोध संगोष्ठी के विषय के अनुरूप पोस्टर का प्रस्तुतिकरण भी किया गया। पोस्टर प्रदर्शन में प्रथम स्थान पुष्पांजलि पाण्डेय, द्वितीय स्थान साहिबा खान तथा तृतीय स्थान सुरभी शर्मा ने प्राप्त किया। इस दौरान डॉ रचना श्रीवास्तव, डॉ. महेश शुक्ल, डॉ. एस.पी शुक्ल, डॉ. संध्या शुक्ला, डॉ. राजेन्द्र तिवारी, डॉ गुंजन सिंह, डॉ. प्रियंका तिवारी, डॉ. निशा सिंह, डॉ. प्रतिमा पाण्डेय, राजकुमारी पाण्डेय, शुभम सोनी, गौरव सोंधिया, अतुल पटेल, दिनेश प्रजापति, अमन सोंधिया, अशोक कुशवाहा, राज गुप्ता, अनुराग कोल, सूरज मिश्रा, श्रद्धा द्विवेदी, शिवानी पाण्डेय, अर्पिता शुक्ला, साक्षी शुक्ला, आशीष पाण्डेय, योगेश निगम, राजकिशोर पाण्डेय, कृष्ण कुमार शुक्ला सहित अन्य छात्रगण एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

पुरानी पेंशन बहाली को लेकर सौंपा ज्ञापन

जागरण, रीवा। पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन के राष्ट्रीय नेतृत्व के आह्वान पर रविवार को प्रधानमंत्री के नाम राष्ट्रव्यापी ज्ञापन सौंपने का कार्यक्रम समस्त संसदीय क्षेत्रों में सांसद के माध्यम से प्रधानमंत्री के नाम का संबोधित ज्ञापन सौंपा गया। इसी कड़ी में राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन जिला इकाई रीवा द्वारा प्रान्तीय सदस्य राकेश गौतम के नेतृत्व में रीवा सांसद जनार्दन मिश्रा को ज्ञापन सौंपा गया। संगठन द्वारा पुरानी पेंशन बहाली से संबंधित समय-समय पर विभिन्न आदेश एवं राजपत्रों का बिंदुवार उल्लेख किया गया, जिसमें कुल मिलाकर 11 बिंदु शामिल किए गए। मुख्य रूप से 2005 के बाद से लागू एनपीएस राष्ट्रीय पेंशन योजना तथा अब 2025 से यूपीएस यानी यूनिफाइड पेंशन योजना लागू किए जाने का प्रावधान किया गया है जो विकल्प के रूप में 2005 के बाद भी नियुक्त कर्मचारियों के लिए उपलब्ध है जिसमें कर्मचारियों को एनपीएस तथा यूपीएस में से किसी एक विकल्प के चयन का अवसर दिया गया है किंतु इन दोनों विकल्पों को कर्मचारी अपने हित में नहीं देख पा रहे हैं क्योंकि एनपीएस योजना में पूर्व में कर्मचारियों द्वारा 10 प्रतिशत तथा शासन द्वारा 10 प्रतिशत बाद में 14 प्रतिशत सम्मिलित कर एनपीएस योजना में राशि जमा की जाती रही है अब यूपीएस योजना में 10 प्रतिशत कर्मचारियों की राशि इस पेंशन योजना में जमा की जाएगी जो राशि शेयर मार्केट के ऊपर निर्भर होगी जिसकी कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति तक मूलधन की वापसी भी संकट में होगी इसलिए राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली आंदोलन द्वारा पुरानी पेंशन को मप्र सिविल सेवा आचरण संहिता अधिनियम 1976 के अनुसार लागू किए जाने की मांग की गई है जैसे कि वर्ष 2005 के पूर्व कर्मचारियों को जिस प्रकार से पुरानी पेंशन योजना का लाभ दिया जाता रहा है ठीक उसी प्रकार कर्मचारी पुरानी पेंशन योजना लागू की जाए। इस अवसर पर प्रांतीय उपाध्यक्ष शिक्षक कांग्रेस रमाकांत शुक्ला, जिलाध्यक्ष मप्र शिक्षक संघ जितेंद्र कुमार चतुर्वेदी, जिला कार्यकारी अध्यक्ष सह कोषाध्यक्ष रामपाल गौतम, जिला महासचिव सह मीडिया प्रभारी कमल नारायण त्रिपाठी, ब्लॉक अध्यक्ष दिनकर प्रसाद पांडे, राजेश कुमार शुक्ला, अनिल विश्वकर्मा, संतोष कुमार साकेत, प्रमोद कुमार सिंह सहित कई कर्मचारी उपस्थित रहे।

आसमान में हल्के बादलों के होने से बदला मौसम

जिले के तापमान में भी आया आंशिक बदलाव

रीवा। जिले में बीती रात से बादलों की आवाजाही फिर बढ़ गई। रविवार सुबह से भी आसमान में बादल छाये रहे। बादलों के होने से धूप का असर कम रहा। फिर भी लोगों को अपेक्षाकृत ठण्ड का अहसास कम हुआ। अब इस सप्ताह के दो-तीन दिन आसमान में बादल की धमाचौकड़ी होती रह सकती है। मौसम विभाग की माने तो उत्तर भारत में एक नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय हुआ है, जिसकी वजह से उत्तरी इलाकों में बर्फबारी हो रही है। वहीं, विगत सप्ताह मध्यप्रदेश के पश्चिमी हिस्सों में हल्की बारिश हुई। जबकि विंध्य क्षेत्र में सप्ताह के आखिरी तक हल्की वर्षा के आसार जताये जा रहे हैं। इधर, बादलों के जमे रहने से मौसम और तापमान में भी फेरबदल होता रहेगा। बहरहाल, रविवार को भी बादलों के होने से तापमान में बदलाव देखने को मिला। बताया गया कि रविवार को दिन का तापमान बीते दिन से 0.3 डिग्री सेल्सियस अधिक 32.0 डि.से. दर्ज किया गया। वहीं, न्यूनतम तापमान गत दिवस की अपेक्षा 1.4 डि.से. की गिरावट के साथ 13.2 डि.से. पर कायम हुआ। अब आगे बूंदाबांदी हुई तो जिले के तापमान में फिर उलटफेर हो सकता है। आसमान साफ होने के बाद अभी जिले के अधिकतम व न्यूनतम तापमान में कुछ कमी आने का अनुमान है।

दुनिया भर में बदलाव की वाहक बन रहीं महिलाएं

पेंटियम प्वाइंट करहिया में महिला दिवस का हुआ आयोजन

जागरण, रीवा। शहर में स्थित पेंटियम पॉइंट ग्रुप आफ इंस्टीट्यूशंस के पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज करहिया परिसर में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि सुषमा त्रिपाठी रहीं जबकि अध्यक्षता श्रद्धा त्रिपाठी द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से महाविद्यालय के मुख्य प्रबंध संचालक बी एन त्रिपाठी, शैक्षणिक संचालक एस के त्रिपाठी, पेंटियम प्वाइंट टेक्निकल कॉलेज की प्राचार्या डॉ. सीमा शुक्ला, पेंटियम प्वाइंट कॉलेज आफ मैनेजमेंट की प्राचार्या डॉ मोना तिवारी मुख्य रूप से उपस्थित रहीं। अतिथियों का महाविद्यालय की परंपरा अनुसार पौधा देकर स्वागत किया गया। मुख्य अतिथि ने कहा कि आज महिलाएं दुनिया भर में बदलाव की वाहक बन रही हैं। वे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रों में नई पहचान बना रही हैं। उनका नेतृत्व लैंगिक समानता को बढ़ावा दे रहा है। साथ ही यह नए विचारों और समावेशी विकास का मार्ग प्रशस्त कर रहा है। उन्होंने जोर देकर कहा कि महिला सशक्तिकरण पूरे समाज के लिए जरूरी है। उन्होंने शिक्षा, समान अवसर और सामाजिक समर्थन को महिला विकास का आधार बताया। उनके अनुसार महिलाएं जब नेतृत्व करती हैं, तो न सिर्फ अपना जीवन बदलती हैं, बल्कि पूरी दुनिया को बेहतर बनाती हैं। कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए महाविद्यालय के मुख्य प्रबंध संचालक ने कहा कि महिलाओं को किसी एक दिवस की दरकार नहीं है। हर दिन महिलाओं का ही दिन होता है घर परिवार के साथ ही अन्य क्षेत्र में भी उतनी शिद्दत से कार्य करती हैं। महाविद्यालय में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं का सम्मान भी किया गया। आज के इस कार्यक्रम में छात्र-छात्राओं के द्वारा भी महिला दिवस के अवसर पर कई कार्यक्रम प्रस्तुत किए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक आशुतोष गुप्ता, डॉ सविता शुक्ला, डॉ अर्चना पटेल, गिरीश भाई पटेल, डॉ कविता सिंह, डॉ सपना त्रिवेदी, अकांक्षा सिंह तिवारी, डॉ प्रियंका मिश्रा, दीपक शुक्ला, ऋषि मिश्रा दीप्ति सिंह, सिमरन चंदानी आदि प्राध्यापक तथा सहायक प्राध्यापक एवं छात्र मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

मेगा जॉब फेयर 25 को 40 कंपनियां होंगी शामिल

टीआरएस कॉलेज में होगा आयोजन

जागरण, रीवा। जिला मुख्यालय स्थित टीआरएस कॉलेज में युवा संगम का आयोजन अब 25 मार्च को प्रातरू 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक किया जायेगा। पूर्व में यह आयोजन 17 मार्च को होना था। युवा संगम कार्यक्रम के तहत आयोजित मेगा जॉब फेयर में जिले के बेरोजगार युवक-युवतियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जाएंगे। कलेक्टर प्रतिभा पाल ने मेगा जॉब फेयर के सफल आयोजन के लिए विभिन्न विभागीय अधिकारियों को दायित्व सौंपे हैं। इस संबंध में उप संचालक रोजगार अनिल दुबे ने बताया कि रोजगार मेले में 40 कंपनियों एवं नियोजकों द्वारा युवाओं का चयन किया जाएगा। मेले में शामिल होने के लिए विभिन्न कंपनियों हेतु युवक एवं युवतियों की आयु सीमा 18 से 45 वर्ष के बीच निर्धारित की गई है। आयु सीमा विभिन्न कंपनियों में अलग-अलग होगी। वेतन एवं भत्ते 9 हजार रुपए से 40 हजार रुपए तक निर्धारित किया गया है। युवाओं को अपने साथ मूल अंकसूची तथा निवास प्रमाण पत्र की छायाप्रति, आधार कार्ड या वोटर आईडी, समग्र आईडी, रोजगार कार्यालय का जीवित पंजीयन एवं नवीनतम दो पासपोर्ट साइज के फोटो लेकर आना अनिवार्य होगा।

ये कंपनियां होंगी शामिल : उप संचालक ने बताया कि रोजगार मेले में मिडिया इंडिया प्रालि महाराष्ट्र, जीएमसीसी सिनोवा गियर्स एण्ड ट्रांसमिशन प्रालि राजकोट गुजरात, डीएमसीएफएस प्रालि पुणे, जिगनी बेंगलुर, एमआरएफ लिमिटेड गुजरात, महिन्द्रा एण्ड महिन्द्रा नासिक, धृत ट्रान्समिशन लिमि पुणे मानाबुकी पुणे, अनएकेडमी नोएडा, एसएसपीएल शिरवाल महाराष्ट्र, उत्कर्ष स्मोल फाइनेंस जबलपुर, एल एण्ड टी फ्लिप कार्ट रीवा, जस्ट डायल रीवा, मुद्रा सोलर प्रालि अदानी सोलर, अदानी न्यू इंडस्ट्री लिमि, अडानी विंड, टाटा मोटर ऑटोमोबाइल कंपनी अहमदाबाद गुजरात, मदरसन मेट ऑटोमोटिव प्रालि, डिक्सन टेक्नोलॉजी प्रालि नोएडा, आर्मस ग्रुप एलाइड रिसोर्स मैनेजमेंट सर्विसेज इंडिया प्रालि, श्री फूड प्रोड्क्स उद्योग विहार चोरहटा रीवा, ख्याति शील्ड ग्लोबल रिच रायपुर छत्तीसगढ़, प्राकृतशील बॉयोटेक प्रालि सवेरा होटल के पास सतना, यशस्वी ग्रुप भोपाल, डी एण्ड एच सेचरोन कंपनी इंदौर, लार्सन एण्ड टूब्रो, शक्ति पंप इंडिया लिमिटेड, हिन्द फार्मा, प्रगतिशील बायोटेक प्रालि रीवा, प्रगतिशील एग्रोटेक प्रालि रीवा, एलआईसी लाइफ इंश्योरेन्स कंपनी लिमि रीवा, डीएमसी फिनिसिंग स्कूल प्रालि पुणे, योकोहामा ऑफ हाइवे टायर गुजरात, रेड्ज एण्ड मिट्स टायर्स गुजरात, विक्टोरिया इंडस्ट्रीज हरियाणा महाराष्ट्र गुजरात, सिएट टायर्स हलाल गुजरात, आयसर ट्रक एण्ड बस पीथमपुर धार इंदौर, बजाज कैपिटल रीवा, स्वतंत्र माइक्रोफिन प्रालि तथा भारतीय जीवन बीमा निगम रीवा में रोजगार के अवसर उपलब्ध रहेंगे।

बेनिसन हेल्पिंग सोसाइटी ने 111 महिलाओं को किया सम्मान

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर व सम्मान

जागरण, रीवा। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर एवं महिला सम्मान समारोह का आयोजन बेनिसन हेल्पिंग सोशल वेलफेयर सोसाइटी और महिला बाल विकास द्वारा किया गया। नारी केवल शक्ति ही नहीं, स्नेह और सहनशीलता की मूर्ति भी है। जब एक महिला आगे बढ़ती है, तो परिवार, समाज और देश प्रगति करता है। नारी ही संसार की जननी है, उसके बिना सृष्टि अधूरी है। सशक्त नारी ही सशक्त समाज की पहचान है। स्वास्थ्य शिविर में डॉ.नेहा तिवारी नेत्र रोग विशेषज्ञ, डॉ. शैलजा सोनी महिला विशेषज्ञ, डॉ. प्रीति अग्रवाल नाक कान गला विशेषज्ञ, डॉ.विनी सराफ दंत विशेषज्ञ, डॉ. गीता मिश्रा फिजियोथैरेपी स्पेशलिस्ट ने मरीजों का परीक्षण कर उन्हें उचित सलाह और दवाइयां दी। इसी कड़ी में महिलाओं अलग-अलग क्षेत्र में कार्य कर रही व आगे बढ़ रही महिलाओं का सम्मान किया गया। जिसमें मुख्य रूप से नगर निगम सहायक आयुक्त रूपाली द्विवेदी, जिला पंचायत अध्यक्ष नीता कोल, महिला बाल विकास सहायक संचालक प्रतिभा पांडे, सिविल सर्जन डॉ. प्रतिभा मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में सम्मान समारोह में मौजूद रहीं। अलग- अलग छेत्र में काम कर रही 111 महिलाओं का सम्मान किया, महिला बाल विकास की बाल संरक्षक अधिकारी रचित श्रीवास्तव, महिला बाल विकास सुपरवाइजर की उपस्थिति में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सहायिका सभी के सहयोग से स्वास्थ्य शिविर में हितग्राहियों को बड़ी संख्या में लाभ दिलाया गया। बेनिसन हेल्पिंग सोशल वेलफेयर सोसाइटी की हमेशा से एक कोशिश रही है कि ज्यादा से ज्यादा लोगों की सेवा का अवसर मिले और आज इस निःशुल्क कैंप के द्वारा भारी मात्रा में लोगों की सेवा का मौका मिला इस मौके पर सामान थाना टीआई विकास कपस भी उपस्थित रहे और महिलाओं को सम्मान समारोह में शामिल होकर महिला दिवस मनाया बेनिसन हेल्पिंग सोशल वेलफेयर सोसाइटी की पूरी टीम के द्वारा यह कैंप सुचारू रूप से किया इस समारोह को संचालित सरगम पांडे द्वारा किया गया। इस अवसर पर जनाभियान के संभागीय अधिकारी प्रवीण पाठक रीवा ब्लॉक समन्वय अधिकारी अमित अवस्थी उपस्थित रहे, खेलकूद के कोच वीरेंद्र शुक्ला और उनकी टीम का पूर्ण सहयोग रहा इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर और महिला सम्मान समारोह को सफल बनाने में सहयोग रहा। पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष विभा पटेल, पॉलिटेक्निक कॉलेज प्रिंसिपल निशा मिश्रा, टीआरएस कॉलेज एचओडी डॉ. गायत्री मिश्रा, यूनिवर्सिटी प्रोफेसर संध्या सिंह, नेत्री कविता पांडे, जीडबल्यू सीडी अध्यक्ष मीनाक्षी मिश्रा, समाजसेवी भारती शर्मा, सीमा श्रीवास्तव, रंजना श्रीवास्तव, पूर्व एसीडी अध्यक्ष ममता नरेंद्र सिंह, विशेष सहयोग समाजसेवी रचित खंडेलवाल, तमन्ना अंसारी बेनिसन हेल्पिंग सोशल वेलफेयर सोसायटी की अध्यक्ष श्वेता शुक्ला, अमर सिंह, अतुल द्विवेदी, राहुल सिंह, प्राची शुक्ला, तनु सिंह पूजातिवारी, दोहा सौर सरपंच प्रतिभा श्रीवास्तव, ज्योत्सना श्रीवास्तव, सिद्धार्थ श्रीवास्तव, सकेत श्रीवास्तव, प्रीया चतुर्वेदी, रंजन श्रीवास्तव, अनामिका शुक्ला, रोशनी यादव, रश्मि यादव, वार्षा पांडे, आकांक्षा चौधरी, प्रतिमा पांडे, समाज सेवी अर्चना तिवारी आदि उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण

www.dainikjagranmpcg.com

रीवा, 10 मार्च 2025 फालगुन शुक्ल 11 संवत 2081

संस्थापक ▸ गुरुदेव गुप्त

॥गीता॥

लभन्ते ब्रह्मनिर्वाणमृषयः क्षीणकल्मषाः।
छिन्नद्वैधा यतात्मानः सर्वभूतहिते रताः॥

भावार्थ : जिनके सब पाप नष्ट हो गए हैं, जिनके सब संशय ज्ञान द्वारा निवृत्त हो गए हैं, जो सम्पूर्ण प्राणियों के हित में रत हैं और जिनका जीता हुआ मन निश्चलभाव से परमात्मा में स्थित है, वे ब्रह्मवेत्ता पुरुष शांत ब्रह्म को प्राप्त होते हैं।

सजा नहीं, जागरूकता से बदलेंगे हालात

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले से आई नवनिर्वाचित महिला पंचों की जगह उनके पतियों द्वारा शपथ ग्रहण किए जाने की खबर चिंताजनक इस मायने में भी है कि यह किसी तरह का आश्चर्य या विस्मय नहीं पैदा करती। आम तौर पर इसे इस रूप में लिया जा रहा है कि यह तो होता ही है। मामला खास इसलिए बना क्योंकि इसका वीडियो वायरल हो गया। अगर वीडियो वायरल न हुआ होता तो शायद ही यह घटना सुर्खियों में आती और किसी के खिलाफ कोई कार्रवाई भी शायद ही होती। यह इस बात से भी स्पष्ट होता है कि 3 मार्च को कबीरधाम जिले के परसवारा गांव में हुए इस कार्यक्रम के दौरान किसी भी संबंधित व्यक्ति को इसमें कुछ भी गलत नहीं लगा। किसी ने कुछ छुपाने की जरूरत नहीं महसूस की। धूमधाम से गुलाल लगाए माला पहने इन पंच पतियों को शपथ दिलाई गई। अगर इस गांव की सामाजिक और शैक्षिक स्थिति पर गौर करें तो यह सब अस्वाभाविक भी नहीं लगता। 2011 की जनगणना के मुताबिक 320 परिवारों और 1545 की जनसंख्या वाले इस गांव में महिलाओं और पुरुषों का अनुपात प्रति हजार पर 936 है, साक्षरता दर जहां पुरुषों में 82.86 फीसदी है वहीं महिलाओं में यह महज 51.19 फीसदी है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में अभी पंचायत स्तर पर कुल 32.29 लाख निर्वाचित प्रतिनिधि हैं, जिनमें 15.03 लाख महिलाएं हैं। लेकिन व्यवहार में पितृसत्ता का साया इसे निरर्थक बना देता है। इसी वजह से सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर पंचायतों में महिलाओं की जगह उनके पति या अन्य रिश्तेदारों की भूमिका समाप्त करने के लिए समिति भी गठित की गई थी। इस समिति की पिछले महीने आई रिपोर्ट में ऐसे मामलों में भारी जुर्माना लगाने की सिफारिश की गई। लेकिन यह मामला जटिल और संवेदनशील है। कड़ी सजा पर जोर का उलटा असर हो सकता है। ऐसे में कड़ी से कड़ी सजा के बजाय जागरूकता फैलाने पर जोर होना चाहिए। पंचायतों के कामकाज में महिलाओं की भागीदारी और उनका आत्मविश्वास बढ़ाने में प्रशासन की रचनात्मक भूमिका महत्वपूर्ण साबित हो सकती है।

छत्तीसगढ़ के कबीरधाम जिले में नवनिर्वाचित महिला पंचों की बजाय उनके पतियों द्वारा शपथ ग्रहण करने की घटना सामने आई है। वीडियो वायरल होने से मामला उजागर हुआ। पंचायतों में महिलाओं की भूमिका को वास्तविक रूप देने के लिए सामाजिक व प्रशासनिक जागरूकता की आवश्यकता है।

प्रसंगवश

राजनीतिक विरोध में आक्रांताओं का महिमा मंडन उचित नहीं

करीब 300 साल पुराना इतिहास आज प्रासंगिक कैसे हो सकता है? यदि इतिहास प्रासंगिक नहीं है, तो तत्कालीन बादशाहों, आक्रांताओं, तानाशाहों की चर्चा भी क्यों की जाए? आज हम एक स्वतंत्र, लोकतांत्रिक और संप्रभु राष्ट्र के नागरिक हैं, तो उस अतीत की चर्चा भी क्यों की जाए, जिसका इतिहास दुराग्रह और झूठ की सोच से लिखा गया हो? समकालीन इतिहास, घटनाक्रम और जनमत से स्पष्ट

है कि बहुधा मुसलमान इन बादशाहों को न तो अपना आदर्श मानते हैं और न ही इनके नाम पर वोट देते हैं। अलबत्ता औरंगजेब की समर्थक एक जमात हमारे देश में सक्रिय भी है और वह पढ़ी-लिखी, जागरूक जमात है, लेकिन क्या करें, वह दक्षिणपंथी राजनीति की घोर विरोधी है, लिहाजा औरंगजेब भी उसे प्रिय लगता है। फिलहाल प्रसंग महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष एवं विधायक अबु आजमी का है। उन्होंने औरंगजेब को उदार और महान बादशाह माना है। संविधान में दिए गए 'अभिव्यक्ति की आजादी' के मौलिक अधिकार को न तो कवच बनाया जाए और न ही उसकी गलत व्याख्या स्वीकार्य है। चूंकि अबु आजमी को सदन से निलंबित करने का आग्रह उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे का था और लगभग पूरा सदन समर्थन में था, बेशक कांग्रेसी चेहरे खामोश थे, लिहाजा आजमी को पूरे बजट सत्र के लिए सदन से निलंबित कर दिया गया। शिवसेना के उद्धव ठाकरे ने तो अबु आजमी की सदस्यता स्थायी रूप से खत्म करने की मांग की है। उद्धव और सपा तो विपक्षी गठबंधन के साथी हैं। यह कैसा गठबंधन है! बहरहाल विधानसभा स्पीकर के विशेषाधिकार पर संवैधानिक प्रावधान भी हैं और सर्वोच्च अदालत के फैसले भी हैं कि यदि किसी सदस्य ने सदन के बाहर कुछ आपत्तिजनक बयान दिया है अथवा गतिविधि की है, तो उसे निलंबित नहीं किया जा सकता। निर्वाचित सदस्य का सदन में उपस्थित रहना उसका भी विशेषाधिकार है, लेकिन हमारे विश्लेषण का विषय यह नहीं है। चूंकि सपा नेता ने जिस तरह औरंगजेब का महिमामंडन किया है, वह महाराष्ट्र से निकल कर उप्र, बिहार और देश के अन्य हिस्सों का भी मुद्दा बन गया है, लिहाजा हमारे लिए भी यह सवालिया है कि औरंगजेब को उदार और महान बादशाह किस आधार पर माना जाए? अबु भाजपाधर्मी राजनीति के घोर विरोधी नेता माने जाते हैं।

क्या इसी आधार पर किसी बादशाह को उदारवादी, मानवीय, मंदिर-निर्माता आंका जा सकता है? औरंगजेब ने अपने पिता बादशाह शाहजहां को आगरा किले में कैद करवा दिया था और उन्हें बूंद-बूंद पानी के लिए तरसा दिया था। शाहजहां ने अपनी आत्मकथा में लिखा था कि हे खुदा! ऐसा कमबख्त बेटा किसी घर में पैदा न करना।'' यही नहीं, औरंगजेब ने अपने सगे भाई दारा शिकोह को पिंजरे में कैद कर दिल्ली के चांदनी चौक में घुमाया था। उसके अत्याचारों की दास्ताना लंबी है। महिमामंडन ठीक नहीं।

भारत की विडंबना यह है कि यहां की लोकतांत्रिक राजनीति लगभग दोफाड़ है। एक तरफ भाजपा और उसके सहयोगी दल तथा दूसरी तरफ भाजपा-विरोधी जमात। ऐसी स्थिति में बाबर, अकबर, औरंगजेब सरीखे मुगल बादशाह भी उस सियासत के कथित आदर्श हैं, जो वैचारिक तौर पर भाजपा-विरोधी है।

अन्तर्राष्ट्रीय

डोनाल्ड ट्रम्प किम जोंग उन से इतना डरते क्यों हैं?

सवाल यह है, ट्रम्प किम से इतना डरते क्यों हैं? किम जोंग पर ट्रंप की चुप्पी के मायने क्या हैं? क्या उसका मुंहफट होना ट्रम्प को डराता है, या कि सैन्य दुस्साहस? उत्तर कोरिया, 2022 से रूस-यूक्रेनी युद्ध में शामिल है, जब उसने डोनेट्स्क रिपब्लिक और लुगांस्क रिपब्लिक को मान्यता देकर रूस का समर्थन किया था।जेलेन्स्की से जो अनुभव ट्रम्प ने प्राप्त किया है, उस कड़वे अनुभव के आधार पर ट्रम्प कम से कम किम से तुरंत नहीं उलझेंगे।

पुष्परंजन

क्या अमेरिका को उत्तर कोरिया के साथ बातचीत फिर से शुरू करनी चाहिए? ठीक एक माह पहले 7 फरवरी को जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा ने डोनाल्ड ट्रम्प को सुझाव दिया था, कि वो उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन से दोबारा बात करें। लेकिन, जेलेन्स्की से जो अनुभव ट्रम्प ने प्राप्त किया है, उस कड़वे अनुभव के आधार पर ट्रम्प कम से कम किम से तुरंत नहीं उलझेंगे। जेलेन्स्की, चाहे आने वाले दिनों में नरम पड़ जाएं, या खनिज समझौता कर लें, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति की जिस तरह आमने-सामने हेकड़ी उतारी है, उससे उनका प्रभामंडल निस्तेज हुआ है। अटलांटिक से लेकर, एशिया-प्रशांत और मिडल ईस्ट तक कुछ शासन प्रमुखों का हौसला बुलंद हुआ है, कि व्हाइट हाउस से दबो नहीं। तुर्की-ब-तुर्की जवाब दो।

7 फरवरी, 2025 को जापानी प्रधानमंत्री शिगेरू इशिबा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने उत्तर कोरियाई तानाशाह किम जोंग उन के साथ अपने व्यक्तिगत संबंधों पर जोर देते हुए कहा, कि 'वह हम सबों के लिए बहुत बड़े धरोहर हैं। मैं उनसे मिलता रहता हूं।' इशिबा के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस में ट्रम्प ने यह भी दावा किया कि उनके पहले कार्यकाल के दौरान किम के साथ उनकी बातचीत ने कोरियाई प्रायद्वीप पर युद्ध को रोक दिया था।

चाहे यह सच हो, या नहीं, ट्रम्प ने निश्चित रूप से अपने पूर्ववर्ती की तुलना में उत्तर कोरिया के साथ बेहतर व्यवहार किया। पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा ने सुंदर भाषण दिए, लेकिन पूर्वी एशिया के कई देशों, जिनमें अमेरिकी सहयोगी और साझेदार भी शामिल हैं, के सामने वे कमज़ोर नज़र आए। आठ साल तक उन्होंने उत्तर कोरिया के बारे में कुछ नहीं किया, बल्कि बराक ने इसे 'रणनीतिक धैर्य' की नीति कहा था।

इसका फायदा उठाकर फ्योंगयांग ने अपने मिसाइल और परमाणु हथियार कार्यक्रमों को रफ्तार दे दी। ट्रम्प, किम

जोंग उन से सीधा उलझने से बचते रहे। ट्रम्प ने किम से तीन बार मुलाकात की- 2018 में सिंगापुर में, 2019 में हनोई में, और 2019 में ही उत्तर और दक्षिण कोरिया को अलग करने वाले विसैन्यीकृत क्षेत्र में। फोटोऑप तक सीमित ये बैठकें, इसलिए विफल रहीं क्योंकि वे खराब तरीके से तैयार की गई थीं। इसमें 'परमाणु निरस्त्रीकरण' का कोई ठोस लक्ष्य निर्धारित नहीं किया गया था।

उत्तर कोरिया अपने परमाणु हथियार, या मिसाइल कार्यक्रमों को वैसे भी नहीं छोड़ने वाला है। उत्तर कोरिया के हवाले से कुछ विशेषज्ञों का आकलन है कि ट्रंप अपने कूटनीतिक टूलबॉक्स से धूल झाड़ सकते हैं, और किम जोंग उन के साथ एक और शिखर सम्मेलन की कोशिश कर सकते हैं। लेकिन किम, परमाणु राज्य का दर्जा पाने की महत्वाकांक्षा त्याग नहीं सकते। पिछले महीने 'नई ह्वासोंग-19 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल' के परीक्षण के बाद, उत्तर कोरिया ने पुष्टि की, कि देश की परमाणु शक्ति को मजबूत करने की नीति कभी नहीं बदलेगी। 2023 में, उत्तर कोरिया ने परमाणु शक्ति को मजबूत करने की अपनी नीति को सुदृढ़ करने के लिए अपने संविधान में संशोधन किया। उसने स्पष्ट कर दिया कि परमाणु संपन्न देश बनने की उसकी स्थिति 'अपरिवर्तनीय' बनी हुई है।

पिछले महीने, नौ वर्षों में पहली बार, दक्षिण कोरिया और अमेरिका के रक्षा प्रमुखों के बीच की सुरक्षा परामर्श बैठक के बाद जारी किए गए एक संयुक्त बयान में उत्तर कोरिया के परमाणु निरस्त्रीकरण को साझा लक्ष्य के रूप में छोड़ दिया गया। यह एक संभावित संकेत है, कि उत्तर कोरिया का परमाणु निरस्त्रीकरण अब वास्तविक रूप से प्राप्त करने योग्य नहीं है। यदि किम, ट्रंप के साथ बैठते हैं, तो वे उत्तर कोरिया को परमाणु संपन्न देश के रूप में अमेरिका द्वारा मान्यता दिए जाने पर बातचीत करने का प्रयास करेंगे, तथा 'परमाणु निरस्त्रीकरण' के बजाय 'परमाणु निरस्त्रीकरण के लिए बाद में प्रदत रियायतें मांगेंगे, जो उनके पिछले शिखर सम्मेलनों के दौरान चर्चा में था। कोरिया विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय एकीकरण के लिए कन्वर्जेंस संस्थान के निदेशक नाम सुंग-वुक का कहना है, 'बदले में ट्रम्प इसकी गारंटी ले सकते हैं, कि अमेरिका की मुख्य भूमि तक पहुंचने में सक्षम उत्तर कोरियाई मिसाइलों का मुंह किम घुमा दें।'

सवाल यह है, ट्रम्प किम से इतना डरते क्यों हैं? क्या उसका मुंहफट होना ट्रम्प को डराता है, या कि सैन्य दुस्साहस? उत्तर कोरिया का हथियार उद्योग लहलहा रहा है। नवंबर, 2024 के मध्य तक, यूक्रेन के साथ संघर्ष में रूसी सशस्त्र बलों को मजबूत करने के लिए 50 उत्तर कोरिया निर्मित एम-1989 कोकसन स्व-चालित हॉवित्जर, और लगभग 20 एम-1991 शॉर्ट-रेंज मिसाइल सिस्टम रूस को दिए गए थे।

वर्ष 2018 से किम जोंग उन की विदेश यात्राओं पर गौर कीजिये, वह रूस, केवल एक बार गए हैं, और चीन चार बार। इससे अंदाजा लगा था, कि रिमोट कंट्रोल प्रेसिडेंट शी के पास है। लेकिन, 2023 -24 के दौरान पुतिन-किम शिखर बैठकों ने द्विपक्षीय सहयोग को नए स्तरों पर पहुंचा दिया। इन निराशाओं के बावजूद, चीन, उत्तर कोरिया का साझेदार बना हुआ है, शी की मैच्योर कूटनीति है कि उन्होंने रूस और उत्तर कोरिया के साथ अपने संबंधों को तल्ख नहीं होने दिया। ट्रम्प के टैरिफ वॉर के बाद, इन संबंधों को नए सिरे से परिभाषित करने की जरूरत है!

खेल जगत

इतिहास रच सकते हैं भारी शरीर वाले खिलाड़ी भी

खेलों की दुनिया में फिटनेस को सफलता की कुंजी माना जाता है, पर कुछ खेलों में भारी शरीर वरदान बन जाता है। क्रिकेट भी ऐसा ही एक खेल है। यहां कई खिलाड़ी हुए हैं, जिन्होंने भारी शरीर के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया है। ऐसे में, कांग्रेस प्रवक्ता का बयान खिलाड़ियों के प्रति उनकी नासमझी और व्यक्त की गई कुंठा के सिवा और कुछ नहीं।

विनय सिंह बैस

यह सही है कि खेलों की दुनिया में फिटनेस को सफलता की कुंजी माना जाता है, पर कुछ खेल ऐसे भी हैं, जहां भारी शरीर वरदान बन जाता है। सूमो कुश्ती, भारोत्तोलन, शॉट पुट, डिस्कस थ्रो जैसे खेलों की गिनती इनमें की जा सकती है। यहां तक कि रग्बी और फुटबॉल में भी कुछ पोजीशन पर खिलाड़ियों का भारी शरीर काम का माना जाता है। क्रिकेट भी कुछ अपवादों के साथ ऐसा ही एक खेल है। यहां कई ऐसे खिलाड़ी हुए हैं, जिन्होंने भारी शरीर के बावजूद शानदार प्रदर्शन किया है। मोटे होने के बाद भी इंजमाम-उल-हक (पाकिस्तान), अर्जुन रणतुंगा (श्रीलंका), रकीम कॉर्नवाल (वेस्ट इंडीज), ड्वेन लेवरॉक (बरमुडा), वारविक आर्मस्ट्रांग, डेविड बून (ऑस्ट्रेलिया) जैसे खिलाड़ियों ने अपने प्रदर्शन से अमिट छाप छोड़ी। इन क्रिकेटरों ने साबित किया है कि सही तकनीक, खेल की समझ और मेहनत से भारी शरीर वाले खिलाड़ी भी इतिहास रच सकते हैं। रोहित शर्मा इसी श्रेणी के खिलाड़ी हैं।

भले ही, भारतीय कप्तान को उनके शरीर के लिए अभी कोसा जा रहा हो, पर वह सफेद गेंद क्रिकेट में सबसे बेहतरीन कप्तानों में से एक हैं। उन्होंने न केवल टीम को एकजुट रखा है, बल्कि रणनीतिक रूप से शानदार फैसले लेकर टीम को आईसीसी के चार अलग-अलग टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचाया, जो एक विश्व रिकॉर्ड है। एक बल्लेबाज के रूप में उनकी तकनीक और टाइमिंग कमाल की है, जिसके कारण उनको 'हिटमैन' का खिताब मिला हुआ है।

आज की तारीख में वह वनडे व टी-20 क्रिकेट में खतरनाक सलामी बल्लेबाजों में से एक माने जाते हैं। उनके नाम एकदिवसीय क्रिकेट की एक ही पारी में 264 रन बनाने का विश्व रिकॉर्ड भी दर्ज है। इस फॉर्मेट में

उन्होंने तीन दोहरे शतक लगाने का रिकॉर्ड भी बनाया है। एक वनडे पारी में सर्वाधिक 55 चौकों का विश्व रिकॉर्ड भी उन्हीं के पास है। 2019 वनडे वर्ल्ड कप में रोहित ने नौ मैचों में पांच शतकों की मदद से 648 रन बनाए थे, यह भी विश्व रिकॉर्ड है। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने का विश्व रिकॉर्ड भी उन्हीं के नाम है। ये तमाम आंकड़े रोहित की फुर्ती, शॉट खेलने की उनकी क्षमता और लंबी पारियां खेलने की ताकत का संकेत देते हैं। सोशल मीडिया पर रोहित शर्मा को मोटा कहे जाने पर बवाल मचा हुआ है! कहा जा रहा है कि उनकी बॉडी शेमिंग की गई। अरे, वह कोई सामान्य महिला हैं कि जिनको मोटा कह दिया गया, तो बॉडी शेमिंग हो गई? वह हमारे देश के सबसे लोकप्रिय और बड़े खेल में टीम के कप्तान हैं। अब जरा रोहित के वजन पर नजर डालते हैं। क्या अधिक वजन के कारण उनकी फिटनेस पर असर पड़ रहा है? शायद बहुत नहीं।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) एक प्रोफेशनल संस्था है, जो खिलाड़ियों की फिटनेस का पूरा ध्यान रखती है। अनफिट खिलाड़ी को टीम में जगह नहीं मिलती, भले वो कप्तान ही क्यों न हो?

एक समय जब टीम इंडिया के खिलाड़ियों को कठिन यो-यो टेस्ट पास करना पड़ा था, तब भी रोहित उसे पास करते थे। टीम इंडिया के फिटनेस कोच का तो यहां तक कहना था कि रोहित उतने ही फिट हैं, जितने विराट कोहली। रोहित 50 ओवर टीम के लिए फील्डिंग करते हैं और बतौर बल्लेबाज कभी एक रन चुराने से चूकते नहीं हैं। रोहित के वजन को लेकर उनकी फिटनेस पर सवाल खड़ा करना सही नहीं है।

पाकिस्तान के पूर्व कप्तान इंजमाम-उल-हक की भी वजन को लेकर आलोचना होती थी, लेकिन उन्होंने लंबे समय अपनी टीम का नेतृत्व किया, बल्कि उनकी बल्लेबाजी से विरोधी टीमें डरा करती थीं। शमा मोहम्मद को रोहित शर्मा के वजन को लेकर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए थी। विशेषकर चैंपियंस ट्रॉफी के बीच में तो बिल्कुल नहीं। कप्तान का आकलन टीम के प्रदर्शन से होना चाहिए, न की उसके अपने वजन से।

निश्चित ही, शमा मोहम्मद ने पार्टी को संकट में डाला है। रोहित शर्मा के परफार्मेंस को लेकर शमा मोहम्मद की चिंता एकबार को जायज ठहराई जा सकती है, लेकिन उनके वजन को लेकर बोलना कतई उचित नहीं कहा जा सकता। कांग्रेस प्रवक्ता का गैर-जिम्मेदाराना बयान खेल व खिलाड़ियों के प्रति उनकी नासमझी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का बेजा लाभ उठाकर व्यक्त की गई कुंठा के सिवा और कुछ नहीं। इसका तथ्यों से कोई सरोकार नहीं है। रोहित शर्मा थोड़े

SUDOKU 66

9		3	4			6	1	
				6		7	3	
	6							8
	3		8			9		
	9						8	
		8			5		7	
7							5	
	8	9		4				
	4	6			7	3		9

SOLUTIONS 65

7	4	5	2	1	9	8	6	3
3	8	2	6	7	4	5	9	1
9	6	1	3	8	5	2	4	7
2	3	6	8	4	1	7	5	9
4	7	9	5	6	3	1	2	8
5	1	8	9	2	7	6	3	4
8	2	7	4	3	6	9	1	5
6	5	4	1	9	8	3	7	2
1	9	3	7	5	2	4	8	6

Rules : The 3x3 sub-grids are called regions. Number already filled in the grid are called givens. The goal of the player is to fill the blank grids of every row, every column and every 3x3 box with the numbers 1,2,3,4,5,6,7,8,9 However, All rows, colums and regions (3x3) should contain numbers 1 to 9 without repeating.

राशिफल

मेष : आज का दिन मिलाजुला परिणाम देने वाला है। भविष्य से जुड़े फैसले सावधानी से लें। व्यापारिक स्थिति में उतार-चढ़ाव संभव है।

वृषभ : पुराने निवेशों से अच्छा रिटर्न मिलेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार आएगा।आज परिवार के किसी सदस्य को आर्थिक मदद की जरुरत पड़ सकती है।

मिथुन : आज का दिन खास रहने वाला है। महत्वपूर्ण कार्यों को टाइम पर पूरा करने की कोशिश करें। लॉन्ग टर्म प्लान पर फोकस करें। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे।

कर्क : आज का दिन शुभ रहेगा। नए प्रोजेक्ट की शुरुआत करना अच्छा रहेगा। कार्यों के सकारात्मक परिणाम मिलेंगे। आर्थिक मामलों में सावधानी बरतें। करियर में अपार सफलता मिलेगी।

सिंह : आज आपको कार्यों के मनचाहे परिणाम मिलेंगे, लेकिन बिजनेस पार्टनर से धोखा मिल सकता है। प्रॉपर्टी के लेन-देन से जुड़े डॉक्यूमेंट्स को बहुत संभालकर रखें।

कन्या : कड़ी मेहनत और लगन के साथ सभी कार्यों को पूरा करें। व्यापार में मुनाफा होगा। अटका हुआ धन वापस मिलेगा। धन-संपत्ति को लेकर वाद-विवाद हो सकता है।

तुला : सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपको पारिवारिक जीवन में कुछ मुद्दों को बातचीत के जरिए सुलझाना होगा। धन का प्रबंधन होशियारी से करें।

वृश्चिक : सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। आपको पारिवारिक जीवन में कुछ मुद्दों को बातचीत के जरिए सुलझाना होगा। माता-पिता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें।

धनु : घर के किसी सदस्य के विवाह में बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। धन का लेन-देन करते समय सावधानी बरतें। आर्थिक पक्ष मजबूत होगा।

मकर : लंबे समय से रुके हुए कार्य सफल होंगे। परिजनों से किसी बात को लेकर अनबन हो सकता है। कार्यस्थल पर कोई भी फैसला बहुत सोच-समझकर लें।

कुंभ : आज का दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक मामलों में किसी पर आंख मूंदकर भरोसा न करें। घर में मेहमानों के आगमन से सकारात्मक माहौल रहेगा। अटका हुआ धन वापस मिलेगा।

मीन : आज का दिन सामान्य रहेगा। घर में मेहमानों का आगमन संभव है। नौकरी-कारोबार में तरक्की करेंगे। आप फैमिली के साथ कहीं घूमने का भी प्लान बना सकते हैं।

आज का पंचांग

तिथि/संवत : 10 मार्च 2025 दिन सोमवार फाल्गुन मास शुक्ल पक्ष एकादशी तिथि विक्रम संवत 2081 शक संवत 1946।

सूर्य उदय कालीन ग्रह विचार

सूर्य कुंभ राशि में चंद्र कर्क राशि में मंगल मिथुन राशि में बुध मीन राशि में गुरु वृषभ राशि में शुक्र मीन राशि में शनि कुंभ राशि में राहु मीन राशि में और केतु कन्या में रहेगा।

सूर्य उदय कालीन नक्षत्र विचार

सुबह प्रातः काल कर्क राशि का नक्षत्र पुष्य का प्रथम चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया रजत रहेगा प्रातः 10.00 बजे कर्क राशि का नक्षत्र पुष्य का द्वितीय चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया रजत रहेगा दोपहर 3.00 बजे कर्क राशि का नक्षत्र पुष्य का तृतीय चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया रजत रहेगा रात्रि 9.00 बजे कर्क राशि का नक्षत्र पुष्य का चतुर्थ चरण प्रारंभ होगा और इसका नक्षत्र पाया रजत रहेगा।

योग : शोभन। **करण :** विष्टिभद्र।

चौघड़िया, सोमवार

सुबह 6.00 से 7.30..........अमृत
सुबह 7.30 से 9.00..........काल
सुबह 9.00 से 10.30..........शुभ
सुबह 10.30 से 12.00.......... रोग
दोपहर 12.00 से 1.30.......... उद्वेग
दोपहर 1.30 से 3.00.......... चर
दोपहर 3.00 से 4.30.......... लाभ
शाम 4.30 से 6.00.......... अमृत

आज जन्मे बच्चों की राशि और नाम

समय	नक्षत्र	चरण	पाया	राशि	अक्षर
प्रातः 6.00 से	पुष्य	प्रथम	रजत	कर्क	हु
प्रातः 10.00	पुष्य	द्वितीय	रजत	कर्क	हे
दोपहर 3:00	पुष्य	तृतीय	रजत	कर्क	हो
रात्रि 9.00	पुष्य	चतुर्थ	रजत	कर्क	ड

राहुकाल : प्रातः 7.30 से 9.00 तक रहेगा।
दिशाशूल : पूरब दिशा में रहेगा।
खरीदारी का उचित समय : दोपहर 12 से 1.30 तक ।
आराधना का मंत्र : ऊं ह्रीं कार्तिकेय देवाय विद्महे, शौर्य रूपाय धीमहि, तन्नो स्कंदः प्रचोदयात्।

पं. अरविंद तिवारी

जीवन दर्शन

मोक्ष की ओर अग्रसर होना आत्मा का उद्देश्य

धर्मशास्त्रों में शरीर को आत्मा का कारावास कहा गया है, शरीर त्याग के समय शरीर बंधनों से जकड़ी हुई आत्मा की दशा 'सांप-छछूंदर' जैसी होती है, क्योंकि शरीर का बंधन एवं मोह, आत्मा को उस शरीर की ओर आकर्षित करता है और जब शरीर उस आत्मा को संभालने के लायक नहीं रहता तो व्यक्ति की आत्मा शरीर का कारावास तोड़कर बाहर निकलती है, जिसे मृत्यु कहते हैं। किसी भी व्यक्ति की मृत्यु होने पर दुनिया वाले उस व्यक्ति का अन्त मान लेते हैं परन्तु धर्मशास्त्रों के अनुसार मृत्यु अन्त नहीं प्रारम्भ है, इसलिए अच्छे कर्म हमेशा करते रहना चाहिए। आत्मा अजर, अमर, अविनाशी है, जो ईश्वरीय विधान के अनुसार पृथ्वी पर विभिन्न योनियों में जन्म लेती है। मनुष्य जन्म लेने के बाद आत्मा का परम उद्देश्य मोक्ष की ओर अग्रसर होना है।

प्रत्येक दिन काल हमें मृत्यु की ओर सरका रहा है, सारा संसार धीरे-धीरे मृत्यु की ओर सरक रहा है, समय रहते जाग जाना ही मनुष्य जीवन की सार्थकता है।

गरूण पुराण एवं गीता आदि धार्मिक ग्रंथों के अध्ययन से व्यक्ति को अपनी आत्मा से संबंधित तत्वों का बोध होता है। गीता के उपदेशों में भगवान श्री कृष्ण कहते हैं कि आत्मा का अंत नहीं होता, वह सिर्फ शरीर रूपी वस्त्र बदलती है। आत्मा, परमात्मा के अस्तित्व को सभी को समझना अति आवश्यक है, आत्मज्ञान के विषय में कबीरदास जी भी कहते हैं, आत्मज्ञान बिना सब सूनो, क्या मथुरा क्या काशी।

आत्मा अजर, अमर, अविनाशी है, जो ईश्वरीय विधान के अनुसार पृथ्वी पर विभिन्न योनियों में जन्म लेती है। मनुष्य जन्म लेने के बाद आत्मा का परम उद्देश्य मोक्ष की ओर अग्रसर होना है।

आशुतोष वार्ष्णेय

संक्षिप्त खबरें

नैतिक मूल्यों में गिरावट हो तो सख्त कानून जरूरी : पटेल

भोपाल। पंचायत एवं ग्रामीण विकास, श्रम मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि जब नैतिक मूल्यों की गिरावट होती है, तो हमें सख्ती से समाज की ओर जाना पड़ता है, कानून की ओर जाना पड़ता है। हम तो तीसरी सीढ़ी की शुरुआत कर रहे हैं। पटेल रविवार को माधवराव सप्रे समाचार पत्र

संग्रहालय एवम शोध संस्थान में राज्य स्तरीय अलंकरण एवं देवलिया स्मृति व्याख्यान को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मेरा स्वयं का जो सार्वजनिक जीवन है, वो कम से कम चार दशक का है। जो संविधान में लिखा हुआ है कि इस पर विचार करना चाहिए। मैं भी इस बात का हिमायती हूं कि संविधान आपको क्लिष्ट लग सकता है, लेकिन संविधान सभा की बहस; हमारे मन में जो प्रश्न पैदा होते हैं, इन प्रश्नों के उत्तर के समान है और रोचक भी है। पटेल ने कहा कि आत्मा की व्यवस्था है मोक्ष। इसे सरल तरीके से समझा जा सकता है। व्याख्यान में मुख्य वक्ता पत्रकार प्रो. हर्षवर्धन त्रिपाठी, नई दिल्ली ने भी विचार व्यक्त किए। समारोह की अध्यक्षता वरिष्ठ पत्रकार पद्मश्री विजयदत्त श्रीधर ने की। विषय प्रवर्तन वरिष्ठ पत्रकार एवं माखनलाल चतुर्वेदी राष्ट्रीय पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय के एडजंक्ट प्रोफेसर शिवकुमार विवेक थे।

गांधी नगर में युवक का मर्डर करने वाले दो आरोपी इंदौर से गिरफ्तार

क्राइम रिपोर्टर, भोपाल। गांधीनगर इलाके में युवक की चाकू घोंपकर हत्या करने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने इंदौर से गिरफ्तार कर लिया है। जबकि, तीसरे की तलाश जारी है। आरोपियों ने पुलिस को बताया कि पड़ोस में रहने वाला युवक उनके घर की लड़की पर बुरी नजर रखता था। वह आए रोज सरेराह छेड़छाड़ करता था, इसलिए उसे मार दिया। आरोपियों पर 30 हजार रुपए का ईनाम घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक, 20 वर्षीय अदनान खान गोंदरमऊ में परिवार के साथ रहता था। वह बाइक मैकेनिक था। गत 3 मार्च की रात करीब साढ़े 8 बजे उसकी हत्या कर दी गई थी। रविवार को पुलिस की संयुक्त टीम ने इंदौर से आरोपी शुभम सोलंकी पिता हरिओम सोलंकी निवासी नई जेल रोड बीडीए कालोनी गोंदरमऊ और लक्की सोलंकी निवासी गोंदरमऊ को गिरफ्तार कर लिया है। मामले में उनका साथी राजकुमार सोलंकी फरार है, पुलिस उसकी तलाश में जुटी है।

यदि तले-भुने भोजन से परहेज करें तो पीसीओएस से बचाव संभव

भोपाल। पीसीओएस (पॉलीसिस्टिक ओवेरियन सिंड्रोम) एक हार्मोनल समस्या है। जो महिलाओं को होती है। इसके के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए रविवार को एक कांफ्रेंस का आयोजन किया गया। कांफ्रेंस का शुभारंभ प्रमुख सचिव लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा संदीप यादव द्वारा किया गया। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की मिशन संचालक डॉ. सलोनी सिडाना, संचालक हेल्थ एवं स्टेट नोडल, प्रिवेंटिव गायनेकोलॉजी एंड इंफर्टिलिटी डॉ. रचना दुबे, पीसीओएस सोसाइटी ऑफ इंडिया की प्रेसीडेंट डॉ. दुरु शाह तथा कानपुर की वरिष्ठ स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मीरा अग्निहोत्री विशेष रूप से उपस्थित रहीं। इस अवसर पर डॉ. रचना दुबे ने पीसीओएस में गट हेल्थ (आंतों के स्वास्थ्य) के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि हमारे गट में उपस्थित माइक्रोबायोम्स हमारे संपूर्ण स्वास्थ्य को नियंत्रित करने में सहायक होते हैं। उन्होंने बताया कि यदि पीसीओएस से प्रभावित महिलाएं अपने आहार पर ध्यान दें और तले-भुने खाद्य पदार्थ, समोसे, कचौड़ी, वसायुक्त भोजन एवं अधिक शुगर का सेवन कम करें, तो इस स्थिति को नियंत्रित करने में सहायता मिलेगी। डॉ. सलोनी सिडाना ने पीसीओएस के बचाव हेतु मध्यप्रदेश शासन द्वारा किए जा रहे प्रयासों की जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि सरकार महिलाओं के स्वास्थ्य को लेकर विशेष संवेदनशीलता के साथ कार्य कर रही है और इस दिशा में जनजागरूकता अभियानों एवं स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार किया जा रहा है।

बोर्ड की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन 13 से

समय पर रिजल्ट देने परीक्षाओं के बीच ही मूल्यांकन

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मप्र माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा 10वीं और 12वीं की परीक्षाएं अभी चल रही हैं। समय पर रिजल्ट देने के लिए मंडल ने परीक्षाओं के बीच ही मूल्यांकन कार्य कराने का कार्य शुरू करने का निर्णय लिया है। मंडल 13 मार्च से मूल्यांकन कार्य शुरू करा देगा। मूल्यांकन दो चरणों में करीब 40 दिनों में पूरा कर लिया जाएगा। इस दौरान एक करोड़ से ज्यादा उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाएगा। मूल्यांकन के लिऐ करीब 35 हजार शिक्षक को प्रशिक्षण तक दिया गया है। उत्तरपुस्तिका में बारकोडिंग की गई है, इससे मूल्यांकनकर्ता को परीक्षार्थी का रोल नंबर की जानकारी नहीं रहेगी। एमपी बोर्ड परीक्षा में गोपनीयता और पारदर्शिता के लिए सख्त व्यवस्थाएं की गई हैं। इसी तरह अब मूल्यांकन में सख्ती की जा रही है। सभी जिलों में मूल्यांकन केंद्र बनाए गए हैं। इसमें शिक्षकों की ड्यूटी लगा दी गई है, इसे आवश्यक कार्य घोषित किया गया है, ड्यूटी पर लगे शिक्षकों को छुट्टी नहीं मिलेगी। मंडल के कंट्रोल रूम से भी मूल्यांकन केंद्रों पर नजर रखी जाएगी। जिन पेपरों की परीक्षाएं हो चुकी हैं, उनकी कॉपियों में बारकोड लगाया जा रहा है। कॉपियों को जांच के लिए केंद्रों पर भेजा जाएगा। बारकोड लगाने प्रदेश में छह केंद्र बनाए गए हैं। इनमें भोपाल में दो, रीवा, जबलपुर, सागर और इंदौर में एक-एक केंद्र बनाया गया है।

मूल्यांकन के लिए दी गई विशेष ट्रेनिंग

मूल्यांकन में पिछले वर्षों में मिली शिकायतों को देखते हुए बोर्ड के सचिव केडी त्रिपाठी द्वारा शिक्षकों को मूल्यांकन की विशेष ट्रेनिंग दिलाई गईं। इसके लिए पहले प्रत्येक जिले से चार-चार शिक्षकों को राजधानी बुलाकर मास्टर ट्रेनिंग दी गईं। फिर इन शिक्षकों ने अपने-अपने जिलों में जाकर शिक्षकों को ट्रेंड किया है, ताकि मूल्यांकन कार्य में किसी प्रकार की गड़बड़ी नहीं हो।

कांग्रेस की सौरभ पर तैयारी, भाजपा सिंघार पर साधेगी निशाना

16वीं विधानसभा का पांचवां सत्र होगा, विधानसभा सचिवालय ने की पूरी तैयारी

विशेष संवाददाता, भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के बजट सत्र का आगाज 10 मार्च से होगा। जिसमें विपक्षी दल कांग्रेस ने सौरभ शर्मा और भ्रष्टाचार के मुद्दों को लेकर सरकार को घेरने की पूरी तैयारी की है, तो भाजपा नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार और उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे से जुड़े मामले को लेकर कांग्रेस पर निशाना साधेगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश की सत्ता पर काबिज मौजूदा डॉ. मोहन यादव सरकार अपना पहला पूर्ण बजट इस सत्र के दौरान 12 मार्च को सदन में पेश करेगी। सत्र में 5 अलग-अलग प्रमुख विधेयक भी पेश किए जा सकते है। इस सत्र के दौरान होली सहित 6 दिन का अवकाश रहेगा।

विधायकों ने पूछे 2939 सवाल

बजट सत्र के दौरान विधायकों ने 2939 सवाल पूछे है। विधानसभा सचिवालय को 1785 सवाल विधायकों द्वारा ऑनलाइन मिले है,जबकि 1154 सवाल विधायकों द्वारा ऑफलाइन लगाए गए है। प्रमुख सचिव ए.पी.सिंह के अनुसार बजट सत्र की अधिसूचना जारी होने से अब तक सचिवालय को 1448 तारांकित एवं 1491 आरांकित प्रश्न की सूचनाएं प्राप्त हुई है। जबकि ध्यानाकार्षण की 118,स्थगन प्रस्ताव की 1,अशासकीय संकल्प की 24 और शून्यकाल की 13 सूचनाएं प्राप्त हुई है।

विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह ने तैयारियों का जायजा।

विधानसभा सत्र को देखते सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है।

सरकार को घेरने कांग्रेस ने बनाई रणनीति

बजट सत्र हंगामेदार होने के आसार नजर आ रहे है। कांग्रेस सरकार को सौरभ शर्मा से जुड़े भ्रष्टाचार के मामले में घेरने की पूरी तैयारी के साथ सदन में पहुंचेगी। इसके अलावा बेरोजगारी, महिलाओं के खिलाफ अपराध, राज्य की कानून व्यवस्था और किसानों के मुद्दे कांग्रेस द्वारा सदन में उठाए जाने वाले प्रमुख मुद्दे हो सकते हैं। कांग्रेस लाड़ली बहना योजना को लेकर सरकार पर 3000 रुपए प्रतिमाह नहीं देने का आरोप लगाते हुए सरकार से सवाल पूछ सकती है।

सिंघार और कटारे रहेंगे भाजपा के निशाने पर

बताया गया है कि भाजपा ने भी सदन में विपक्ष की धार को कमजोर करने के लिए अपने स्तर पर रणनीति बनाई है। पार्टी के कई वरिष्ठ विधायक नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार पर लगे पुराने आरोपों को लेकर उनसे सवाल पूछ सकते है,तो उपनेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे भी सरकार के विधायकों के निशाने पर रहेंगे। इसके अलावा सत्ता पक्ष के विधायक अपनी सरकार की उपलब्धियों को सदन में जोर-शोर से उठाएंगे और कांग्रेस के हर सवाल का पूरी ताकत के साथ जवाब देंगे। पार्टी ने अपने विधायकों से कहा है कि वे योजनाओं और विकास कार्यो से जुड़े मामलों की पूरी जानकारी लें और आंकड़ो के साथ विधानसभा पहुंचे।

चार लाख करोड़ से ज्यादा का पेश हो सकता है बजट

ऐसा बताया जा रहा है कि उपमुख्यमंत्री जगदीश देवड़ा 12 मार्च को सदन में 4 लाख करोड़ से ज्यादा का बजट सदन में पेश कर सकते हैं। ऐसा संकेत सीएम डॉ. मोहन यादव पहले ही दे चुके है। बजट में ज्ञान (गरीब, किसान, महिला एवं युवा) को लेकर बनाए गए मिशन पर फोकस किया जाएगा। सरकार पूंजीगत व्यय 70 हजार करोड़ से ज्यादा का कर सकती है। बजट से एक दिन पहले 11 मार्च को सरकार द्वारा आर्थिक सर्वेक्षण प्रस्तुत करेगी। जिसमें वर्ष 2024-25 में राज्य सकल घरेलू उत्पाद की स्थिति,सूबे के विकास की दर,प्रति व्यक्ति आय से लेकर विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों की स्थिति से अवगत कराया जाएगा।

14 को होली, तो 19 को रंगपंचमी का अवकाश

सत्र के दौरान 6 दिन का अवकाश रहेगा। 14 मार्च को होली तो 19 मार्च को रंगपंचमी का अवकाश होगा। इसके अलावा 15 व 22 मार्च को शनिवार व 16 व 23 मार्च को रविवार का अवकाश रहेगा। सदन का अंतिम दिन कार्यवाही 24 मार्च को होगी।

राज्यपाल से मिले तोमर

राज्यपाल मंगूभाई पटेल ने रविवार को विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर ने सौजन्य भेंट की। इससे पहले तोमर ने बजट सत्र की तैयारियों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करेगा बजटः सीएम

आगामी बजट को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2025-26 का बजट प्रदेश के लोगों की आकांक्षों को पूरा करेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा के नेतृत्व वाली प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए अपना वार्षिक बजट तैयार कर लिया है। उन्होंने पत्रकारों से संवाद करते हुए कहा कि आगामी बजट मध्य प्रदेश के विकास में मील का पत्थर साबित होगा। हमने पिछले साल विभिन्न विभागों में किए गए कार्यों के आधार पर एक पूरा रोडमैप तय किया है। राज्य सरकार चुनौतियों का सामना करने के लिए काम कर रही है।

छात्रों की कॉपियों में अब शिक्षकों की होगी परीक्षा, हर गलती पर सौ रुपए जुर्माना

जागरण, ब्यूरो। दसवीं-बारहवीं के विद्यार्थियों की परीक्षाओं के बीच ही अब शिक्षकों को भी परीक्षा देना पड़ेगी। खासबात यह है कि शिक्षकों को यह परीक्षा छात्र-छात्राओं की कॉपियों में ही देना पड़ेगी। परीक्षार्थियों की कॉपियां चैक करते समय शिक्षकों को एक-एक नंबर का बारबार योग लगाना पड़ेगा। इसके बाद भी गलती निकली तो हर गलती पर सौ रुपए जुर्माना भरना होगा। शिक्षकों के लिए एक और बड़ी चुनौती होंगे अथवा वाले प्रश्न। छात्र ने यदि दोनों प्रश्नों के जवाब लिखे हैं तो शिक्षकों को बेहतर उत्तर छांटकर उसके ही नंबर देना होंगे। असल में यह सारी गाइड लाइन माध्यमिक शिक्षा मंडल ने 10-12वीं की उत्तरपुस्तिकाओं के मूल्यांकन के लिए तय की है। माशिमं की दोनों प्रमुख परीक्षाओं का मूल्यांकन होली के एक दिन पहले यानी 13 मार्च से शुरू किया जा रहा है। हालांकि अभी 10-12वीं की परीक्षाओं खत्म नहीं हुई हैं। होली के बाद भी परीक्षाएं चलती रहेंगी। मगर इक्कादुक्का पेपर ही होली के बाद बच रहे हैं। इसी बीच हर जिला मुख्यालय पर मूल्यांकन शुरू किया जा रहा है। इसके लिए जिलों में प्रशिक्षण भी शुरू कर दिया गया है। साथ ही सभी शिक्षकों की मूल्यांकन कार्य में ड्यूटी लगाई जा रही है। मंडल ने इस बार मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों के लिए कई नियम बनाए हैं और बदलाव भी किए हैं। इसके तहत शिक्षकों को सबसे अधिक ध्यान मूल्यांकन के बाद अंक तालिका भरने में रखना होगा। हर साल रिजल्ट के बाद हजारों बाद पुनर्गणना के लिए आवेदन करते हैं। इनमें से कुछ ने नंबर बढ़ भी जाते हैं, जिनके कारण मंडल को कई बार अदालती प्रकरणों का सामना भी करना पड़ता है। इससे बचने के लिए मंडल ने इस बार अंकों की गणना में हर गलती पर जुर्माने का प्रावधान किया है। यदि कोई शिक्षक अंकों के जोड़ में गलती करता है तो उसे प्रत्येक गलती के लिए सौ रुपए जुर्माना भरना होगा। प्रशिक्षणों में इसको विस्तार से समझाया भी जा रहा है। शिक्षकों को बताया जा रहा है कि वे कॉपी चेक करते समय योग त्रुटि का विशेष ध्यान रखें। यदि किसी को 45 नंबर आए और आपने गलती से उसके 40 नंबर ही चढ़ाए तो आपको 500 रुपए जुर्माना भरना होगा।

सीसीटीवी कैमरे रहेंगे तैनात, इतना मिलेगा मानदेय

माशिमं ने इस बार मूल्यांकन कार्य को लेकर भी कई बदलाव किए हैं। इस बार 10वीं कक्षा की एक कॉपी जांचने पर 13 रुपए और कक्षा 12वीं की कॉपी पर 15 रुपए मिलेंगे। इसके अलावा 9 किलोमीटर से अधिक दूरी से आने वाले शिक्षकों को 180 रुपए और इससे कम दूरी वालों को 100 रुपए डीए दिया जाएगा। एक शिक्षक को एक दिन में कम से कम 30 और ज्यादा से ज्यादा 45 कॉपियां जांचनी होंगी। पूरा मूल्यांकन कार्य सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में होगा। इसमें मूल्यांकन केंद्र अधीक्षक, सहायक अधीक्षक रेंडमली कॉपियां चैक करते रहेंगे। सभी केंद्रों पर मूल्यांकन की तैयारियां तेज कर दी गई हैं।

यहां छात्रों की गलती न मानें, उदारता दिखाएं

परीक्षा में अथवा के साथ पूछे जाने वाले प्रश्नों में कई छात्र चूक कर जाते हैं, वे दोनों प्रश्नों का जवाब लिख देते हैं। ऐसे में अभी तक शिक्षक केवल पहला प्रश्न ही चैक करते थे और दूसरे को काट देते थे। कई शिक्षक दोनों प्रश्न ही काट देते हैं। ऐसे प्रश्नों के मामले में माशिमं ने उदारतापूर्वक निर्णय लिया है। मूल्यांकन करने वाले शिक्षकों से कहा गया है कि ऐसे मामलों में दोनों प्रश्नों के जवाब पढ़ें। जिस प्रश्न का छात्र ने बेहतर ढंग से जवाब दिया हो अथवा हल किया हो, उसके नंबर दें। ताकि छात्र को उसकी मेहनत का पूरा लाभ मिल सके और उसके भविष्य में अड़चन न आए। इसके अलावा कोई भी प्रश्न मूल्यांकन से छूटना नहीं चाहिए।

हमें डराया जाएगा,पर हमें डटे रहना होगा

किसान कांग्रेस विधानसभा का करेगी घेराव

विशेष संवाददाता, भोपाल। कांग्रेस विधायक दल ने तय किया है कि विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सरकार की जनविरोधी नीतियों का जमकर विरोध किया जाएगा। सभी विधायक पूरी संख्या और ताकत के साथ सदन में सरकार का पुरजोर विरोध करेगी। बैठक में विधायकों से कहा गया कि उन्हें अलग-अलग तरीके से डराया जाएगा,लेकिन हम सभी पूरी ताकत से सदन में सरकार का डटकर सामना करेंगे। होटल अशोक में हुई कांग्रेस विधायक दल की बैठक में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी और प्रदेशाध्यक्ष जीतू पटवारी के अलावा दूसरे नेता मौजूद रहे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व हुई बैठक में विधायकों से तैयारियों के बारे में जानकारी ली गई। इस मौके पर तय किया गया कि सदन में मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा जनता को भिखारी कहने वाले मुद्दों को पूरी तैयारी के साथ उठाया जाएगा। वरिष्ठ विधायक बाला बच्चन ने कहा कि प्रदेश में मुद्दों की कमी नहीं है। प्रतिपक्ष किसानों, युवाओं, महिलाओं के मुद्दे उठाकर सरकार से जवाब मांगेंगे पर सरकार इन सभी विषयों पर सदन में चर्चा से बचना चाहती है, इसलिए सत्र की अवधि छोटी रखी है। बैठक में शामिल हुए हरीश चौधरी ने पत्रकारों से कहा कि बैठक में विधानसभा में उठाए जाने वाले मुद्दे तय किए जाएंगे।

कांग्रेस ने कहाः सुप्रीम कोर्ट से भाजपा बंद करा देगी लाड़ली बहना योजना

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता सज्जन सिंह वर्मा ने कहा है कि बिहार चुनाव के बाद भाजपा सरकार सुप्रीम कोर्ट के माध्यम से लाड़ली बहना योजना, किसान सम्मान निधि जैसी फ्री-बीज योजनाओं को बंद करा देगी। पीसीसी में किसान कांग्रेस द्वारा 10 मार्च को आयोजित विधानसभा घेराव को लेकर बुलाई गई पत्रकार वार्ता में वर्मा ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकारों ने हमेशा से ही जनता को साथ छलावा किया है। उन्होंने बताया कि किसानों के साथ छलावा किया जा रहा है। केन्द्र की मोदी सरकार की गारंटी पूरी न नहीं की जा रही है। वर्मा ने मंत्री प्रहलाद पटेल पर निशाना साधते हुए कहा कि पटेल को मैंने छिंदवाड़ा लोकसभा चुनाव में जनता से वोटो की भीख मांगते देखा है। अब जब मंत्री बन गए हैं तो प्रदेश की जनता भिखारी लगने लगी है। अगर प्रदेश की सरकार का स्वाभिमान जिंदा है तो मंत्रियों को अगले चुनाव में भिखारी बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बिजली कंपनी किसानों को लूटने का काम कर रही है। आम आदमी पर लाखों रुपए की पेनाल्टी लगाई है। सरकार को पेनाल्टी हटाकर मूल बिल ही जमा कराने चाहिए। उन्होंने कहा कि तुलाई केंद्र पर किसानों को ठगा जाता है, मॉनिटरिंग कमेटी बनाई जानी चाहिए।

दगाबाजों को निकाला जाएगा

इस मौके पर वर्मा ने कहा कि कांग्रेस के अंदर कई नेता ऐसे हैं जो भाजपा के बड़े नेताओं के साथ मिलकर गठजोड़ करते हैं। ऐसे लोग कांग्रेस के लिए घातक हैं। कांग्रेस के कई लोगों ने पिछले विधानसभा और लोकसभा चुनाव में आघात पहुंचाया है।कांग्रेस के पोर्टफोलियो में रहकर बीजेपी से हाथ मिलाकर अपने ही उम्मीदवारों को हराने की कोशिश की है। ऐसे लोगों की शिकायत मिली है। ऐसे लोग कांग्रेस के लिए घातक हैं। पूर्व मंत्री ने कहा कि ऐसे लोगों को तत्काल मीटिंग करके बाहर करना चाहिए। जो जगह खाली होगी, उसमें ईमानदार नेता की नियुक्ति होगी। जल्द ही अनुशासन समिति की बैठक बुलानी चाहिए। वर्मा ने कहा कि जिनके खिलाफ शिकायत मिली, वह पदाधिकारी बने हुए हैं। जो गंभीर शिकायत है, उन पर एक्शन लेना चाहिए। कोई भाईचारा-दोस्ती नहीं होनी चाहिए। कितना बड़ा भी नेता हो, उस पर कठोर कार्रवाई होनी चाहिए।

माधव टाइगर रिजर्व का आज सीएम करेंगे शुभारंभ

मुख्यमंत्री एक बाघ और एक बाघिन को टाइगर रिजर्व में छोड़ेंगे

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 10 मार्च को मध्यप्रदेश के 9वें टाइगर रिजर्व का शुभारंभ करेंगे। मुख्यमंत्री इस ऐतिहासिक अवसर पर एक बाघ एवं एक बाघिन को टाइगर रिजर्व में छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री टाइगर रिजर्व की 13 किमी लंबी पत्थर की सेफ्टी वॉल का भी उद्घाटन करेंगे। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का माधव राष्ट्रीय उद्यान को देश के 58वें और मप्र के 9वें टाइगर रिजर्व की सौगात प्रदान करने पर आभार जताया है। उन्होंने कहा कि टाइगर रिजर्व बनने से वन्य-जीव संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा और पर्यटन को नई ऊंचाई मिलेगी। यह मध्यप्रदेश को वन्य-जीव संरक्षण क्षेत्र में मिली एक बड़ी उपलब्धि है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माधव राष्ट्रीय उद्यान ऐतिहासिक और प्राकृतिक दृष्टि से बेहद समृद्ध है। टाइगर रिजर्व घोषित होने से वन्य-जीवों के संरक्षण के साझा प्रयासों को और अधिक मजबूती मिलेगी। शिवपुरी स्थित माधव नेशनल पार्क अब प्रदेश का 9वां टाइगर रिजर्व बन गया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट किया कि वन्य जीव प्रेमियों के लिए एक आश्चर्यजनक समाचार प्राप्त हुआ है। भारत वन्य जीव विविधता और वन्य जीवों के संरक्षण करने वाली संस्कृति से धन्य है। हम हमेशा हमारे वन्य प्राणियों की रक्षा करने और एक सतत् विकासशील ग्रह में जीवन कायम रखने में योगदान देने में सबसे आगे रहेंगे।

मंदिर के निर्माण स्थल का निरीक्षण

विसं, भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रविवार को मान्धाता पर्वत पर स्थापित आचार्य शंकराचार्य की 108 फ़ीट ऊंची बहुधातु की प्रतिमा के दर्शन करने एकात्म धाम पहुंचे। आगमन पर बटुकों ने मंत्रोच्चार के साथ मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया। डॉ. यादव ने आचार्य शंकराचार्य की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उन्हें प्रणाम किया। उन्होंने एकात्म धाम ओंकारेश्वर में बनने वाले शिव पंचायतन मंदिर के निर्माण स्थल का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने एकात्म धाम के चरणबद्ध विकास पर आधारित प्रेजेंटेशन भी देखा।

इंटरनेट पर अस्पताल का नंबर ढूंढा तो ठग को लगा, 47 हजार की ठगी

जागरण, जबलपुर। इंटरनेट पर डॉक्टर का नंबर ढूंढकर अपाइनमेंट ले रहें हैं तो थोड़ा सतर्क हो जाएं क्योंकि आप इस चक्कर में ठगी का शिकार हो सकते हैं। ऐसा ही एक मामला जबलपुर में सामने आया है। एक युवक ने अपनी मां के इलाज के लिए अस्पताल का नंबर ढूंढकर लगाया तो अस्पताल की जगह उसका संपर्क ठग से हो गया। ठग ने अपॉइंटमेंट के नाम पर लिंक भेजा और युवक के खाते से 46 हजार 999 रुपए कट गए। पीड़ित युवक की शिकायत के बाद अधारताल पुलिस जांच कर रही है। पुलिस के अनुसार गलगला चौक निवासी आशीष कुमार गुप्ता की मां बीमार थीं। आशीष ने मां को निजी अस्पताल में दिखाने के लिए इंटरनेट के माध्यम से अच्छे अस्पताल की तलाश की। इसके बाद तीन मार्च को एक अस्पताल का संपर्क नंबर प्राप्त हुआ। संबंधित नंबर पर युवक ने फोन किया तो बात करने वाले ने अपॉइंटमेंट के लिए 10 हजार रुपए शुल्क होने की जानकारी दी। आशीष के सहमति देने पर बातचीत के दौरान ही उसके फोन पर एक लिंक भेजा, जिसमें विवरण भरने कहा। उसने लिंक खोला तो फोन हैंग होने लगा। संदेह होने पर उसने तुरंत लिंक को बंद किया और फोन काट दिया। कुछ देर बाद आशीष के फोन पर एक संदेश आया, जिसमें सात मार्च को सुबह 11 बजे अपॉइंटमेंट होने की जानकारी थी।

विरोध | सीएम और सीएस को सौंपेंगे ज्ञापन, मांग पूरी नहीं हुईं तो करेंगे आंदोलन

कर्मचारियों की हो रही उपेक्षा पर उठाई जाएगी आवाज

एजुकेशन रिपोर्टर, भोपाल। मध्य प्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री जितेन्द्र सिंह ने राज्य सरकार पर कर्मचारियों की अनदेखी करने और उनकी समस्याओं का निराकरण नहीं करने का आरोप लगाया है। अधिकारियों पर कर्मचारी संगठन द्वारा उठाए गए महत्वपूर्ण मुद्दों को ठंडे बस्ते में डालने का आरोप लगाया है। प्रदेश महामंत्री सिंह ने कहा है कि मप्र शासन द्वारा शासकीय सेवकों की सेवा शर्तों एवं वेतनमान की विसंगतियों के निराकरण के लिए गठित कर्मचारी आयोग का कार्यकाल 31 मार्च 2025 तक पांच वर्ष के लिए बार-बार बढ़ाया गया। आयोग का कार्यकाल तो बढ़ा दिया गया, लेकिन आयोग कहां काम कर रहा है, अध्यक्ष कहां बैठता है, कर्मचारी जगत आज भी गूगल पर आयोग के अध्यक्ष को खोज रहा है। 5 वर्ष बीत गए। आयोग द्वारा न तो कर्मचारी संगठनों से कोई आवेदन लिया गया और न ही कोई संवाद किया गया। 4 जनवरी 2020 को मंत्रिपरिषद ने प्रदेश के सेवारत एवं सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य बीमा योजना लागू करने का निर्णय लिया था। पांच वर्ष बीत जाने के बाद भी प्रदेश के सेवारत एवं सेवानिवृत्त कर्मचारियों को मंत्रिपरिषद के निर्णय का लाभ नहीं मिल पाया है।

सीएम को ज्ञापन

प्रदेश प्रवक्ता अनिल भार्गव वायु का कहना है कि उपरोक्त समस्याएं अभी भी जस की तस बनी हुई हैं। मप्र राच्य कर्मचारी संघ ने उपरोक्त मांगों के निराकरण के लिए कई बार आंदोलन किया तथा मुख्यमंत्री, मुख्य सचिव को बार-बार पत्र लिखकर चर्चा के लिए समय भी मांगा, लेकिन सरकार की ओर से कोई सकारात्मक पहल नहीं की गई। संघ 11 मार्च को मंत्रालय के सामने प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री व मुख्य सचिव को मांगों का ज्ञापन सौंपेगा। समस्याओं का निराकरण नहीं होने पर प्रदेश में आंदोलन किया जाएगा।

कर्मचारियों की समस्या और मांगें

- प्रदेश सरकार द्वारा अभी तक तीन प्रतिशत महंगाई भत्ता केंद्र की तुलना में काम दिया जा रहा है।
- वर्ष 2016 से पदोन्नति बंद है, जिससे विभागों का संघीय ढांचा प्रभावित हो रहा है। अधिकारियों/ कर्मचारियों के सेवानिवृत्त लगातार बढ़ने से कर्मचारियों पर कार्य का बोझ बढ़ रहा है। निम्न पद पर रहकर वरिष्ठ पदों पर प्रभारी के रूप में कार्य किया जा रहा है, अनेक विभागों के मुखिया तो संविदा पर कार्य कर रहे हैं। जिससे विभागों की कार्य क्षमता प्रभावित हो रही है।
- आज 9 वर्ष हुए सातवें वेतनमान के लागू होने के बाद भी सातवें वेतनमान के अनुसार गृह भाड़ा भत्ता एवं अन्य भत्ते पुनरीक्षित नहीं किए गए हैं।
- पुरानी पेंशन जैसे मुद्दे का सरकार के द्वारा कोई हल नहीं निकल गया जिससे कर्मचारी-एनपीएस पर ही सेवानिवृत्ति होना प्रारंभ हो गए हैं और पुरानी पेंशन लागू किए जाने की बाट जोह रहा है।
- मध्य प्रदेश शासन के निर्णय अनुसार समस्त कर्मचारियों को चौथा समय मान वेतनमान का लाभ दिया गया है, पर शिक्षा विभाग के शिक्षकों को चौथा समयमान वेतनमान के आदेश आज तक नहीं किए गए हैं ।
- स्थाई कर्मियों को सातवें वेतनमान का लाभ नहीं मिल पाया है।
- अध्यापकों को वरिष्ठता का लाभ नहीं दिया जा रहा है।
- प्रदेश में कई विभागों में हजारों अनुकंपा नियुक्ति लंबित है सीपीसीटी/ डीएड/ टीजीटी परीक्षा का वास्ता देकर प्रदेश में अनुकंपा नियुक्तियों को रोका जा रहा है।
- नियमित पदों को समाप्त कर संविदा और आउटसोर्सिंग में बदला जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जम्मूः नवजात मृत्यु दर में 13.3 अंकों की कमी

जम्मू। जम्मू कश्मीर में नवजात मृत्यु दर (एनएमआर) प्रति 1,000 जन्म पर 9.8 पर पहुंच गई है, जो 13.3 अंकों की कमी है, जबकि जन्म के समय लिंग अनुपात में सुधार दर्ज किया गया है जो 923 से 976 हो गया है। जम्मू कश्मीर सरकार द्वारा ६ मार्च को विधानसभा में पेश 2024-25 आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, शिशु मृत्यु दर भी घटकर 16.3 हो गई, जो 16.1 अंकों की गिरावट है। नीति आयोग द्वारा जारी एसडीजी भारत सूचकांक 2023-24 के अनुसार, जम्मू और कश्मीर प्रदर्शन करने वाला की श्रेणी से आगे बढ़कर अग्रणी की श्रेणी में आ गया है, जिसमें स्वास्थ्य क्षेत्र का स्कोर 70 से बढ़कर 78 हो गया है।

शाहरुख, अजय और टाइगर कोर्ट में तलब

जयपुर, जेएनएन। बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को जयपुर कंज्यूमर कोर्ट ने तलब किया है। कोर्ट ने विमल पान मसाला बनाने वाली कंपनी जेबी इंडस्ट्रीज के चेयरमैन विमल कुमार अग्रवाल को भी तलब किया है। इस पान मसाले के एड में केसर होने का दावा किया जाता है। कोर्ट ने विज्ञापन करने वाले तीनों अभिनेताओं और कंपनी के मालिक से कहा है कि वे साबित करें कि पान मसाले में केसर है। जयपुर के एक वकील की शिकायत पर यह नोटिस जारी किया गया है। कंज्यूमर कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई पांच मार्च को की थी। सुनवाई की अगली तारीख 19 मार्च है। कोर्ट ने कहा है कि यदि आप लोग व्यक्तिगत रूप से या अपने अधिकृत प्रतिनिधि के माध्यम से उपस्थित होने में विफल रहते हैं, तो एकपक्षीय निर्णय लिया जाएगा।

टनल हादसाः 16वें दिन एक शव मिला

नागरकुर्नूल, जेएनएन। तेलंगाना टनल हादसे के 16वें दिन रेस्क्यू टीम को पहला शव मिला है। बॉडी मशीन में फंसी हुई है। शव निकालने के लिए मशीन को काटने का काम जारी है। 7 मार्च को स्निफर डॉग्स (खोजी कुत्ते) को टनल में ले जाया गया था। रेस्क्यू ऑफिसर ने बताया कि मशीन में फंसे शव के केवल हाथ दिखाई दे रहे थे। बीते दिन राज्य के सिंचाई मंत्री उत्तम कुमार रेड्डी ने बताया था कि खोजी कुत्तों ने खास जगह पर तेज गंध का पता लगाया है। पता चला है कि वहां तीन लोग मौजूद हैं। इसके बाद वहां पर जमा मलबा हटाया जा रहा था। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि शव उसी जगह मिला है या किसी अन्य जगह। बचाव अभियान में तेजी लाने के लिए रोबोट का भी इस्तेमाल किया जा रहा है। मजदूरों की तलाश में 525 कर्मी लग हुए हैं। राज्य के नागरकुर्नूल में श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल का एक हिस्सा 22 फरवरी को धंस गया था।

कुलभूषण को अगवा कराने वाला मुफ्ती ढेर

क्वेटा, जेएनएन। भारतीय नौसेना के पूर्व अधिकारी कुलभूषण जाधव को अगवा कराने में मदद करने वाले मुफ्ती शाह मीर की पाकिस्तान के बलूचिस्तान में मौत हो गई है। उसे बंदूकधारियों ने गोली मार दी। मुफ्ती मीर ने ईरान से कुलभूषण जाधव को अगवा करने में पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई की मदद की थी। शुक्रवार रात नमाज के बाद वह मस्जिद से बाहर निकल रहा था, तभी बाइक सवार हमलावरों ने घात लगाकर उस पर हमला कर दिया और कई गोली मारी। गोली लगने के बाद उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। ह्यूमन ट्रैफिकिंग (मानव तस्करी), हथियारों की तस्करी में शामिल मुफ्ती मीर इस्लामिक कट्टरपंथी पार्टी जमीयत उलेमा-ए-इस्लाम का मेंबर था।

लॉन्ग आईलैंड के जंगलों में आग लगी

गवर्नर कैथी ने इमरजेंसी का ऐलान किया

न्यूयार्क। न्यूयॉर्क के लॉन्ग आइलैंड में कई जंगल आग की चपेट में हैं। आग के चलते घना धुआं फैल गया है, जिससे एक नेशनल हाईवे बंद हो गया है और इलाके के एक मिलिट्री बेस को खाली कराया गया है। ये आग केमिकल फैक्ट्री और एक अमेजन वेयरहाउस तक पहुंचने का खतरा है। इसके चलते गवर्नर कैथी होचुल ने इमरजेंसी का ऐलान कर दिया है।

किल के हीरो लक्ष्य को मिला बेस्ट डेब्यू एक्टर का अवार्ड

जयपुर, जेएनएन। जयपुर में रविवार 9 मार्च को आयोजित आईफा अवॉर्ड्स का 25वें अवार्डस का ऐलान किया गया। इससे पहले कार्तिक आर्यन करीना कपूर, करन जौहर जैसे स्टार ने परफॉरमेंस से समां बांध दिया। वह बॉलीवुड के नए धमाकेदार एक्शन हीरो हैं। नेक्सा आइफा अवॉर्ड्स में लक्ष्य लालवानी को उनकी फिल्म किल के लिए बेस्ट डेब्यू (पुरुष) का अवॉर्ड मिला। एक्शन राफे महमूद आईएससी ने नेक्सा आईफा अवार्ड्स में किल के लिए सिनेमैटोग्राफी के लिए पुरस्कार जीता है। वहीं लापता लेडीज प्रतिभा रांटा ने नेक्सा आईफा अवार्ड्स में सर्वश्रेष्ठ डेब्यू (महिला) का पुरस्कार जीता है। वहीं लापता लेडीज के म्यूजिक डायरेक्टर राम संपत को नेक्सा आईफा अवार्ड्स में संगीत निर्देशन के लिए पुरस्कार मिला है। सजनी गाने क बोल लिखने के लिए प्रशांत पांडे को अवार्ड्स में बेस्ट गीतकार का अवार्ड दिया गया। लापता लेडीज के लिए ही बेस्ट एडीटिंग का पुरस्कार जबीन मर्चेंट को दिया गया।

जुबिन नौटियाल और श्रेया घोषाल को मिले अवॉर्ड

दुआ गाने के लिए जुबिन नौटियाल को बेस्ट प्लेबैक सिंगर का अवॉर्ड मिला है। वहीं श्रेया घोषाल को मेरे ढोलना के लिए अवॉर्ड दिया गयाहै। ये फीमेल सिंगर का 10वां आईफा अवॉर्ड है। आइफा 2025 के मंच पर शाहरुख खान ने बेहद धमाकेदार अंदाज में एंट्री की। ऑल ब्लैक लुक में सुपरस्टार बेहद हैंडसम लग रहे थे।

सेना और पूर्व राष्ट्रपति असद समर्थकों में झड़प

सीरिया में हिंसा से 2 दिन में एक हजार से ज्यादा मौतें

अल्पसंख्यक अलावी समुदाय के लोगों को फांसी पर चढ़ाया

दमिश्क, जेएनएन। सीरिया के लताकिया और टार्टस में बीते कई दिनों से सेना और पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद के समर्थकों के बीच झड़प जारी है। इस हिंसा से 2 दिन में 1000 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई है। मौतों का यह आंकड़ा 2011 में सीरियाई गृह युद्ध के बाद सबसे ज्यादा है। सीरिया में युद्ध पर नजर रखने वाली संस्था सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स मुताबिक पिछले दो दिनों में सुरक्षाबलों ने अलावी मुस्लिम समुदाय के 745 से ज्यादा लोगों की हत्या कर दी। इनमें से ज्यादातर को फांसी दी गई है। असद समर्थक 148 लड़ाके भी मारे गए हैं। इस हिंसा में सुरक्षा बलों के 125 जवानों की भी मौत हुई है। पिछले साल दिसंबर में तख्तापलट होने के बाद बशर देश छोड़कर रूस भाग गए थे। इसके बाद सीरिया की सत्ता पर उग्रवादी संगठन हयात तहरीर अल-शाम (एचटीएस) का कब्जा हो गया।

दावा-असद समर्थकों ने सुरक्षा बलों पर पहले हमला किया

सीरिया सरकार का कहना है कि असद के वफादार लड़ाकों ने सुरक्षा बलों पर हमला किया, जिससे हिंसा शुरू हुई। वहीं, असर के लड़ाकों ने सुरक्षाबलों पर रिहाइशी इलाकों पर बमबारी करने का आरोप लगाया। रिपोर्ट्स के मुताबिक झड़प तब शुरू हुई, जब सुरक्षा बलों ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार करने की कोशिश की। इसके बाद सरकार ने लताकिया और टार्टस में भारी संख्या में सेना की तैनाती की है। कर्फ्यू लगाने का भी आदेश दिया है। लताकिया और टार्टस प्रांतों में हिंसा ने अबू मोहम्मद अल-जुलानी के नेतृत्व वाली सरकार के लिए चुनौती खड़ी कर दी है। ये इलाके अल्वी समुदाय के गढ़ हैं, जो पूर्व राष्ट्रपति बशर के प्रति वफादार रहे हैं। सीरिया में बीते साल दिसंबर में बशर अल असद को सत्ता से हटाए के बाद ये सबसे भीषण हिंसक झड़प है।

कार्यबल में तेजी से बढ़ रहीं महिलाएं

नई दिल्ली, जेएनएन। भारत ने पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं की कार्यबल भागीदारी बढ़ाई है। इसका प्रमुख कारण अवैतनिक घरेलू कामों में रुझान कम होना है। हालांकि, चुनौतियां कम नहीं हैं। महिलाएं नेतृत्व की भूमिकाओं में कम प्रतिनिधित्व करती हैं और पुरुषों की तुलना में काफी कम कमाती हैं। कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी में 15-59 वर्ष की आयु के लोगों के बीच वृद्धि देखी गई है। यह बदलाव आंशिक रूप से अवैतनिक घरेलू कर्तव्यों पर खर्च किए गए समय में कमी के कारण है। आंकड़े बताते हैं कि महिलाएं अब घरेलू जिम्मेदारियों पर कम घंटे बिता रही हैं, जिससे अधिक आर्थिक भागीदारी हो रही है। अवैतनिक घरेलू कामों में कमी ने महिलाओं की कार्यबल भागीदारी में वृद्धि में भूमिका निभाई है। घरेलू कार्यों में महिलाओं द्वारा बिताया जाने वाला औसत समय कम हो गया है, जिससे आर्थिक गतिविधियों के लिए अधिक समय मिल रहा है। हालांकि, देखभाल की जम्मिेदारियां एक महत्वपूर्ण बोझ बनी हुई हैं। रोजगार के पैटर्न में बदलाव के बावजूद देखभाल का काम मुख्य रूप से महिलाओं द्वारा किया जाता है।

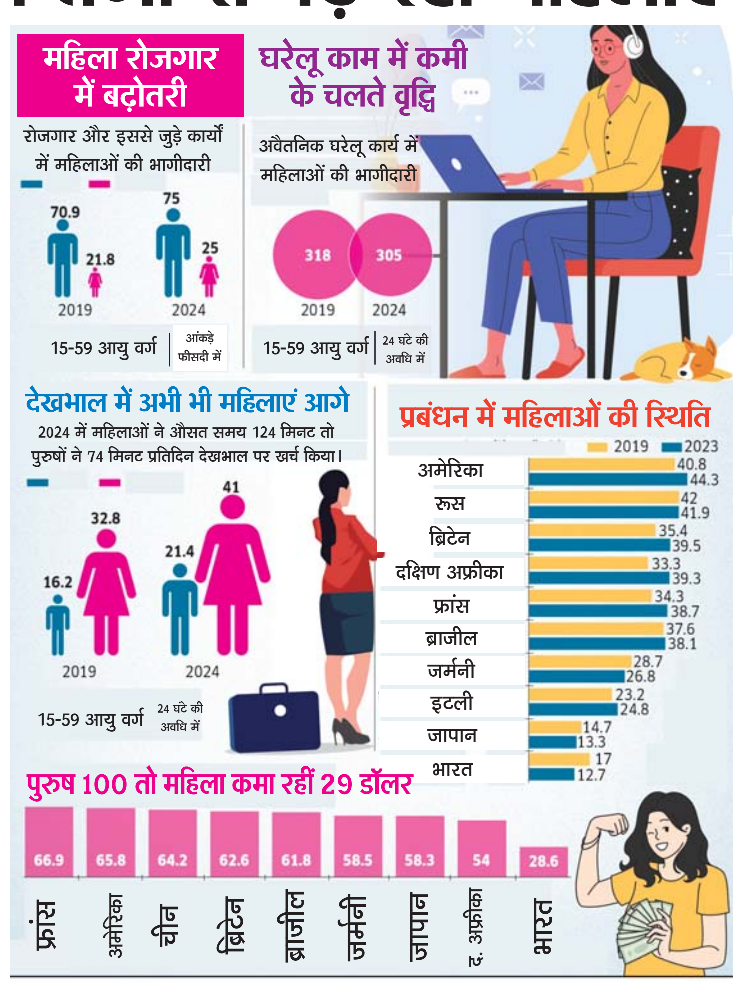

जम्मू-कश्मीर में सियासत गरमाई

श्रीलंका के मुरलीधरन को फ्री में दी 26 एकड़ जमीन

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के मंत्री जावेद अहमद डार ने कहा कि सरकार को इस बारे में कोई जानकारी नहीं है कि एक पूर्व श्रीलंकाई क्रिकेटर को केंद्र शासित प्रदेश में इंडस्ट्रीज लगाने के लिए फ्री में जमीन दी गई है। उन्होंने यकीन दिलाया कि मामले की जांच की जाएगी। यह बयान विधानसभा में प्रश्नकाल के दौरान तब आया, जब माकपा विधायक एमवाई तारिगामी और कांग्रेस नेता जीए मीर ने इस मुद्दे पर चिंता जताई। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर मुथैया मुरलीधरन की कंपनी सीलोन बेवरेजेस को जम्मू-कश्मीर के कठुआ जिले में 1600 करोड़ रुपये की परियोजना के लिए 25.75 एकड़ जमीन अलॉट की गई है, इस परियोजना के तहत बोतल भराई और एल्यूमीनियम केन निर्माण का काम किया जाएगा। विपक्षी नेताओं की तरफ आवाज उठने के बाद मंत्री ने कहा कि यह मामला राजस्व विभाग से जुड़ा है और सरकार को इस संबंध में कोई जानकारी नहीं है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि सही जानकारी जुटाने के लिए जांच की जाएगी। विधानसभा में इस मुद्दे पर चर्चा के दौरान, विधायक तारिगामी ने बिना किसी का नाम लिए इस बात पर सवाल उठाया कि किसी गैर-भारतीय शख्स को मुफ्त में जमीन कैसे दी गई?

सुहागरात पर दूल्हा-दुल्हन की मौत

कमरे में मिले दंपति के शव पत्नी बेड पर, पति फंदे पर

अयोध्या, जेएनएन। अयोध्या में सुहागरात पर दुल्हन और दूल्हे की मौत हो गई। पत्नी का शव कमरे में बेड पर था, जबकि पति पंखे पर लटका हुआ था। रविवार सुबह 7 बजे तक दोनों सोकर नहीं उठे तो घरवाले जगाने पहुंचे। कमरा अंदर से बंद था। घरवालों ने दरवाजा खटखटाया, लेकिन कोई रिस्पॉन्स नहीं आया। इसके बाद घरवालों ने कमरे का दरवाजा तोड़ा। अंदर देखा तो होश उड़ गए। दूल्हे को फंदे से उतारा और दोनों को अस्पताल ले गए। वहां डॉक्टर ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। रविवार शाम दोनों को एक ही चिता पर रखकर अंतिम संस्कार कर दिया गया। 7 मार्च यानी शुक्रवार को दूल्हे प्रदीप की शादी हुई थी। शनिवार सुबह दुल्हन शिवानी विदा होकर घर आई थी। रविवार यानी आज उनका रिसेप्शन था, जिसकी तैयारियां चल रही थीं। मामला कैंट के सहादतगंज मुरावन टोला का है। बेटे और बहू की मौत पर मां रोते-रोते बेसुध हो गई। दूल्हे के भाई दीपक कुमार का कहना है, एक साल पहले रिश्ता तय हुआ था, कोई समस्या नहीं थी। शुक्रवार शाम को हम लोग डीली सरैया बारात लेकर पहुंचे। भाई बहुत खुश था। धूमधाम के साथ शादी हुई।

राजाभैया पर पत्नी का आरोप

भानवी ने कहा, राजा भैया से मेरी जान को खतरा

नई दिल्ली, जेएनएन। दिल्ली के सफदरजंग एन्क्लेव थाने में उप्र के नेता रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया के खिलाफ पत्नी ने केस दर्ज कराया है। उन्होंने राजाभैया के खिलाफ कई गंभीर आरोप लगाए हैं। 18 पेज की एफआईआर सामने आई है, जिसमें पत्नी ने साली से अवैध संबंध, प्रताड़ना जैसे कई गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने जान को खतरा भी बताया है। भानवी सिंह ने शिकायत में कहा है कि उनके पति रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजाभैया सालों से उन्हें मानसिक और शारीरिक तौर पर प्रताड़ित कर रहे हैं। उन्होंने उनके साथ इस कदर मारपीट की है कि उनके शरीर के कई अंगों को नुकसान पहुंचा है, जिससे उन्हें जान का खतरा है। उन्होंने कहा कि पहले रघुराज प्रताप सिंह के खिलाफ महिला आयोग और डीएएलएसए शिकायत दी गई थी, लेकिन मुझे लगातार प्रताड़ित किए जाने से और हाल ही में आई मेरी मेडिकल रिपोर्ट्स से मैं और परेशान हो गई हूं। उन्होंने प्रोटेक्शन की मांग करते हुए राजाभैया के खिलाफ कई आरोप लगाए हैं।

एनसीपी शरद की महिला विंग ने राष्ट्रपति को लिखा पत्र

महिलाओं को एक हत्या की छूट दी जाएः खडसे

मुंबई, जेएनएन। एनसीपी (शरद पवार) की महिला विंग ने शनिवार को राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को पत्र लिखा। इसमें मांग की है कि महिलाओं को एक हत्या करने की छूट दी जाए, क्योंकि महिलाएं दमनकारी-बलात्कारी मानसिकता को खत्म करना चाहती हैं। विंग की अध्यक्ष रोहिणी खडसे ने कहा, हम महिलाओं की ओर से एक हत्या करने की छूट (सजा से) की मांग कर रहे हैं। सर्वे रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा, भारत महिलाओं के लिए सबसे असुरक्षित देश है, क्योंकि उनके खिलाफ अपहरण और घरेलू हिंसा जैस कई अपराध हो रहे हैं। हाल ही में मुंबई में 12 साल की बच्ची का रेप हुआ था। उसी घटना को लेकर एनसीपी ने यह मांग की है। रोहिणी महाराष्ट्र के एनसीपी नेता एकनाथ खडसे की बेटी हैं।

मंत्री बोले-खडसे बताएं किसकी हत्या करेंगी

रोहिणी खडसे की मांग पर शिवसेना के मंत्री गुलाबराव पाटिल ने कहा, खडसे को बताना चाहिए कि वह किसकी हत्या करेंगी। वहीं, एमएलसी मनीषा कायंडे ने कहा, खडसे शायद कुछ लोगों में कुछ प्रवृत्तियों को मारने की बात कर रही हैं। उन्होंने कहा, यह भावना हाल की घटनाओं से उपजी होगी। मार्च को सामने आया था कि जलगांव के मुक्ताई नगर में कुछ लड़कों ने केंद्रीय मंत्री रक्षा खडसे की बेटी और उसकी सहेलियों से छेड़खानी की थी। रक्षा एकनाथ खडसे की बहू हैं। मामले में रक्षा ने खुद केस दर्ज कराया था। मांग थी कि पुलिस छेड़छाड़ करने वालों को गिरफ्तार करे।

वर्क बैलेंस 90 घंटे काम की वकालत के बीच डब्ल्यूएचओ की पूर्व वैज्ञानिक का अहम बयान

जब शरीर कहे, आराम करना चाहिए..

नई दिल्ली, जेएनएन। एक तरफ जहां हफ्ते में 90-90 घंटे काम करने की वकालत हो रही है, वहीं दूसरी तरफ पूर्व डब्ल्यूएचओ प्रमुख वैज्ञानिक और स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाहकार सौम्या स्वामीनाथन का कहना है कि लोगों को अपने शरीर बात की सुननी चाहिए और जब शरीर कहे, तब आराम करना चाहिए. सौम्या ने कहा है लंबे समय तक बिना रुके काम करने से थकावट और कार्यक्षमता में कमी आ सकती है। स्वामीनाथन से जब लंबे समय तक काम करने के प्रभावों के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, मैं कई ऐसे लोगों को जानती हूं, जो बहुत मेहनत करते हैं। यह एक व्यक्तिगत चीज है और आपका शरीर आपको बताता है कि कब आप थक गए हैं। ऐसे में आपको अपने शरीर की सुननी चाहिए। आप कुछ महीनों तक बहुत मेहनत कर सकते हैं, जैसे कि हमने कोविड-19 के दौरान किया था, लेकिन क्या हम इसे सालों तक जारी रख सकते थे? मुझे नहीं लगता।

घंटे नहीं, क्वॉलिटी मायने रखती है

उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि सिर्फ काम के घंटे बढ़ाने से कुछ नहीं होगा, बल्कि काम की क्वालिटी मायने रखती है। उन्होंने कहा, आप 12 घंटे अपनी टेबल पर बैठ सकते हैं, लेकिन हो सकता है कि 8 घंटे के बाद आपका काम उतना प्रभावी न हो।

सुब्रह्मण्यन ने क्या कहा था?

हाल ही में एलएंडटी के चेयरमैन एसएन सुब्रह्मण्यन ने कहा था कि कर्मचारियों को हफ्ते में 90 घंटे काम करना चाहिए, जिसमें रविवार भी शामिल हो। इंफोसिस के सह-संस्थापक नारायण मूर्ति ने 70 घंटे के वर्कवीक की वकालत की थी।

ब्रेक लेना जरूरी

उन्होंने बताया कि महामारी के दौरान डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों ने लगातार काम किया, कम सोए और बहुत तनाव में रहे, इससे कई लोग थक गए और कुछ ने पेशा भी छोड़ दिया। उन्होंने कहा, कुछ समय के लिए ऐसा किया जा सकता है, लेकिन यह लंबे समय तक संभव नहीं है। स्वामीनाथन ने मानसिक सेहत और आराम की जरूरत को भी महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा, इंसानी शरीर को नींद की जरूरत होती है और मानसिक रूप से भी ब्रेक लेना जरूरी है ताकि आप प्रोडक्टिव बने रहें और आपकी सोचने की क्षमता बनी रहे।

अर्थव्यवस्था के लिए भी जरूरी

इस महीने नीति आयोग के पूर्व सीईओ अमिताभ कांत ने कहा कि भारत को 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए लोगों को कड़ी मेहनत करनी होगी। उन्होंने कहा, मैं मेहनत में विश्वास करता हूं। भारतीयों को 80 या 90 घंटे काम करना चाहिए। 4 ट्रिलियन से 30 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था मनोरंजन या फिल्म सितारों के विचारों का पालन करके नहीं बनाई जा सकती। हालांकि, पिछले महीने संसद में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार राज्य मंत्री शोभा करंदलाजे ने साफ किया कि सरकार काम के घंटों को 70 या 90 घंटे प्रति सप्ताह करने का कोई प्रस्ताव नहीं ला रही है।

पुतिन की सेना ने एक और शहर जीता

कीव/मॉस्को। रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से चल रही भीषण जंग को रोकने यूरोप से लेकर अमेरिका तक मंथन कर रहे हैं। दूसरी ओर रूस का यूक्रेन पर हमला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। अमेरिका द्वारा सभी सैन्य सहायता वापस लेने के बाद यूक्रेन युद्ध के मैदान में लड़खड़ाना शुरू हो गया है। रूसी सेना सिर्फ यूक्रेन को दहला ही नहीं रही, यूक्रेनी शहरों पर कब्जा भी कर रही है। रूस ने रविवार को दावा किया कि उसने अपने कुर्स्क क्षेत्र के एक हिस्से के अलावा यूक्रेन के एक शहर पर भी कब्जा कर लिया है। रूसी रक्षा मंत्रालय का यूक्रेनी शहर पर कब्जे का दावा हाल ही में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस बयान के संदर्भ में समझा जा रहा है, जिसमें ट्रंप ने यूक्रेनी प्रेजिडेंट वोलोदिमीर जेलेंस्की से मुलाकात के दौरान कहा था कि आप पुतिन से हार रहे हैं।

अमेरिकी मदद के बिना यूक्रेन लड़खड़ाया

ट्रंप का कहना था कि यूक्रेन बिना अमेरिकी मदद के ज्यादा दिन रूस का सामना नहीं कर पाएगा। यहां यह भी बताना जरूरी है कि अमेरिका यूक्रेन को सभी प्रकार की सैन्य सहायता रोक चुका है।

रूस ने क्या दावा किया

रूस ने दावा किया है कि उसकी सेना ने यूक्रेन के सुमी क्षेत्र में एक गांव पर कब्जा कर लिया है। यह कार्रवाई सीमा पार हमले के तहत की गई, जबकि रूसी सैनिक खुद कुर्स्क क्षेत्र में यूक्रेनी बलों से लड़ रहे हैं। रूसी रक्षा मंत्रालय ने आधिकारिक बयान में कहा कि उसकी सेना ने सुमी क्षेत्र के नोवेनके गांव को मुक्त कर दिया है। यह गांव कुर्स्क क्षेत्र की सीमा के पास स्थित है। इससे यह स्पष्ट है कि रूस ने अब यूक्रेन के उत्तरी इलाकों में सैन्य कार्रवाई तेज कर दी है। दोनों देशों के बीच जारी संघर्ष में यह एक नई और महत्वपूर्ण स्थिति बन गई है।

डीजे बंद करने को कहा तो किया हमला, जान बचाकर भागा बुजुर्ग

जागरण, ग्वालियर। शहर में देर रात चल रही बर्थडे पार्टी में बज रहे डीजे को बंद कराना एक बुजुर्ग को महंगा पड़ गया। जब बुजुर्ग ने डीजे बंद करने के लिए कहा तो नाराज 4 युवकों ने उन पर हमला कर दिया और बुजुर्ग अपनी जान बचाकर भागे तो हमलावर भी उनके पीछे-पीछे घर तक पहुंचे। इसके बाद घर पर पथराव कर दिया, जिससे बुजुर्ग के घर की खिड़कियां और नीचे खड़ी कार के कांच टूट गए। 15 मिनट तक उत्पात मचाने के बाद बाइक सवार बदमाश भाग गए। पूरी घटना का एक सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। यह घटना शनिवार रात रंगियाना मोहल्ला की है। दरअसल रानीपुरा-रंगियाना मोहल्ला में रहने वाले राकेश बहादुर सिंह भदौरिया (63) शनिवार रात अपने घर में सो रहे थे। तभी रात 1 बजे उनके पड़ोस में रहने वाले रिश्ते के भतीजे अंकित भदौरिया के घर पर बर्थडे पार्टी में तेज आवाज में डीजे बज रहा था। शोर उनसे सहन नहीं हुआ तो वह अंकित के घर पहुंचे और डीजे बंद करने को कहा। इस पर अंकित, लल्ला उर्फ प्रदीप और उसके दो अन्य साथियों ने राकेश से विवाद किया। सभी मारपीट पर आ गए, जिससे घबराकर वह अपनी जान बचाकर भागे। तब आरोपी भी उनके पीछे-पीछे उनके घर पहुंच गए और तोड़फोड़ की। राकेश के घर के बाहर सीसीटीवी लगा है, जिसमें हमलावर कैद हो गए। सीसीटीवी फुटेज में दिख रहा है कि बाइक पर सवार दो युवक आए और पत्थर फेंकने लगे। फिर दो लोग और आए, जिन्होंने राकेश के घर के बाहर रखी कार पर पत्थर मारे, जिससे खिड़कियों के कांच टूट गए।

संक्षिप्त समाचार

एनसीएलएटी के आदेश के खिलाफ याचिकाएं खारिज

नयी दिल्ली, जेएनएन। अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी ने डंकन इंडस्ट्रीज की समाधान योजना को मंजूरी देने वाले एनसीएलटी के आदेश के खिलाफ याचिकाओं खारिज कर दिया है। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) ने यह भी स्पष्ट किया कि डंकन इंडस्ट्रीज की समाधान योजना को मंजूरी देते समय, एनसीएलटी ने चाय बागानों के पट्टों के नवीनीकरण के संबंध में कोई टिप्पणी नहीं की है। राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) की कोलकाता पीठ ने 18 अक्टूबर, 2024 को यूनिग्लोबल पेपर्स द्वारा दायर समाधान योजना को मंजूरी दी थी। इसे मेरिको एग्रो इंडस्ट्रीज और नागरी फार्म टी कंपनी ने अपीलीय न्यायाधिकरण के समक्ष चुनौती दी थी। समाधान योजना को मंजूरी देते समय, एनसीएलटी ने अपने आदेश में सफल बोलीदाता यूनिग्लोबल पेपर्स को पट्टों के नवीनीकरण के लिए आवेदन करने और यदि मंजूरी मिलती है तो कब्जा लेने के लिए कहा था। आदेश के इस भाग को मेरिको एग्रो इंडस्ट्रीज, सम्मेलन टी एंड बेवरेजेज और नागरी फार्म टी कंपनी ने अपीलीय न्यायाधिकरण एनसीएलएटी के समक्ष अपील दायर करके चुनौती दी थी। एनसीएलएटी की तीन सदस्यीय पीठ ने याचिकाओं को खारिज कर दिया, लेकिन स्पष्ट किया कि पट्टों के नवीनीकरण का सवाल पश्चिम बंगाल राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र में है। एनसीएलएटी पीठ ने कहा कि एनसीएलटी के आदेश को पट्टों के नवीनीकरण के संबंध में किसी राय के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।

बाजार में उतार-चढ़ाव, अपकमिंग आईपीओ पर रहेगी बाजार की नजर

नई दिल्ली, जेएनएन। शेयर बाजार में इस हफ्ते उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है। इन्फ्लेशन डेटा, आईआईपी डेटा, ग्लोबल सेंटीमेंट्स, एफआईआई-डीआईआई फ्लो और अपकमिंग आपीओ पर बाजार की नजर रहेगी। कंज्यूमर प्राइस इंडेक्स इन्फ्लेशन यानी महंगाई के आंकड़ों और इंडेक्स ऑफ इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन के डेटा पर भी बाजार की नजर रहेगी। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के अनुसार, फूड इन्फ्लेशन जून 2023 के बाद पहली बार 5 प्रतिशत से नीचे आने की संभावना है। बैंक ने यह भी कहा कि भारत की रिटेल महंगाई फरवरी 2025 में और कम हो सकती है, जो मुख्य रूप से सब्जियों की कीमतों में गिरावट के कारण 4 प्रतिशत से नीचे आ सकती है। फॉरेन इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स यानी एफआईआई पर भी बाजार की नजर रहेगी। एफआईआई ने पिछले हफ्ते कैश सेगमेंट में 15,501 करोड़ की नेट सेलिंग की है। वहीं डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स यानी डीआईआई ने 20,950 करोड़ का निवेश किया, जिससे बाजार को स्थिरता मिली। एक्सपर्ट्स के अनुसार, अर्निंग्स ग्रोथ में सुधार और जीडीपी आंकड़ों में और तेजी आने से एफआईआई भारत में वापस आ सकते हैं।

ग्लोबल सेंटीमेंट्स सुधार

अमेरिकी टैरिफ में देरी और आगे की बातचीत की संभावना की रिपोर्ट के बाद ग्लोबल सेंटीमेंट्स में सुधार हुआ, जिससे फाइनेंशियल मार्केट्स को स्थिर करने में मदद मिली। कमजोर अमेरिकी डॉलर और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने निवेशकों का भरोसा और बढ़ाया। आने वाले सप्ताह में निवेशकों की नजर टैरिफ वार्ताओं और जियोपॉलिटिकल टेंशन पर रहेगी। अमेरिकी डॉलर और अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों पर असर पड़ सकता है। इस हफ्ते मेनबोर्ड सेगमेंट में कोई नया इश्यू ओपन नहीं होगा। वहीं एसएमई सेगमेंट इस सप्ताह में दो नए इश्यू- सुपर आयरन फाउंड्री लिमिटेड और पारादीप परिवहन लिमिटेड सब्सक्रिप्शन के लिए ओपन होंगे।

विदेशी निवेशकों ने बीते हफ्ते बाजार से 24,753 करोड़ निकाले

मुंबई, जेएनएन। विदेशी निवेशकों ने मार्च के पहले हफ्ते में भारतीय शेयर बाजारों में 24,753 करोड़ रुपए की बिकवाली की है। 2025 की शुरुआत से अब तक फॉरेन इन्वेस्टर्स भारतीय शेयर बाजारों से 1.37 लाख करोड़ रुपए निकाल चुके हैं। पहले दो महीनों जनवरी और फरवरी में विदेशी निवेशकों ने टोटल 1.12 लाख करोड़ रुपए की बिकवाली की है। विदेशी निवेशकों ने जनवरी में 78,027 और फरवरी में 34,574 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे थे। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, भारतीय शेयरों की हाई वैल्यूएशन और कॉरपोरेट इनकम में ग्रोथ को लेकर चिंताओं के कारण विदेशी निवेशकों लगातार पैसे निकाल रहे हैं। दिसंबर 2024 में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों में 15,446 करोड़ रुपए निवेश किए थे। पिछले हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को भी विदेशी निवेशकों नेट सेलर्स बने रहे। वहीं डोमेस्टिक इंस्टीट्यूशनल इन्वेस्टर्स यानी विदेशी निवेशकों नेट बायर्स बने रहे। प्रोविजनल डेटा के अनुसार, 7 मार्च को विदेशी निवेशकों ने 2,035.10 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे, जबकि विदेशी निवेशकों ने 2,320.36 करोड़ रुपए के शेयर्स खरीदे हैं। ट्रेडिंग सेशन के दौरान, विदेशी निवेशकों ने 10,452.93 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 8,132.57 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे। वहीं विदेशी निवेशकों ने 8,635.45 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे और 10,670.55 करोड़ रुपए के शेयर बेचे थे।

पिछले हफ्ते सेंसेक्स 1.88% चढ़ा

पिछले हफ्ते सेंसेक्स 1,370 अंक यानी 1.88 प्रतिशत चढ़ा है। निफ्टी में भी बीते सप्ताह 379.30 (1.71 प्रतिशत) अंक की तेजी रही थी। वहीं बीते हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार (7 मार्च) को सेंसेक्स 7 अंक गिरकर 74,332 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में 7 अंक की तेजी रही, ये 22,552 पर बंद हुआ था।

फील्ड सेल्स में 6 लाख आवेदन गए: दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में महिलाएं गैर-परंपरागत भूमिकाएं भी तलाश रही हैं, जिसमें वर्ष 2024 में फील्ड सेल्स में लगभग छह लाख आवेदन, डिलिवरी और लॉजिस्टिक्स में 2.5 लाख आवेदन और सुरक्षा सेवाओं में 1.5 लाख आवेदन हैं। जैसे-जैसे महानगरों से परे रोज़गार के अवसर बढ़ रहे हैं, लखनऊ, जयपुर, इंदौर, भोपाल, सूरत, नागपुर और कोयंबटूर प्रमुख रोज़गार केंद्र के रूप में उभरे हैं।

भारत में 3-4 साल में दो अरब डॉलर की बिक्री करने का है हायर का लक्ष्य

ग्रेटर नोएडा, जेएनएन। हायर अप्लायंसेज इंडिया अगले तीन से चार साल में दो अरब डॉलर की बिक्री वाली कंपनी बनने की उम्मीद कर रही है। कंपनी के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि ऐसा उत्पाद श्रेणी और बिक्री माध्यमों के विस्तार से प्रेरित उच्च दहाई अंक की वृद्धि के बल पर संभव होगा। घरेलू उपकरण बनाने वाली कंपनी हायर ने 2024-2028 के बीच नई एसी (एयर कंडीशनर) उत्पादन और इंजेक्शन मोल्डिंग इकाइयां स्थापित करने के लिए 1,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश निर्धारित किया है। इसने पुणे और ग्रेटर नोएडा में अपने संयंत्रों में अब तक 2,400 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

इस नए संयंत्र के साथ, हायर इंडिया की क्षमता मौजूदा 15 लाख इकाई से बढ़कर 40 लाख इकाई सालाना हो जाएगी, साथ ही घरेलू मूल्य संवर्धन भी बढ़ेगा। हायर अप्लायंसेज इंडिया के अध्यक्ष एनएस सतीश ने रविवार कहा, फिलहाल हमारी क्षमता 15 लाख इकाई है। हालांकि, जिस तरह से यहां एसी बाजार बढ़ रहा है, 2027 तक हमारे पास क्षमता की कमी होगी। नया संयंत्र 25 लाख इकाई का होगा। हायर दक्षिण भारत में भी एक संयंत्र लगाने की योजना बना रही है और जल्द ही नियोजित निवेश की घोषणा करेगी।

उन्होंने कोई ब्यौरा दिए बिना कहा कि निवेश राशि आकार और क्षमता के मामले में नोएडा औद्योगिक पार्क में हमारी वर्तमान स्थिति के समान होगी। हायर की आमदनी पिछले साल 36 प्रतिशत की वृद्धि के साथ लगभग 8,900 करोड़ रुपये थी। इसके साथ ही कंपनी एक अरब डॉलर की बिक्री का आंकड़ा पार कर गई। सतीश को उम्मीद है कि इस साल आमदनी 11,500 करोड़ रुपये को पार कर जाएगी। उन्होंने कहा, उसके बाद, हर साल हम 2,000 से 2,500 करोड़ रुपये से ज़्यादा की उम्मीद कर रहे हैं। हमारे पास बड़ी योजनाएं हैं ज्और हम भारत में एक बड़ा अवसर देखते हैं।

यह पूछे जाने पर कि हायर अप्लायंसेज इंडिया कब दो अरब डॉलर की कंपनी बन जाएगी, सतीश ने कहा, अगले तीन से चार साल में, निश्चित रूप से। हम पहले से ही एक अरब डॉलर की कंपनी हैं। मुझे लगता है कि अगले तीन से चार साल में यह निश्चित रूप से दो अरब डॉलर से अधिक हो जाएगी। कंपनी को एयर कंडीशनर, रेफ्रिजरेटर, वाशिंग मशीन, टीवी पैनल और वाणिज्यिक फ्रीजर जैसे क्षेत्रों में भारी अवसर दिखाई दे रहे हैं, क्योंकि अन्य देशों की तुलना में भारत में इनकी पहुंच बहुत कम है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में जारी रह सकता है तेजी का दौर

मुंबई, जेएनएन। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में पिछले एक महीने से गिरावट देखने को मिल रही थी, लेकिन अब इसमें तगड़ी तेजी आई है। शुक्रवार, 07 मार्च 2025 को शेयर बाजार में रिलायंस के शेयरों में 3.32 प्रतिशत की बड़ी बढ़त दर्ज की गई। इस दिन शेयर 1249.80 रुपये पर बंद हुआ। पिछले कुछ दिनों में निफ्टी-50 में मामूली बढ़त देखी गई, जबकि सेंसेक्स में -7.51 अंकों की गिरावट रही। हालांकि, बाजार विशेषज्ञों का मानना है कि आने वाले कारोबारी दिनों में भारतीय शेयर बाजार में रिकवरी देखने को मिल सकती है। शुक्रवार को बीएसई सेंसेक्स -7.51 अंक (-0.04 प्रतिशत) की गिरावट के साथ 74,332.58 पर बंद हुआ, जबकि एनएसई निफ्टी 7.80 अंक (+0.03 प्रतिशत) की मामूली बढ़त के साथ 22,552.50 पर बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में सुबह से ही तेजी देखने को मिली। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के डेटा के मुताबिक, शुक्रवार को रिलायंस का शेयर 1216.00 रुपये पर खुला और कारोबार के दौरान 1254.80 रुपये के उच्चतम स्तर तक पहुंच गया। वहीं, दिन का निचला स्तर 1212 रुपये रहा।

52 हफ्तों के हाई-लो स्तर पर एक नजर: बीएसई के आंकड़ों के अनुसार, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 52 हफ्तों का उच्चतम स्तर 1608.80 रुपये रहा, जबकि निचला स्तर 1156 रुपये रहा। शुक्रवार तक कंपनी का कुल मार्केट कैप 16,90,328 करोड़ रुपये पर आ गया था। इस तेजी के कारण निवेशकों में उत्साह देखने को मिल रहा है और बाजार में खरीदारी का माहौल बन सकता है।

क्या आने वाले दिनों में जारी रहेगी ये तेजी ?: रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर शुक्रवार को 1212-1254.80 रुपये के रेंज में ट्रेड करता रहा। बाजार के जानकारों का कहना है कि यदि यह तेजी बनी रहती है, तो आने वाले दिनों में शेयर की कीमत और बढ़ सकती है। निवेशकों के लिए यह अच्छा संकेत है क्योंकि रिलायंस इंडस्ट्रीज भारतीय शेयर बाजार की सबसे मजबूत कंपनियों में से एक मानी जाती है। अब सभी की नजर अगले कारोबारी दिन पर होगी कि यह उछाल जारी रहेगा या नहीं।

अप्रैल में खुल सकता इस साल ईवी एथर का मोस्ट अवेटेड IPO

नई दिल्ली, जेएनएन। इलेक्ट्रिक टू व्हीलर विनिर्माता एथर एनर्जी लिमिटेड ने अपने बकाया अनिवार्य परिवर्तनीय तरजीही शेयरों (सीसीपीएस) को इक्विटी में परिवर्तित करके मोस्ट अवेटेड आईपीओ की ओर एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। मर्चेंट बैंकिंग सूत्रों के अनुसार, यह कदम कंपनी के आईपीओ की तैयारी का हिस्सा है। कंपनी का आईपीओ अप्रैल में आने की उम्मीद है।

क्या है डिटेल: न्यूज एजेंसी को मिले कंपनी पंजीयक (आरओसी) में दर्ज दस्तावेजों के अनुसार, कंपनी के निदेशक मंडल ने आठ मार्च, 2025 को एक प्रस्ताव पारित किया, जिसमें 1.73 करोड़ से अधिक बकाया सीसीपीएस को 24.04 करोड़ पूर्ण चुकता इक्विटी शेयरों में बदलने की मंजूरी दी गई। १ रुपये अंकित मूल्य वाले ये शेयर मौजूदा इक्विटी शेयरों के बराबर ही होंगे। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड के पूंजी निर्गम एवं खुलासा आवश्यकताएं (आईसीडीआर) विनियमों के अनुसार, दस्तावेजों का मसौदा दाखिल करने से पहले सभी सीसीपीएस को इक्विटी में परिवर्तित किया जाना चाहिए। यह कदम संकेत देता है कि एथर एनर्जी अपने आईपीओ की ओर तेजी से आगे बढ़ रही है, जो वित्त वर्ष 2025-26 में पेश होने वाले पहले आईपीओ में से एक हो सकता है।

फ्रेश और ओएफएस बेस्ड इश्यू: एथर ने महाराष्ट्र में इलेक्ट्रिक दोपहिया प्लांट स्थापित करने और कर्ज कम करने के लिए कोष जुटाने को पिछले साल सितंबर में दस्तावेजों का मसौदा दाखिल किया था। दस्तावेजों के अनुसार, आईपीओ 3,100 करोड़ रुपये मूल्य के इक्विटी शेयरों के नए इश्यू और प्रमोटर्स व निवेशकों द्वारा 2.2 करोड़ शेयरों की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन होगा।

पेप्सिको पांच साल में भारत में अपना राजस्व दोगुना करेगी

नयी दिल्ली, जेएनएन। पेप्सिको के भारत एवं दक्षिण एशिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जागृत कोटेचा ने कहा है कि कंपनी अगले पांच वर्षों में भारत में अपना राजस्व दोगुना करने का लक्ष्य लेकर चल रही है। कंपनी भारत को एक 'प्रमुख बाजार' के रूप में देख रही है, जहां वह अपनी क्षमता बढ़ाने के लिए 'आक्रामक' निवेश कर रही है। कोटेचा ने पीटीआई-भाषा के साथ बातचीत में कहा कि भारत पेप्सिको के लिए वैश्विक राजस्व बढ़ाने में 'वृद्धि का इंजन' होगा, क्योंकि यह कंपनी के लिए शीर्ष तीन बाजारों में से एक है, जहां वह दहाई अंक की वृद्धि दर्ज कर रही है।

पेप्सिको खाद्य, नाश्ता और पेय उत्पाद पेश करती है। कोटेचा ने कहा कि पेप्सिको ने उत्तर प्रदेश और असम में नए संयंत्रों में निवेश किया है, जिसका उद्देश्य मांग से आगे रहना है। उन्होंने कहा कि कंपनी भारत में 'निवेश से पीछे नहीं हटेगी' तथा दो और संयंत्र खोलने की योजना बना रही है, जिनमें एक संयंत्र दक्षिणी क्षेत्र में होगा। कोटेचा ने कहा, हमारा मानना है कि भारत पेप्सिको के लिए वृद्धि का इंजन होगा और शीर्ष पंक्ति को आगे बढ़ाएगा। हां, यह उत्तरी अमेरिका जितना बड़ा नहीं है क्योंकि यह बहुत अधिक विकसित श्रेणी है।

वर्तमान में, भारत पेप्सिको के लिए वैश्विक स्तर पर शीर्ष 15 बाजारों में शुमार है। कोटेचा को उम्मीद है कि देश रैंकिंग में ऊपर जाएगा, हालांकि उन्होंने कोई विशिष्ट अनुमान साझा नहीं किया। न्यूयॉर्क के हैरिसन में स्थित कंपनी के लिए भारत 'प्रमुख बड़े बाजारों' में से एक है, जहां इसने 28 वर्षों के अंतराल के बाद 1990 के दशक में पुनः प्रवेश किया था। पिछले तीन साल में पेप्सिको ने भारतीय बाजार में करीब 3,500-4,000 करोड़ रुपये का निवेश किया है। इसके अलावा, पेप्सिको की बॉटलिंग साझेदार वरुण बेवरेजेज लिमिटेड (वीबीएल) भी काफी निवेश कर रही है। यह पेय पदार्थ क्षेत्र में माउंटेन ड्यू, 7अप, पेप्सी, और स्टिंग तथा स्पोर्ट्स पेय उत्पाद गेटोरेड जैसे ब्रांड पेश करता है, जबकि जूस में इसके ट्रॉपिकाना और स्लाइस ब्रांड हैं। कुरकुरे, लेज़, क्वेकर और डोरिटोस भी इसके ब्रांड हैं। भारतीय पेय पदार्थ बाजार का मूल्य लगभग 12 अरब डॉलर है और यह 10-11 प्रतिशत की सालाना दर के साथ बढ़ रहा है।

टेस्ला बिक्री बढ़ाने के लिए निकाल रही हैं ऑफर्स बिना ब्याज के लोन और जिंदगीभर फ्री चार्जिंग

नई दिल्ली, जेएनएन। दुनिया के सबसे अमीर शख्स एलन मस्क की ईवी निर्माता कंपनी टेस्ला भारत में अपना कारोबार शुरू करने के लिए तैयार है। इसके लिए कंपनी ने मुंबई और दिल्ली में शोरूम के लिए जगह भी फाइनल कर ली हैं लेकिन दुनिया के कई देशों में टेस्ला की कारों की बिक्री में काफी गिरावट आ रही है। इस समय टेस्ला की सेल काफी बुरी तरह प्रभावित है। ऑटोब्लॉग की एक रिपोर्ट के मुताबिक इस गिरावट के कारण एलन मस्क की कंपनी टेस्ला नए ग्राहकों को लुभाने के लिए कई तरह के ऑफर निकाल रही है।

टेस्ला अपने ग्राहकों दे रही कई लुभावने ऑफर्स

एलन मस्क की कंपनी टेस्ला ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए कई तरह के ऑफर्स निकाल रही हैं। इसमें बिना ब्याज और कम ब्याज पर लोन, जिंदगीभर कार की फ्री चार्जिंग की सुविधा जैसे ऑफर्स शामिल हैं। कंपनी ने हाल ही में एक नई कार साइबरट्रक लॉन्च की है। टेस्ला द्वारा इस कार को बेचने के लिए की ऑफर्स निकाले जा रहे हैं। इस कार पर कंपनी सिर्फ 1.99 प्रतिशत की ब्याज दर से ग्राहकों को लोन ऑफर कर रही है। यह लोन टेस्ला द्वारा ही फाइनेंस किया जा रहा है। इसके अलावा टेस्ला अच्छे क्रेडिट स्कोर वाले ग्राहकों को जीरे प्रतिशत की दर से लोन ऑफर भी कर रही है। सस्ते लोन के साथ साथ टेस्ला अपने ग्राहकों को एक सुपरचार्जर का फ्री एक्सेस भी दे रही है, जिससे ग्राहक जिंदगीभर के लिए गाड़ियों को फ्री चार्ज कर सकता है। आपको बता दें कि दुनिया में 60,000 से ज्यादा सुपरचार्जर हैं जो टेस्ला की इलेक्ट्रिक गाड़ियों को चार्ज करते हैं।

रैपिडो 500 शहरों में करेगी विस्तार

नयी दिल्ली, जेएनएन। ऑनलाइन टैक्सी सेवा मंच रैपिडो के सह-संस्थापक पवन गुंटूपल्ली ने कहा है कि कंपनी इस वर्ष भारत में 500 शहरों में विस्तार करने की तैयारी में है। यह ऐसा बाजार है जहां परिवहन के अवसरों की 'विशालता और गहराई' उच्च वृद्धि की संभावना प्रदान करती है। इस सवाल पर कि क्या कंपनी निकट भविष्य में आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) लाने पर विचार कर रही है, गुंटूपल्ली ने बताया कि रैपिडो अच्छी वृद्धि दर्ज कर रही है, अच्छी तरह से पूंजीकृत है और 'स्थिति के आधार पर निर्णय लेगी।' उन्होंने कहा कि फिलहाल कंपनी का मुख्य ध्यान वृद्धि पर है। रैपिडो अपनी ऑटो, बाइक टैक्सी और कैब सेवाओं पर हर दिन लगभग 33 लाख लोगों को यात्रा की सुविधा प्रदान करती है। रैपिडो को 'स्थायी रूप से' वृद्धि करने की उम्मीद है। उन्होंने कहा, हम मजबूत वृद्धि देख रहे हैं। हम पहले से ही दोपहिया उद्योग और तिपहिया उद्योग में अगुवा बन गए हैं।

पानी की टंकी साफ करने घुसे 5 मजदूरों की मौत

मुंबई, जेएनएन। दक्षिण मुंबई में रविवार को एक निर्माणाधीन इमारत में पानी की टंकी साफ करते समय पांच मजदूरों की दम घुटने से मौत हो गई। यह घटना नागपाड़ा इलाके डिमटीमकर रोड पर स्थित बिस्मिल्लाह स्पेस बिल्डिंग में हुई। एक अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि पांचों मजदूर टंकी को साफ करने के लिए उसमें उतरे थे, लेकिन बेहोश हो गए। निर्माण स्थल पर मौजूद अन्य लोगों ने दमकल विभाग को घटना की सूचना दी। मजदूरों को टंकी से निकालकर सरकारी जेजे अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। जेजे पुलिस स्टेशन के एक अधिकारी ने बताया कि दुर्घटनावश हुई मौत की रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज कर ली गई है और यह पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी गई है कि जिन लोगों ने इन पांचों को काम पर रखा था, उनकी ओर से कोई चूक हुई या नहीं और क्या सुरक्षा प्रोटोकाल का पालन किया गया था। गौरतलब है कि देश में सफाई के दौरान कामगारों की मौत देश में आए दिन की बात है। बजट सत्र में सरकार ने लोकसभा में बताया था कि इस तरह के हादसों में देश में 2024 में 165 लोगों की मौत हुई थी। महाराष्ट्र इस तरह के हादसों में मामले में आगे है। सफाई कर्मचारियों की ज्यादातर मौतें सीवर में होती हैं।

अमेरिकी शुल्क का फार्मा पर होगा सबसे ज्यादा असर

नयी दिल्ली, जेएनएन। अमेरिका में फार्मा आयात पर बढ़ाए गए शुल्क से भारतीय दवा निर्माताओं पर गंभीर असर पड़ सकता है क्योंकि इससे उनकी उत्पादन लागत बढ़ जाएगी, जिससे अन्य देशों के उत्पादों के मुकाबले निर्यात कम प्रतिस्पर्धी हो जाएगा। कम मार्जिन पर काम करने वाली छोटी दवा कंपनियों पर गंभीर दबाव पड़ सकता है, जिससे उन्हें एकीकरण या कारोबार बंद करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है। दूसरी ओर, वाहन क्षेत्र पर इसका बहुत कम प्रभाव पड़ने की उम्मीद है, क्योंकि अमेरिका एक छोटा निर्यात बाजार है। भारत को बहुत अधिक शुल्क वाला देश बताते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क लगाने वाले देशों पर जवाबी शुल्क दो अप्रैल से लागू होंगे। भारत वर्तमान में अमेरिकी दवाओं पर लगभग 10 प्रतिशत आयात शुल्क लगाता है, जबकि अमेरिका भारतीय दवाओं पर कोई आयात शुल्क नहीं लगाता है। शार्दुल अमरचंद मंगलदास एंड कंपनी के साझेदार अरविंद शर्मा ने कहा कि हाल के इतिहास में, अमेरिका अपनी घरेलू मांग को पूरा करने के लिए दवा उत्पादों का शुद्ध आयातक रहा है। उन्होंने कहा, 卐यदि अमेरिका, भारत से दवा आयात पर भारी शुल्क लगाने का फैसला करता है, तो इसका असर भारतीय दवा क्षेत्र पर स्पष्ट रूप से दिखाई देगा और साथ ही इसकी घरेलू खपत भी बाधित होगी। अमेरिका में दवा आपूर्ति का एक बड़ा हिस्सा भारतीय दवा कंपनियां करती हैं।
साल 2022 में अमेरिका में चिकित्सकों द्वारा लिखे गए पर्चों में 40 प्रतिशत यानी 10 में से चार के लिए दवाओं की आपूर्ति भारतीय कंपनियों ने की थी। उद्योग सूत्रों के अनुसार, कुल मिलाकर, भारतीय कंपनियों की दवाओं से 2022 में अमेरिकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली को 219 अरब डॉलर की बचत हुई और 2013 से 2022 के बीच कुल 1,300 अरब डॉलर की बचत हुई। भारतीय कंपनियों की जेनेरिक दवाओं से अगले पांच वर्षों में 1,300 अरब डॉलर की अतिरिक्त बचत होने की उम्मीद है।

टोयोटा के प्रीमियम ब्रांड लेक्सस ने भारत में लांच की Lexus LX 500d पावरफुल एसयूपी

नई दिल्ली, जेएनएन। जापानी कार निर्माता कंपनी टोयोटा की प्रीमियम ब्रांड लेक्सस ने भारतीय बाजार में अपनी मशहूर एसयूवी **LX 500d** के अपडेटेड अवतार में लॉन्च किया है। कंपनी ने इस एसयूवी को हाल ही में दिल्ली में आयोजित भारत मोबिलिटी ग्लोबल एक्सपो के दौरान शोकेस किया था। कंपनी ने इसमें कुछ नए बदलाव किए हैं। नई **LX 500d** को कंपनी ने कुल दो वेरिएंट्स में पेश किया है, जिसमें अर्बन और ओवरटेल वेरिएंट शामिल हैं। सबसे बड़ा बदलाव ओवरटेल ट्रिम में देखने को मिलता है। **LX 500d** के अर्बन वेरिएंट की शुरुआती कीमत 3 करोड़ रुपये और ओवरटेल वेरिएंट की कीमत 3.12 करोड़ रुपये (एक्स-शोरूम) तय की गई है। कंपनी ने इस एसयूवी की आधिकारिक बुकिंग भी शुरू कर दी है। नए बदलाव के बाद ये एसयूवी थोड़ी महंगी हो गई है। इससे पहले ये एसयूवी 2.83 करोड़ की शुरुआती कीमत में आती थी।

लुक और डिज़ाइन : अर्बन वेरिएंट में सिल्वर एलिमेंट वाली बड़ी ग्रिल दी गई है जो एसयूवी को एग्रेसिव लुक देती है। इसमें बम्पर के निचले हिस्से पर LED DRLs और फ़ॉग लैंप के साथ स्लीक हॉरिजॉन्टली स्टैक्ड LED हेडलाइट्स भी हैं। प्रोफ़ाइल में, इसमें 22-इंच के डुअल-टोन अलॉय व्हील और दरवाज़ों पर क्रोम स्ट्रिप दिया गया है, जो इसके साइड प्रोफाइल को बेहतर बनाते हैं। पीछे की तरफ़, इसमें कनेक्टेड एलईडी टेललाइट सेटअप, रूफ-माउंटेड स्पॉइलर, रियर वाइपर, टेलगेट पर लेक्सस बैजिंग और ब्लैक-आउट रियर बम्पर दिया गया है। कंपनी ने इस एसयूवी को कई कलर ऑप्शन में पेश किया है। दूसरी ओर, ओवरट्रेल वेरिएंट ज़्यादा ऑफ-रोड फ़ोकस्ड है, और इसमें एक समान ग्रिल डिज़ाइन है। लेकिन इसे ग्रे थीम से सजाया गया है। इसमें आगे की तरफ़ सिल्वर स्किड प्लेट भी है। हालाँकि, मुख्य अंतर यह है कि इसमें ग्रे कलर फिनिश और 18-इंच के अलॉय व्हील दिए गए हैं। ये वेरिएंट ऑल-टेरेन टायर और फ्रंट और रियर डिफरेंशियल लॉक से लैस है। इसके पीछे का डिज़ाइन अर्बन वेरिएंट जैसा ही है। यह एक्सक्लूसिव तौर पर मून डेजर्ट कलर ऑप्शन में उपलब्ध है।

पावर और परफॉर्मेंस: LX 500d में कंपनी ने 3.3-लीटर वी6 डीजल इंजन दिया है, जो 309 पीएस की पावर और 700 न्यूटन मीटर का टॉर्क जेनरेट करता है। इस इंजन को 10-स्पीड ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन गियरबॉक्स से जोड़ा गया है, जो ऑल व्हील ड्राइव सिस्टम से लैस है। इसकी टॉप स्पीड 210 किमी/घंटा है। कंपनी का दावा है कि ये एसयूवी महज 8 सेकंड में ही 0 से 100 किमी/घंटा की रफ्तार पकड़ सकती है।

मिलते हैं ये सेफ्टी फीचर्स- लेक्सस ने सेफ्टी सिस्टम 3.0 नामक एक फीचर जोड़ा है, जिससे यह एसयूवी अब और भी सुरक्षित हो गई है। यह सिस्टम कई फीचर्स से लैस है। इस सेफ्टी किट में प्री-कोलिजन सिस्टम, अडेप्टिव क्रूज कंट्रोल, ब्लाइंड स्पॉट मॉनिटरिंग, सेफ्टी एग्जिट असिस्ट, लेन डिपार्चर असिस्ट और ऑटो हाई बीम और अडेप्टिव हाई बीम सिस्टम शामिल हैं।

सर्वे | नेशनल लिटरेसी ट्रस्ट ने बताया कि 77 फीसदी स्कूली बच्चे कर रहे एआई का इस्तेमाल

ब्रिटेन के स्कूलों में एआई से नकलची बन रहे छात्र

लंदन, जेएनएन। दुनियाभर में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। किसी भी डाटा को एकत्रित करना हो, बड़ा टास्क हो या किसी सवाल का जवाब पाना हो, एआई उसमें बेहतरीन तरीके से मदद करता है। एआई का इस्तेमाल स्कूलों में भी होने लगा है। ब्रिटेन के स्कूलों में एआई का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है। हालांकि, इसके नुकसान भी दिखने लगे हैं। दरअसल, ब्रिटेन के नेशनल लिटरेसी ट्रस्ट ने बच्चों और शिक्षकों पर एक सर्वे किया है, जिसके अनुसार, एआई पर निर्भरता छात्र-छात्राओं की बौद्धिक क्षमता और शैक्षिक योग्यता को नुकसान पहुंचाने लगी है। बच्चों के सामने ज्यों ही कोई समस्या आती है, वे धड़ल्ले से एआई का इस्तेमाल करते हैं, जिससे उनकी विचार करने की क्षमता पर बुरा असर पड़ता है। सर्वे में कहा गया है कि 13 से 18 वर्ष के हर 4 में से तीन (77.1 प्रतिशत) बच्चे एआई का उपयोग कर रहे हैं। यह आंकडा 2023 में 5 में से 2 (37.1 प्रतिशत) था। एआई का इस तरह इस्तेमाल बढ़ना चिंता की बात है।

खत्म हो रही मौलिकता

सर्वे के अनुसार, अधिकांश बच्चे एआई का इस्तेमाल नए विचारों को पाने के लिए करते हैं, जो काफी अच्छा भी है। कुछ नया समझने या नई चीजें सीखने में भी इन्हें मदद मिली है। इससे बच्चों को लिखने-पढ़ने में मदद मिली है, लेकिन मौलिकता खत्म हो रही है। एआई का उपयोग करने वाले शिक्षकों की भी संख्या में इजाफा हुआ है। 2023 में जो 31 फीसदी शिक्षक एआई का इस्तेमाल करते थे, 2024 में इनकी संख्या बढ़कर 47.7 फीसदी हो गई थी। हालांकि, शिक्षकों का एआई का इस्तेमाल करने और छात्रों द्वारा सीखने के लिए उपयोग करने को लेकर दृष्टिकोण अलग-अलग है, लेकिन मौलिकता शिक्षकों की भी प्रभावित हो रही है। सर्वे में कहा गया है कि बच्चे वही कॉपी करते हैं, जो एआई बताता है। एआई से प्राप्त उत्तर का मिलान करना भी बच्चे जरूरी नहीं समझते, जबकि एकआई का हर उत्तर सही नहीं होता।

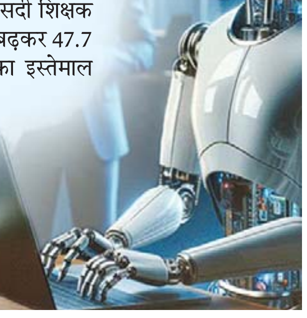

53 हजार 169 लोगों पर किया गया सर्वे

नेशनल लिटरेसी ट्रस्ट ने 53 हजार 169 बच्चों और युवाओं पर यह सर्वे किया। 1228 शिक्षक भी सर्वे में शामिल किए गए। इसमें पहला प्रश्न यह पूछा गया कि क्या वे एआई का इस्तेमाल करते हैं? इस सवाल का जवाब हां में मिलने के बाद उनसे पूछा गया कि क्या वे एआई से प्राप्त उत्तर का मिलान किसी दूसरे स्रोत से करते हैं?

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर मातृ शक्तियों को भव्य कार्यक्रम आयोजित कर किया सम्मानित

आदिवासी बस्ती डाड़ी सरकारी में महिला महोत्सव का आयोजन

जवा ब्यूरो। बालेन्द्र सिंह ब्लॉक समन्वयक जवा द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार समाज सेवी संस्था समग्र जन चेतना विकास परिषद् द्वारा 8 मार्च को ग्राम पंचायत मनिगवां के दूरस्थ सघन बस्ती टोला डाड़ी सरकारी में मनाया गया। वरिष्ठ समाज सेवी एवं रेडक्रास सोसायटी रीवा के आजीवन सदस्य चक्रधर सिंह जवा ने बतौर मुख्य अतिथि कहा कि नारी ही संसार की जन्मदाता है। महिलाओं से संस्कार, विचार, आकार आया है। महिलाओं के आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक उन्नति विकास की दिशा में शास्वत कदम उठाने का यह पर्व है। आज हम नारी जगत को उनके उज्जवल कौशलयुक्त भूमिका को और मजबूती के लिये बधाई देतें है। इस अवसर पर महिला ब्लॉक अध्यक्ष जवा राजकुमारी विश्वकर्मा सितलहा ने अपने महिलाओं के हौसले बढ़ाया। संस्था के ब्लॉक समन्वयक जवा बालेन्द्र सिंह एवं सच्चिदानन्द पाण्डेय ने बाल विवाह, बालश्रम, साइबर क्राइम के संबंध में विचार रखें। आज ही एक निःशुक्ल इसी बस्ती में छोटे बच्चों के पढ़ाने हेतु एक सामाजिक निःशुल्क, शिक्षा केन्द्र का भी शुभारंभ मुख्य अतिथि चक्रधर सिंह जवा ने किये और बच्चों को पठन-पाठन सामग्री वितरित किया। वार्ड पंच रामनिवास कोल पेय जल समस्या खराब हैण्डपम्प, नवीन हैण्डपम्प पानी टंकी की आवश्कता बताई। बीआरसीसी प्रतिनिधि दादूलाल माझी ने निःशुक्ल शिक्षा केन्द्र के लिये गरीब बच्चों के लिये पुस्तक आदि की मदद का अश्वासन दिया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से बाबूलाल कोल, लालबहादुर, सीमा देबी, अमित, अमरनाथ कोल, अध्यापिका रामूकोल, सहित काफी संख्या में बस्ती के महिला पुरूष उपस्थित रहे ।

आंगनवाड़ी केन्द्र सेमरिया में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

सेमरिया, नि.प्र.। नगर पंचायत सेमरिया में सीडीपीओ अंजना सिंह एवं पर्यवेक्षक प्रार्थना द्विवेदी के मार्गदर्शन में आंगनवाड़ी केंद्र 3बी में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि माया सोनी एवं वार्ड पार्षद गीता सोनी उपस्थित रही एवं समुदाय की सभी महिलाएं मातृशक्ति उपस्थित हुई । कार्यक्रम की अगली कड़ी में सभी मुख्य अतिथियों का स्वागत अभिनंदन किया गया एवं महिलाओं द्वारा अपने विचारों को प्रस्तुत किए गए, मेहंदी लगाई गई, होली के उपलक्ष्य में सभी ने फाग होली एवं नृत्य का आयोजन किया। माया सोनी द्वारा महिलाओं को सशक्त बनने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता प्रियंका सिंह, आराधना सिंह, सुमन मिश्रा, अर्चना सिंह, सहायिका बेबी सिंह एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता कुसुम तिवारी, उपस्थित रही । कार्यक्रम का संचालन प्रियंका सिंह आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में कुसुम तिवारी द्वारा सभी का आभार व्यक्त कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

महिला दिवस पर समूह की महिलाओं को किया गया सम्मानित

मऊगंज ब्यूरो। महिला दिवस के अवसर एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन ग्राम पंचायत लोही के एसआरएलएम भवन में किया गया। महिला दिवस के अवसर पर समूह के महिलाओं द्वारा आजीविका मिशन में माध्यम से उनके आर्थिक एवं सामाजिक उन्नति के विषय में अपने अनुभव व्यक्त किये। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि ओम प्रकाश बेदुआ जिला परियोजना अधिकारी एसआरएलएम रीवा, सरोज कुमार जिला प्रबंधक नाबार्ड रीवा, डॉ चन्द्रजीत सिंह वैज्ञानिक कृषि विज्ञान केंद्र रीवा रहे। मुख्य अतिथि द्वारा बताया गया कि महिला दिवस का उद्देश्य महिलाओं को उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना और उन्हें सम्मान देना है।

दो माह से नाबालिग बच्ची की पतासाजी के लिए दर-दर भटक रहे पीड़ित माता-पिता

पुलिस थाना जवा बरौली ठकुरान का मामला

जवा ब्यूरो। पुलिस थाना जवा बाजार बरौली ठकुरान निवासी राम सुशील हरिजन ने पुलिस अधीक्षक रीवा को आवेदन देकर दो माह से लापता नाबालिग लड़की को शकुसल पतासाजी करने की गुहार लगाई है। पीड़ित माता पिता ने पुलिस अधीक्षक रीवा को सौंपे ज्ञापन में कहा कि मेरी नाबालिग लड़की जिसकी उम्र 13वर्ष है जो कि 5 जनवरी 2025 को शाम 7बजे अचानक लापता हो गई काफी खोजबीन के बाद पता चला कि पड़ोस के ही रहने वाला बाबूलाल हरिजन मेरी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर कर अपने साथ लेकर भाग गया है, जिसकी नामजद रिपोर्ट पुलिस थाना जवा में करने गया तो मेरी रिपोर्ट गलत तरीके से दर्ज कर मुझे वा मेरी पत्नी को उल्टा डांट-फटकार कर भगा दिया गया व दो माह बीतने के बावजूद आज तक टीआई जवा द्वारा कोई कार्यवाही नहीं किया जा रहा है व डांट-फटकार कर जवा थाने से भगा दिया जाता है का आरोप लगाते हुए फरियादी पीड़ित माता पिता ने पुलिस अधीक्षक रीवा को आवेदन देकर नाबालिग लड़की की सकुशल वापसी की मांग की है। पीड़ित का आरोप है कि आरोपी युवक एवं उसके परिवार के लोगों द्वारा लगातार जान से मारने की धमकी दी जा रही है साथ ही कहते हैं कि मेरा लड़का भगा ले गया है जो करना है कर लो, लगातार मिल रही धमकी से पीड़ित परिवार माता पिता डरे सहमे हुए हैं। ज्ञात हो कि इस समय पुलिस थाना प्रभारी जवा द्वारा जहां अपराधियों को खुला संरक्षण दिया जा रहा है जिसके चलते लगातार चोरी, लूट, हत्या, नशाखोरी सहित अन्य अपराध बढ़ रहे हैं। आम जनमानस का जीना हराम हो गया है। वहीं शिकायत कर्ता को ही टीआई जवा द्वारा आरोपी बताकर डांट-फटकार कर भगा दिया जाता है। अपराधी अपराध कर मौके से फुर्र हो जाते हैं। पीड़ित माता पिता ने पुलिस अधीक्षक रीवा से नाबालिग लड़की की पतासाजी कर सकुशल बरामद कर आरोपी युवक के खिलाफ कार्रवाई के साथ साथ जान-माल की रक्षा की गुहार लगाई है।

समय पर खेत में पानी न पहुंचने से किसानों ने कलेक्टर को दिया ज्ञापन

मऊगंज ब्यूरो। मऊगंज जिले के गुरमा बांध से सिंचाई करने वाले बिझौली क्रमांक 01 के दर्जनों किसानों ने कहा कि समय पर पानी खेत तक नहीं पहुंचता। सिंचाई विभाग के एसडीओ सहित बांध के अन्य कर्मचारीयो का कभी निरीक्षण नहीं होता। कई किसानों की खेती सूखने लगी है । मामला हनुमना क्षेत्र के गुरमा बांध का है जहां दर्जनों किसानों ने समय पर पानी न मिलने कर्मचारियों का भ्रमण न होना, जिसकी वजह से किसानी पूरी तरह प्रभावित है । इसी प्रकार करह पहाड़ी भइदा खैरा गढ़रा करकचहा रमनगरी जैसे दर्जनों गांवों में पानी नहीं पहुंच रहा। समय पर पानी मिलने के लिए कलेक्टर मऊगंज से लिखित शिकायत की है दर्जनों किसानों ने आरोप लगाया है कि गुरमा बांध से जुड़े कर्मचारी कभी खेतों में पानी देखने या नहर का निरीक्षण करने नहीं आते । कभी भी टेल तक पानी नहीं पहुंचता जिससे कई किसान किसानी से वंचित हो जाते हैं एक तो आवारा पशुओं से खेती बचाना मुश्किल है तो वहीं दूसरी तरफ समय पर पानी न मिलने से खेती भी सूखने लगी है किसान शिवमणि तिवारी, रमानिवास तिवारी, बाबा कोल, हिंछलाल पन्नालाल, प्रवीण मिश्रा संतोष मिश्रा, महेंद्र मिश्रा, दिनकर पांडे, अनिल पांडे, बृजवासी रघुवंश मिश्र सहित दर्जनों किसानों ने आवेदन देकर समय से पानी पहुंचने का निवेदन किया है।

मंत्री पर एफआईआर करने कांग्रेस ने एसपी को सौंपा ज्ञापन

मऊगंज ब्यूरो। प्रदेश सरकार में पंचायत ग्रामीण मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा विगत दिनों आम जनता को भीख मांगने जैसे शब्दों का प्रयोग किया गया था जिसके विरोध में प्रदेश कांग्रेस द्वारा पुतला दहन के बाद एफआईआर दर्ज हो बात कही है । मऊगंज जिले में पुलिस अधीक्षक को ज्ञापन देकर एफआईआर करने की मांग की गई है । बड़ी संख्या में कांग्रेस के पूर्व विधायक सुखेंद्र सिंह बन्ना जिला अध्यक्ष पद्मेश गौतम जिला युवक कांग्रेस अध्यक्ष आशुतोष तिवारी ब्लॉक अध्यक्ष मृत्युंजय चतुर्वेदी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस के कार्यकर्ता और पदाधिकारीयों ने प्रदर्शन के माध्यम से पुलिस अधीक्षक कार्यालय पहुंचकर ज्ञापन दिया है। मांग की गई है कि मंत्री प्रहलाद पटेल पर एफआईआर दर्ज की जाए। एक मंत्री ने प्रदेश की जनता को भिखारी शब्द से संबोधित किया है जबकि वोट मांगते समय इसी जनता को भगवान का रूप बताते हैं । इस दोहरे विचार पर कांग्रेस ने आपत्ति दर्ज करते हुए एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

समीक्षा बैठक में शिकायत के बाद जनपद वित्तीय प्रभारी पर कार्रवाई

जनपद वित्तीय प्रभार से हटाए गए रश्मि चतुर्वेदी डिप्टी कलेक्टर को मिला प्रभार

मऊगंज ब्यूरो। जिले में सीएम हेल्पलाइन की शिकायतें दिनों दिन बढ़ रही है वह चाहे राजस्व का मामला हो या पुलिस विभाग का शिकायतों के निराकरण न होना, शिकायतों की पेंडिंग होने की बड़ी वजह है ज्यादातर कार्यालयों में पदस्थापना के बाद एक सूत्रीय भ्रष्टाचार करने की मुहिम चालू हो जाती है। डिप्टी कलेक्टर रश्मि चतुर्वेदी को जनपद का वित्तीय प्रभार दिया गया था यहां प्रभार महज पांच मांह भी नहीं चला कर्मचारियों ने भी वित्तीय प्रभारी पर कई प्रश्न चिन्ह लगा चुके हैं। शुक्रवार को यह शिकायत देवतालाब विधायक गिरीश गौतम तक पहुंची तत्काल पंचायतों में हो रहे कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक आयोजित की गई । ऐसे कई मामले आए जहां कई वर्षों के पुराने बिल का भुगतान फरबरी 25 में किया गया कोर्ट में लंबित प्रकरणों के बावजूद लेनदेन करके भुगतान किया गया मामले को संज्ञान में लेते हुए कलेक्टर अजय श्रीवास्तव ने डिप्टी कलेक्टर जनपद वित्तीय प्रभारी रश्मि चतुर्वेदी को हटाकर डिप्टी कलेक्टर पवन गुरैया को वित्तीय प्रभार दिया गया।

एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम को लेकर शुरू हुआ महा जनसंपर्क अभियान

त्योंथर क्षेत्र के चाकघाट में होने जा रहा सबसे बड़ा आयोजन

त्योंथर ब्यूरो। एक शाम शहीदों के नाम कार्यक्रम को लेकर रविवार से महा जनसंपर्क अभियान शुरू किया गया है। कार्यक्रम आयोजक योगेन्द्र तिवारी ने बताया कि इस आयोजन को लेकर क्षेत्रीय जनता में भारी उत्साह है । त्योंथर क्षेत्र में इस ऐतिहासिक कार्यक्रम को लेकर पूर्व सैनिकों में अपार प्रसन्नता हैं । आगामी 23 मार्च को भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के बलिदान दिवस पर कारगिल युद्ध के हीरो महावीर चक्र से सम्मानित कामाडों दिगेन्द्र सिंह का आगमन होगा, जिनके ऐतिहासिक स्वागत के लिए चाकघाट तैयार है। इस महाआयोजन में दर्जनों टीमें लगाई गई हैं जो लोगों को सम्मान सहित आमंत्रित कर रहे हैं। महाआरती के साथ साथ शहीदो की याद में दीपदान किया जाएगा । अभियान में मुख्य रूप से निलेश मिश्रा, बृजेश्वर तिवारी, अनिकेत मिश्रा, नितेश द्विवेदी, चंदन मिश्रा, शिवाकांत पाण्डेय, विरेन्द्र मिश्रा, देवेन्द्र तिवारी, अभिषेक द्विवेदी, योगेन्द्र तिवारी, सुमित सोनकर, भारत सिंह आदि मौजूद रहे इस कार्यक्रम को लेकर सभी को अलग-अलग जिम्मेदारी सौंपी गई है। आयोजन में तिरंगा सोभा यात्रा, फाग महोत्सव, कवि सम्मेलन, स्कूलों द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम, राष्टगान, सहित अन्य मनमोहक प्रस्तुति की जाएगी।

थाना परिसर मऊगंज में शांति समिति की बैठक संपन्न

मऊगंज ब्यूरो। आगामी त्योहारों को लेकर थाना परिसर मऊगंज में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर परिषद अध्यक्ष बृजवासी पटेल, निरीक्षक राजेश पटेल, मऊगंज सीएमओ, पार्षदगण सहित नगर के सभी सम्मानित नागरिक उपस्थित रहे। बैठक में सौहार्दपूर्ण माहौल में त्योहारों को मनाने, कानून-व्यवस्था बनाए रखने और आपसी सह्योग पर चर्चा की गई। निरीक्षक राजेश पटेल ने सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने की अपील की और किसी भी अफवाह से बचने व संदिग्ध गतिविधियों की सूचना तुरंत पुलिस को देने का आग्रह किया।

हनुमना के बहरी मार्ग में नयागांव टोलप्लाजा में भारी लूट : आरोप

हनुमना, नि.प्र.। मऊगंज जिले के हनुमना तहसील से हनुमना बाहरी मार्ग पर नया गांव टोल प्लाजा पर धड़ल्ले एवं गुंडागर्दी से वाहन चालकों से अवैध वसूली में जुटे हनुमना बाहरी मार्ग में 3 वर्षों से सोनपुल क्षतिग्रस्त है। वाहनों का आवागमन बंद है, इसके बावजूद भी जीवीआर कंपनी लगातार वसूली कर रही है। दुर्भाग्य से इस मार्ग में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए है, इसी तरह प्रतापगंज, घोघम, पिपराही, अमिलिया एवं बहरी तक रोड में गड्ढे हो गए हैं, जिसके चलते आए दिन दुर्घटना होना एक आम बात सी हो गई है। इसके बावजूद भी वसूली जारी है। दुर्भाग्य की बात यह है कि 3 वर्ष बीत जाने के बाद भी सोनपुल अभी तक निर्माण नहीं हो पाया है तथा जीवीआर कंपनी वसूली में मस्त है। रोड पर इनका कोई ध्यान नहीं होने के अरोप हैं। लोगों का कहना है कि स्थानीय गुंडो के बल पर बिना डर भय के ही वसूली कर रहे हैं । स्थानीय लोगों ने मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ला, परिवहन मंत्री मध्य प्रदेश से मांग की है कि हनुमना के नया गांव टोल प्लाजा में हो रहे अवैध वसूली को तत्काल बंद कराया जाए।

सिरमौर नगर विकास समिति मंच की टीएचपी में प्रथम बैठक

नगर परिषद् सिरमौर का होगा चहुंमुखी विकास : विधायक दिव्यराज सिंह

सिरमौर, नि.प्र.। सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह के आतिथ्य एवं संदीप सिंह अध्यक्ष नगर परिषद सिरमौर की अध्यक्षता में सिरमौर नगर विकास समिति मंच की प्रथम बैठक का आयोजन टोंस हायड्रल प्रोजेक्ट के रेस्ट हाऊस में किया गया । अश्वनी तिवारी जनसंपर्क प्रभारी नप सिरमौर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रशासनिक एवं जनप्रतिनिधियों की संयुक्त बैठक को संबोधित करते हुए सिरमौर विधायक दिव्यराज सिंह ने कहा कि नगर परिषद सिरमौर का चहुमुखी विकास नगर परिषद सिरमौर अध्यक्ष संदीप सिंह मंशा अनुरूप सिस्टमेटिक रूप से काम करे । नगर परिषद अध्यक्ष संदीप सिंह ने बिजली, पेयजल के साथ शॉपिंग मॉल, बस स्टैंड, स्टेडियम के लिए भूमि आवंटन जैसे विभिन्न मुद्दों को लेकर राजस्व की भूमि आवंटन प्रक्रिया की धीमी गति से कार्य में अवरोध उत्पन्न होने की बात रखी। विधायक दिव्यराज सिंह ने अनुविभागीय अधिकारी राजस्व आरके सिन्हा एवं तहसीलदार बिंदु तिवारी सिरमौर को निर्देशित किया कि नगर परिषद के लिए शॉपिंग मॉल, स्टेडियम, बस स्टैंड, कर्मचारी आवास के लिए भूमि आवंटन की कमी बाधक नहीं होगी इसे तत्काल दूर करे ।

विधायक ने सीईओ को लगाई फटकार

सिरमौर नगर विकास समिति मंच की प्रथम बैठक में आमंत्रित जनपद अध्यक्ष सिरमौर रवीना साकेत द्वारा सीईओ जनपद श्री हरिश्चंद्र मिश्रा पर कई गंभीर आरोप लगाए, साथ ही कहा कि जनपद के कार्यक्रम में सीईओ मनमानी करते है । विधायक ने मामले पर सीईओ को जमकर फटकार लगाई । साथ ही निर्देशित किया कि जनपद में विधायक एवम सांसद कोटे से कितने पानी के टैंकर पंचायतवार दिए गए उनकी क्या स्थिति है सभी की जानकारी दें। साथ कितने जल स्रोत हैं उनकी स्थिति की जानकारी तत्काल उपलब्ध करावें ।

बैठक में आमंत्रित सदस्य मौजूद रहें

सिरमौर नगर विकास समिति मंच की आयोजित प्रथम बैठक में एसडीएम सिरमौर आर के सिन्हा, तहसीलदार बिंदु तिवारी, थाना प्रभारी तेजभान पटेल, नप उपाध्यक्ष विजय सोनी, एड शैलेंद्र सिंह भदौरिया, वैश्य महासम्मेलन इकाई सिरमौर के अध्यक्ष कैलाश गुप्ता, पंकज श्रीवास्तव, अनिल तिवारी, वन परिक्षेत्राधिकारी, पीएचई, मेडिकल ऑफिसर, प्रिया शुक्ला उपयंत्री, मनोज सोनी, रविराज विश्वकर्मा, मंडल अध्यक्ष सुदामा कोल, धर्मेंद्र पांडेय, बैकुंठपुर अध्यक्ष पति तीरथ गुप्ता, पुष्पेंद्र सिंह सहित प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे ।

नो एंट्री के बावजूद भारी वाहन के प्रवेश पर पुलिस नहीं लगा पा रही है लगाम : आरोप

जिला कलेक्टर के आदेश की हो रही है अवहेलना

हनुमना, नि.प्र.। नगर परिषद क्षेत्र अंतर्गत मऊगंज जिले के हनुमना नईगढ़ी में जिला अधिकारी द्वारा 1 मार्च से प्रातः 6:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक भारी वाहन का प्रवेश वर्जित का आदेश जारी हुआ था। यह आदेश केवल कागज तक सीमित रह गया। यहां पर स्थानीय अधिकारियों के साठगांठ कर दलालों द्वारा अवैध डंपर ट्रैक्टर हाईवे वैध कागजात दुरुस्त न होने के कारण भारी वाहन कामर्शियल ट्रैक्टर अन्य वाहनों का प्रवेश नो एंट्री की बावजूद होने के अरोप लग रहे हैं। जबकि भारी वाहन हाइवा डंफर जो कि ओवरलोड माल लोड कर नगर में प्रवेश करते हैं। लापरवाही पूर्वक गाड़ी भी चला रहे हैं, कई बार बाजार में घटना भी हो चुकी है इनके ऊपर पुलिस विभाग और यातायात विभाग द्वारा कार्यवाही नहीं की जा रही है यह एक चर्चा का विषय है, आखिर जिला अधिकारी के आदेश की बावजूद किसके संरक्षण में यह वाहन अवैध रूप से निकल रहे हैं जिसको देखते हुए मऊगंज जिला अधिकारी ने नो एंट्री के नियम में परिवर्तन भी कर दिया था । हनुमना पूर्व नगर उपाध्यक्ष मोहनलाल कचेर व्यापार मंडल अध्यक्ष मोनू गुप्ता, निवासी राजेश गुप्ता, कपड़ा वाले हजारीलाल गुप्ता, यीशु गुप्ता, रितेश गुप्ता, रत्नेश मधुकर दिलीप द्विवेदी आदि जनप्रतिनिधियों ने जिला अधिकारी मऊगंज से यह अपील किया गया है कि नो एंट्री पर भारी अवैध वाहनो का प्रवेश एवं कमर्शियल ट्रैक्टर को बंद कराया जाए।

क्रशर संचालक नियमों को ताक पर रखकर चला रहे क्रशर : आरोप

हनुमना, नि.प्र.। ग्रामीणों का ने आरोप लगाया है कि हनुमना क्षेत्र के पिपराही, हररहा, वीरादेई, मिलाकर दर्जनों भर से ज्यादा क्रशर चल रहे हैं लेकिन नियमों एवं शर्तों को किनारे कर अपनी मनमानी से क्रशर चलाने के भी आरोप लग रहे हैं जिसका खामियाजा गांव के जनता को भुगतना पड़ रहा है। पॉल्यूशन विभाग और माइनिंग विभाग पर लोगों द्वारा यह आरोप लगाया जा रहा है कि क्रशर का उपरोक्त विभाग भरपूर सहयोगक कर रहे हैं । ग्रामीणों का कहना है कि क्रशर की वजह से हमारा जीना दुभर हो गया है, रात दिन धूल ही धूल उड़ती रहती है । क्रशर संचालकों द्वारा सिंचाई नहीं की जाती है । मनमानी तरीके से बिना बताए हुए ब्लास्टिंग कर देते हैं जिसकी वजह से आने जाने वाले राहगीरों एवं जानवर घायल होते रहते हैं। जब क्रशर चलता है तो सिंचाई करना चाहिए लेकिन सिंचाई नहीं की जाती है जिसके कारण धुंल से पूरे गांव के लोग लोगों का जीना मुश्किल हो गया है। जहां से पत्थर निकाला जाता है वहां पर 100 फीट की गहरी खाई खुली पड़ी है, जिसके चलते कई बार ग्रामीण एवं जानवरों खाई में गिरकर मौत हो जाती है। जबकि पत्थर निकालने के बाद खाई को विधिवत पैक किया जाना चाहिए लेकिन ऐसा नहीं किया जाता। जो विभाग के अधिकारी आते हैं तो आंख मुद कर चले जाते हैं, सुरक्षा के कोई इंतजाम नहीं किया जाता है । आए दिन घटनाएं होना एक आम बात सी हो गई है, जब कोई बड़ी दुर्घटना हो जाती है तो दिखावे के लिए सभी विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंच जाते हैं और कुछ मुआवजा देकर अपना पीछा छुड़ा लेते हैं । गरीबों के लिए सिर्फ मुआवजा मायने रखता है उनकी जान की कीमत मायने नहीं रखती, ऐसा ग्रामीणों का कहना है। ग्रामीणों ने मऊगंज कलेक्टर से मांग है कि ऐसे क्रशर की जांच कराई जाए एवं नियमानुसार संचालन नहीं पाए जाने पर कार्यवाही की जाए।

12 साल बाद फिर चैंपियंस ट्रॉफी भारत के नाम

टूर्नामेंट में अजेय रही टीम इंडिया, रोहित शर्मा की कप्तानी में लगातार दूसरा आईसीसी खिताब जीता

दुबई,जेएनएन। भारत ने न्यूजीलैंड को चार विकेट से हराकर रिकॉर्ड तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी अपने नाम की। इस मैच से पहले कप्तान रोहित शर्मा के संन्यास की अटकलें लगाई जा रही थी, लेकिन उन्होंने अपने चिर परिचित फॉर्म में लौटकर आलोचकों के मुंह बंद कर दिए। उनकी कप्तानी में यह टी-20 विश्व कप 2024 के बाद भारत ने दूसरा आईसीसी खिताब जीता। भारत ने टूर्नामेंट में एक भी मैच गंवाए बिना 2002 और 2013 के बाद तीसरी बार खिताब जीता। कोई दूसरी टीम तीन बार यह ट्रॉफी नहीं जीत पाई है। स्पिनर कुलदीप यादव और वरुण चक्रवर्ती ने हालात का फायदा उठाते हुए बेहतरीन गेंदबाजी की, लेकिन डेरिल मिचेल और माइकल ब्रेसवेल ने संयम के साथ अर्धशतक लगाते हुए न्यूजीलैंड को सात विकेट पर 251 का मजबूत स्कोर दिया। रोहित ने 76 रन बनाकर जीत की नींव रखी और भारत ने एक ओवर बाकी रहते लक्ष्य हासिल कर लिया। केएल राहुल ने फिनिशर की भूमिका निभाते हुए नाबाद 34 रन बनाए। दूसरे छोर पर शुभमन गिल ने 31 रन बनाए और पहले विकेट के लिए रोहित के साथ 105 रन जोड़े। वह ग्लेन फिलिप्स के दर्शनीय कैच पर पवेलियन लौटे, जबकि गेंदबाज मिचेल सेंटनर थे। विराट कोहली का दर्शकों ने तालियों के साथ स्वागत किया, लेकिन वह दो ही गेंद टिक सके और माइकल ब्रेसवेल की गेंद पर पगबाधा आउट हुए। पावरप्ले के बाद अगले 16 ओवर में रोहित अपने स्कोर में 27 रन ही जोड़ सके। इसके बाद श्रेयस अय्यर (48) और अक्षर पटेल (29) ने 61 रन की साझेदारी की।

यह जीत अद्भुत...

जब आप जाएं तो टीम को बेहतर स्थिति में छोड़कर जाना चाहते हैं। मुझे लगता है कि हमारे पास ऐसी टीम है, जो अगले आठ साल तक दुनिया की किसी भी टीम का सामना करने के लिए तैयार है। यह अद्भुत है। हम ऑस्ट्रेलिया के कठिन दौरे के बाद वापसी करना चाहते थे और बड़ा टूर्नामेंट जीतना चाहते थे। चैंपियंस ट्रॉफी की जीत अद्भुत है। ड्रेसिंग रूम में इतनी प्रतिभा है और वे अपने खेल को अगले स्तर तक ले जाने की कोशिश में हैं। हम सीनियर होने के नाते उनके साथ अनुभव बांटकर, उनकी मदद करके खुश हैं और यही वजह है कि भारतीय टीम इतनी मजबूत है। पूरी टीम और सभी ने अपना योगदान दिया।

- विराट कोहली

एक शानदार अहसास...

हमने पूरे टूर्नामेंट में अच्छा क्रिकेट खेला। अपने मनमुताबिक परिणाम प्राप्त करना एक शानदार अहसास है। आक्रामक शैली से खेलना मेरे लिए यह स्वाभाविक नहीं है, लेकिन मैं सही में ऐसा करना चाहता था। जब आप कुछ अलग कर रहे होते हैं, तो आपको टीम और प्रबंधन का समर्थन प्राप्त होना चाहिए। मैंने पहले राहुल (राहुल द्रविड़) भाई से बात की और अब गौती (गौतम गंभीर) भाई से भी। मैं इस प्रारूप से संन्यास लेने नहीं जा रहा हूं। मैं यह स्पष्ट करना चाहता हूं, ताकि आगे कोई अफवाह नहीं फैलाई जाए। देखते हैं अभी कोई फ्यूचर प्लान नहीं है, जो हो रहा है चलता रहेगा।

- रोहित शर्मा, कप्तान, भारत

स्कोर बोर्ड

न्यूजीलैंड : 251/7 (50 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
विल यंग पगबाधा बो. वरुण	15	23	2	0
रचिन रविंद्र बो. कुलदीप	37	29	4	1
विलियमसन का. एंड बो. कुलदीप	11	14	1	0
डैरिल मिचेल का. रोहित बो. शमी	63	101	3	0
टॉम लैथम पगबाधा बो. जडेजा	14	30	0	0
ग्लेन फिलिप्स बो. वरुण	34	52	2	1
माइकल ब्रेसवेल नाबाद	53	40	3	2
मिचेल सेंटनर रनआउट	8	10	0	0
नेथन स्मिथ नाबाद	0	1	0	0

अतिरिक्त : 16, कुल : 50 ओवर में 7 विकेट पर 251 रन, विकेट पतन : 1-57, 2-69, 3-75, 4-108, 5-165, 6-211, 7-239, गेंदबाजी : शमी 9-0-74-1, हार्दिक 3-0-30-0, वरुण 10-0-45-2, कुलदीप 10-0-40-2, अक्षर पटेल 8-0-29-0, जडेजा 10-0-30-1.

भारत : 254/6 (49 ओवर)

	रन	गेंद	4	6
रोहित स्टं. लैथम बो. रविंद्र	76	83	7	3
गिल का. फिलिप्स बो. सेंटनर	31	50	0	1
कोहली पगबाधा बो. ब्रेसवेल	1	2	0	0
श्रेयस का. रचिन बो. सेंटनर	48	62	2	2
अक्षर का. ओरूर्क बो. ब्रेसवेल	29	40	1	1
केएल राहुल नाबाद	34	33	1	1
हार्दिक का. एंड बो. जेमीसन	18	18	1	1
रविंद्र जडेजा	9	6	1	0

अतिरिक्त : 8, कुल : 49 ओवर में 6 विकेट पर 254 रन, विकेट पतन : 1-105, 2-106, 3-122, 4-183, 5-203, 6-241, गेंदबाजी : काइल जेमीसन 5-0-24-1, विलियम ओरूर्क 7-0-56-0, नेथन स्मिथ 2-0-22-0, मिचेल सेंटनर 10-0-46-2, रचिन रविंद्र 10-1-47-1, माइकल ब्रेसवेल 10-1-28-2, ग्लेन फिलिप्स 5-0-31-0.

चैंपियन ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज

खिलाड़ी	टीम	मैच	विकेट
मेट हेनरी	न्यूजीलैंड	04	10
वरुण चक्रवर्ती	भारत	03	09
मोहम्मद शमी	भारत	05	09
मिचेल सेंटनर	न्यूजीलैंड	05	09
ब्रेसवेल	न्यूजीलैंड	05	08

चैंपियन ट्रॉफी में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज

खिलाड़ी	टीम	मैच	रन
रचिन रविंद्र	न्यूजीलैंड	04	263
श्रेयस अय्यर	भारत	05	243
बेन डकेट	इंग्लैंड	03	227
जो रूट	इंग्लैंड	03	225
विराट कोहली	भारत	05	218

भारत का सातवां आईसीसी खिताब

भारत का यह सातवां आईसीसी खिताब है। इससे पहले टीम इंडिया ने 1983, 2002, 2007, 2011, 2013 और 2024 में आईसीसी खिताब जीते हैं। ऑस्ट्रेलिया हालांकि सभी प्रारूपों में सबसे सफल टीम है, जिसने वैश्विक क्रिकेट टूर्नामेंट में उसकी ट्रॉफियों की संख्या 10 है।

- **1983 वनडे विश्व कप :** भारत की यह वैश्विक क्रिकेट में पहली जीत थी, जिसमें कपिल देव की टीम ने सभी बाधाओं को पार करते हुए अपनी योग्यता साबित की और लॉर्ड्स में कम स्कोर वाले फाइनल में मजबूत वेस्टइंडीज को हराया।
- **2002 चैंपियंस ट्रॉफी (श्रीलंका के साथ साझा):** भारत ने सौरव गांगुली की कप्तानी में अजेय रहते हुए फाइनल में प्रवेश किया, लेकिन 29 और 30 सितंबर (रिजर्व डे) को कोलंबो में लगातार बारिश के कारण भारत और मेजबान श्रीलंका को ट्रॉफी साझा करने के लिए मजबूर होना पड़ा।
- **2007 आईसीसी विश्व टी-20 :** भारत सहित कोई भी क्रिकेट बोर्ड क्रिकेट के सबसे छोटे प्रारूप को गंभीरता से नहीं लेता था, ऐसे समय में एमएस धोनी के नेतृत्व वाली एक युवा टीम ने इतिहास रच दिया। उन्होंने टूर्नामेंट के शुरुआती चरण में रोमांचक फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान को हराकर ट्रॉफी हासिल की।
- **2011 वनडे विश्व कप :** भारतीय टीम पर वनडे विश्व कप ट्रॉफी के लिए लंबे इंतजार को समाप्त करने का काफी दबाव था। धोनी की टीम ने मुंबई में फाइनल में श्रीलंका को छह विकेट से हराकर 28 साल के लंबे इंतजार के बाद अपना दूसरा 50 ओवर का विश्व कप जीता, जिसमें सचिन सभी के आकर्षण का केंद्र रहे।
- **2013 चैंपियंस ट्रॉफी:** आईसीसी टूर्नामेंट में धोनी के नेतृत्व और भारत के सबसे सफल कप्तान के रूप में उनकी प्रतिष्ठा को तब मजबूती मिली जब उनकी टीम ने एजबेस्टन में बारिश से बाधित फाइनल में इंग्लैंड को हराया। कम स्कोर वाले इस मैच में रविंद्र जडेजा ने 25 गेंद में 35 रन बनाकर भारत को सात विकेट पर 129 रन के स्कोर पर पहुंचाया, लेकिन धोनी की रणनीतिक सूझबूझ और क्षेत्ररक्षकों को सजाने की उनकी प्रतिभा ने उन्हें पांच रन से जीत दिलाई।
- **2024 टी-20 विश्व कप:** भारत के दो सबसे बड़े सुपरस्टार विराट कोहली और रोहित शर्मा खेल के छोटे प्रारूप में संन्यास लेने के कगार पर थे, भारत हर बार प्रतियोगिता में प्रबल दावेदार होने के बावजूद आईसीसी ट्रॉफी जीतने के एक और सूखे को समाप्त करने के लिए बेताब था।
- रोहित और मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को कुछ महीने पहले घरेलू मैदान पर 2023 वनडे विश्व कप के फाइनल में हारने की निराशा से खिलाड़ियों को बाहर निकालने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ संयम से दबाव से निपटते हुए सात रन से जीत दर्ज कर दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम की।

खेल एक नजर

मैथ्यू वेड गुजरात टाइटंस के सहायक कोच बने

नई दिल्ली, जेएनएन। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल-2025 से पहले ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर मैथ्यू वेड को टीम का सहायक कोच नियुक्त किया है। वेड 2022 और 2024 में खिलाड़ी के रूप में दो सत्र के लिए टाइटंस के साथ थे, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद आईपीएल की बड़ी नीलामी का हिस्सा नहीं बने। गुजरात टाइटंस ने एक्स पर लिखा, चैंपियन। फाइटर। अब हमारे सहायक कोच! जीटी (गुजरात टाइटंस) के डगआउट में आपका स्वागत है, मैथ्यू वेड। वेड ने आईपीएल में कुल 15 मैच खेले, जिसमें से 12 में उन्होंने टाइटंस का प्रतिनिधित्व किया। वह 2022 में हार्दिक पंड्या के नेतृत्व में खिताब जीतने वाली टीम का हिस्सा थे। वेड टाइटंस के कोचिंग स्टाफ में मुख्य कोच आशीष नेहरा, बल्लेबाजी कोच पार्थिव पटेल और सहायक कोच आशीष कपूर और नरेंद्र नेगी के साथ शामिल होंगे।

बायर्न म्यूनिख और लीवर-कुसेन बुंदेसलीगा में हारे

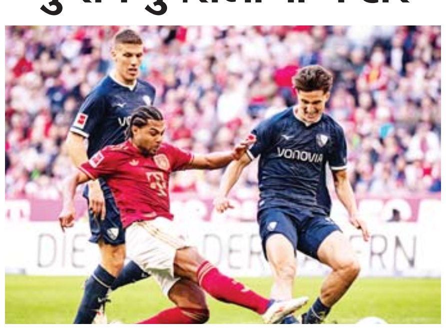

बर्लिन, जेएनएन। शीर्ष पर चल रहे बायर्न म्यूनिख को दो गोल की बढ़त बनाने के बावजूद बोचुम के खिलाफ बुंदेसलीगा फुटबॉल मुकाबले में 2-3 से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन बायर लीवरकुसेन की टीम इसका फायदा उठाने में नाकाम रही। लीवरकुसेन की टीम भी शनिवार को वर्डर ब्रेमेन के खिलाफ 0-2 से हार गई। ब्रेमेन ने सभी प्रतियोगिताओं में मिलाकर अपने पिछले पांच मैच गंवाए थे। बायर्न की टीम 25 मैच में 61 अंक के साथ शीर्ष पर बनी हुई है, जबकि लीवरकुसेन इतने ही मुकाबलों में 53 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है। बोरूसिया डोर्टमंड को भी ऑग्सबर्ग के खिलाफ 0-0 से हार झेलनी पड़ी, जबकि स्टुटगार्ट को होल्सटेन किएल ने 2-2 से बराबरी पर रोका।

उलटफेर : बोटिक ने इंडियन वेल्स में पांच बार के चैंपियन जोकोविच को बाहर किया, सबालेंका जीतीं

कैलिफोर्निया, जेएनएन। पांच बार के चैंपियन और दिग्गज टेनिस खिलाड़ी नोवाक जोकोविच नीदरलैंड के बोटिक वैन डे जैंड्सचुल्प से तीन सेट में हारकर इंडियन वेल्स मास्टर्स टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वहीं महिलाओं में यहां पहला खिताब जीतने की कोशिश में लगीं शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका, तीसरी वरीय कोको गॉफ और मेडिसन कीज सहित प्रमुख वरीय खिलाड़ी तीसरे दौर में पहुंच गई हैं। सर्बिया के 37 साल के जोकोविच दूसरे दौर में दो घंटे से अधिक समय तक चले मुकाबले में 29 साल के जैंड्सचुल्प ने 6-2, 3-6, 6-1 से शिकस्त दे दी। हालांकि खिताबी हैट्रिक पर नजरें जमाए कार्लोस अल्काराज अगले दौर में पहुंचने में सफल रहे। मौजूदा चैंपियन स्पेन के अल्काराज ने फ्रांस के क्वेंटीन हालेस को 6-4, 6-2 से हराया। 2022 के चैंपियन और यहां तीसरे वरीय टेलर फ्रिट्ज ने क्वालिफायर इटली के माटेओ गिगांते को 7-5, 6-3 से पराजित करके बाहर कर दिया। सातवीं वरीयता प्राप्त रूस के आंद्रे रुबलेव को इटली के माटेओ अर्नाल्डी ने 6-4, 7-5 से हरा दिया।

- 24 बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन जोकोविच के साथ पिछले कई सालों में यह दूसरी बार है, जब उन्हें कैलिफोर्निया में हार का सामना करना पड़ा हैं।
- बोटिक का शीर्ष खिलाड़ियों को शिकार बनाने का यह तीसरा मौका है। पिछले साल उन्होंने यूएस ओपन में अल्काराज को और उससे पहले डेविस कप में स्पेन के महान खिलाड़ी राफेल नडाल को भी हराया था।

अमेरिका की गॉफ ने जापान की खिलाड़ी को हराया

बेलारूस की सबालेंका ने अमेरिका की उभरती खिलाड़ी मैक्कार्टिनी केसलर को 7-6, 6-3 से हराकर अभियान शुरू किया। अमेरिकी गाफ ने 21 डबल फॉल्ट के बावजूद जापान की मोयूका उचिजीमा को कड़े मुकाबले में तीन सेट में 6-4, 3-6, 7-6 से शिकस्त दी। पांचवीं वरीय कीज ने अन्सतासिया पोतापोवा की चुनौती 6-3, 6-0 से तोड़ दी।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल में 250 से अधिक साइक्लिस्ट्स शामिल

भोपाल, खेप्र। साई सीआरसी भोपाल ने फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें एथलीट, कोच, स्टाफ और भोपाल साइक्लिंग संघ के सदस्य एक साथ आए। इस कार्यक्रम ने फिटनेस के महत्व को उजागर करने के साथ-साथ फिट इंडिया महिला सप्ताह का समापन भी किया, जो अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम की शुरुआत साई सीआरसी के क्षेत्रीय निदेशक अभिषेक सिंह चौहान ने की। इसमें 250 से अधिक साइक्लिस्ट्स ने भाग लिया।

कल्याणी का पंच, अनुष्का की फीफ्टी, मध्यप्रदेश ने लगाई जीत की हैट्रिक

भोपाल, खेप्र। मध्यप्रदेश ने रविवार को बीसीसीआई विमेंस अंडर-23 वनडे ट्रॉफी मुकाबले में चंडीगढ़ को आठ विकेट से हराकर लगातार तीसरी जीत दर्ज की। इससे पहले मप्र ने त्रिपुरा 6 विकेट और राजस्थान को 49 रन से हराया था। नागपुर में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी चंडीगढ़ की टीम 42.1 ओवर में 100 रन पर ऑलआउट हो गई। उसके लिए सारा ने 36, आराधना ने 24 और नंदनी शर्मा ने 20 रन का योगदान दिया। मप्र की कल्याणी जाधव ने 9.1 ओवर में 8 रन देकर पांच विकेट झटके। आनंदी ने दो विकेट लिए। वैष्णवी और अनुष्का ने एक-एक विकेट लिया। जवाब में मप्र ने 23.2 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज अनुष्का शर्मा ने नाबाद 52 और कप्तान सौम्या तिवारी ने 31 रन बनाए। श्रेया दीक्षित ने 9 रन बनाए।

वेस्टइंडीज को हराकर भारत आईएमएल के सेमीफाइनल में

रायपुर, जेएनएन। भारत ने अंतरराष्ट्रीय मास्टर्स लीग (आईएमएल) टी-20 में वेस्टइंडीज को सात रन से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। मेजबान टीम ने स्टुअर्ट बिन्नी के तीन विकेट और इरफान पठान की अंतिम ओवर में शानदार गेंदबाजी से बड़े स्कोर वाले मुकाबले में रोमांचक जीत दर्ज की। इस मुकाबले के साथ सचिन तेंदुलकर बनाम ब्रायन लारा की प्रतिद्वंद्विता एक बार फिर नजर आती, लेकिन मेजबान टीम ने अपने दिग्गज खिलाड़ी को आराम दिया। भारत ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अंबाती रायुडू (63) और सौरभ तिवारी (60) के अर्धशतक के बाद कार्यवाहक कप्तान युवराज सिंह (नाबाद 49) की तूफानी पारी से तीन विकेट पर 253 रन बनाए। इसके जवाब में ड्वेन स्मिथ (79) और विलियम पर्किंस (52) ने पहले विकेट के लिए 121 रन जोड़कर वेस्टइंडीज को तूफानी शुरुआत दिलाई। लेकिन वेस्टइंडीज की टीम जब मजबूत स्थिति में नजर आ रही थी तब बिन्नी ने अपनी शानदार गेंदबाजी से मैच का रुख बदल दिया और वेस्टइंडीज की टीम छह विकेट पर 246 रन ही बना सकी।

ऑसमेन डेम्बेले के डबल गोल से पीएसजी ने रेनेस को 4-1 से हराया

पेरिस, जेएनएन। स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे ऑसमेन डेम्बेले के दो गोल की मदद से पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) ने लीग वन फुटबॉल टूर्नामेंट में रेनेस को 4-1 से हराकर लीग में अपना अजेय अभियान जारी रखा। डेम्बेले ने अपने दोनों गोल दूसरे हाफ के इंजरी टाइम के पहले और चौथे मिनट में दागे। ब्रेडले बार्सोला (27वें मिनट) और गोंजेलो रामोस (50वें मिनट) ने भी टीम की ओर से एक-एक गोल किया। रेनेस की ओर से एकमात्र गोल लिलियन ब्रेसियर ने 53वें मिनट में किया। लीग के मौजूदा सत्र में अब तक अजेय पीएसजी के इस जीत से 25 मैच में 65 अंक हो गए हैं और टीम ने दूसरे स्थान पर मौजूद मार्सिले पर 16 अंक की बढ़त बना ली है। शनिवार को लेन्स के खिलाफ 0-1 से शिकस्त झेलने वाले मार्सिले के 25 मैच में 49 अंक हैं।

दैनिक जागरण
रीवा, 10 मार्च 2025 रीवा शहर www.dainikjagranmpcg.com

कलेक्टर आज करेंगी टीएल पत्रों की समीक्षा

रीवा। कलेक्टर प्रतिभा पाल टीएल बैठक में 10 मार्च को समय सीमा के पत्रों की समीक्षा के साथ ही सीएम हेल्पलाइन की विभागवार अद्यतन स्थिति की समीक्षा करेंगी। कलेक्ट्रेट सभागार में प्रातः 11 बजे से आयोजित बैठक में विभागीय अधिकारियों को उपस्थिति के निर्देश दिए गए हैं।

होलिका दहन के दिन 13 मार्च को रहेगा स्थानीय अवकाश

रीवा। रीवा जिले में वर्ष 2025 के लिये घोषित अवकाश के तहत 13 मार्च को होलिका दहन पर स्थानीय अवकाश रहेगा। कलेक्टर प्रतिभा पाल द्वारा घोषित स्थानीय अवकाश जिले के संपूर्ण सीमा क्षेत्र के शासकीय कार्यालयों तथा संस्थानों में प्रभावशील रहेगा। यह अवकाश जिले के कोषालय, उप कोषालय तथा बैंकों पर लागू नहीं होगा।

मिठाई की दो दुकानों से जब्त किये गये सेम्पल

जागरण, रीवा/सतना। खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता बनाये रखने के उद्देश्य से खाद् सुरक्षा अधिकारियों ने शहर की नामचीन व्ही वीनस में कार्यवाही कर से पल जप्त किये है वहीं स्टेशन रोड में संचालित अशोक स्वीट्स में भी कार्यवाही कर से पल जप्त किये गये है। आगामी दिनो में आने वाले त्यौहारो को लेकर कलेक्टर के निर्देश पर यह कार्यवाही की गई है। खोबा मंडी पर भी अधिकारियों ने कार्यवाही कर नमूने जप्त किये है।

ये सेंपल जब्त : बताया जाता है कि खाद्य सुरक्षा अधिकारी शीतल सिंह ने रीवा रोड में संचालित व्ही वीनस , स्टेशन रोड में संचालित अशोक स्वीट्स और खोबा मंडी में कार्यवाही कर जो से पल जप्त किये है उसमें डोड़ा बर्फी , खोबा बरफी, मगज लड्डू, बूंदी लड्डू , गुजिया, खोबा कलाकंद, बेसन बरफी, पेड़ा, मठरी के से पल जप्त कर जांच के लिए राज्य प्रयोग शाला भेजा जा रहा है।

क्रिकेट खेलते युवक को आया अटैक

कटनी। रंगनाथ थाना अंतर्गत रेलवे पुल के पास दोस्तो के साथ क्रिकेट खेल रहें एक 24 वर्षीय युवक दिव्य गुप्ता की खेलते समय अचानक तबियत बिगड़ गई अचानक सीने में दर्द होने के कारण उसके द्वारा खेल रहे दोस्तो से कहा तबियत ठीक नहीं लग रही, थोड़ी देर ग्राउंड के बाहर आराम कर लू, लेकिन ग्राउंड के बाहर दिव्य की तबियत और बिगड़ गई इसी बीच ग्राउंड में मैच खेल रहें दोस्त भी दिव्य के पास पहुँचे और उसकी तबियत को देखते हुए नजदीक एक क्लिनिक में दिव्य को लेकर पहुँचे जहाँ डाक्टर ने उसे जिला अस्पताल ले जाने कहा। जब आनन फानन में दिव्य को जिला अस्पताल लाया गया। डाक्टरों ने उसे जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। मृतक के शव को जिला अस्पताल पोस्टमॉर्टम हाउस ले जाया गया। वही पुलिस ने घटना को जांच में लिया है।

हत्या, डकैती, लूट सहित 17 गंभीर अपराध का कुख्यात बदमाश गिरफ्तार

30 हजार रुपए का घोषित था इनाम, पुणे में पकड़ाया

जागरण, रीवा

जिले के अलग-अलग थाना क्षेत्र में गंभीर वारदात को अंजाम देने वाले कुख्यात बदमाश को सोहागी पुलिस ने महाराष्ट्र के पुणे से गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों की गिरफ्तारी पर 30 हजार रुपए का ईनाम घोषित था। आरोपी के खिलाफ 17 आपराधिक मामले दर्ज हैं। डकैती, हत्या, हत्या का प्रयास, आर्मस एक्ट सहित मामले अलग-अलग थाना क्षेत्र में पंजीबद्ध हैं। वारदात के बाद आरोपी लंबे समय से पुलिस को चकमा दे रहा था, पुलिस लगातार आरोपी की लोकेशन ट्रेस कर रही थी। पहले तो आरोपी जंगल में छिपा था, जिसके बाद पकड़े जाने की डर से वह पुणे भाग गया था, जिसे पुलिस टीम ने घेराबंदी कर पकड़ा है। सोहागी थाना प्रभारी पवन शुक्ला ने बताया कि आरोपी ग्राम पैरा ददरी एवं आसपास के क्षेत्र में आतंक का पर्याय बना था, कई गंभीर मामलों में फरार आरोपी बृजेन्द्र केवट पिता बैजनाथ केवट 37 वर्ष निवासी ग्राम ददरी की तलाश की जा रही थी जिसे गिरफ्तार करने में पुलिस टीम को सफलता मिली है। आरोपी बृजेन्द्र केवट पर हत्या, डकैती, लूट, हत्या का प्रयास, अवैध हथियार रखने, मारपीट कर वसूली करने जैसे कई गंभीर मामले दर्ज थे। आरोपी की गिरफ्तारी का प्रयास सोहागी पुलिस द्वारा काफी समय से किया जा रहा था किन्तु पैरा ददरी क्षेत्र से लगे जंगल का फायदा उठाकर आरोपी बार-बार बचता रहा और पुलिस को चकमा देता रहा। जिसके बाद पुलिस ने जाल बिछिया और आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया।

जंगल से निकला तो लग गया पुलिस के हाथ

सोहागी पुलिस आरोपी को पकड़ने ददरी में लगातार दबिश दे रही थी, लेकिन गांव से लगे आसपास के जंगल का फायदा उठाते हुए आरोपी पुलिस से लगातार बच रहा था। सोहागी पुलिस को जब लगा कि आरोपी को जंगल से पकड़ना आसान नहीं है, फिर भी पुलिस उस पर लगातार दबाव बनाकर रखी। पुलिस की लगातार दबिश एवं दबाव से आरोपी जंगल से निकलकर पुणे (महाराष्ट,) भागा। पुलिस को इसी का इंतजार था और ताक में बैठी सोहागी पुलिस पुणे महाराष्ट्र से उसे गिरफ्तार कर रीवा लेकर आयी। पकड़े गए आरोपी को पुलिस ने न्यायालय में पेश किया जहां से उसे रिमांड में लिया गया है।

गंभीर घटनाओं के खुलासे की उम्मीद

सोहागी पुलिस पकड़े गए आरोपी को रिमाण्ड में लेकर सोहागी, जवा सहित आसपास के क्षेत्र में हुई गंभीर वारदात के संबंध में पूछताछ कर रही है। उम्मीद है कि कुख्यात आरोपी ने तराई क्षेत्र में कई गंभीर वारदात को अंजाम दिया। फिलहाल अब आरोपी से पुलिस सख्ती से पूछताछ कर क्षेत्र में हुई गंभीर वारदात के संबंध में पूछताछ कर रही है, जिससे उम्मीद है कि अन्य घटनाओं के संबंध में भी पुलिस बड़ा खुलासा कर सकती है।

हार्डवेयर दुकान का चोरों ने चटकाया ताला लाखों की सामग्री सहित नकदी चोरी

बिछिया थाना क्षेत्र के चिरहुला मंदिर के समीप की घटना

जागरण, रीवा। शहर में चोर गिरोह की सक्रियता एक बार फिर पुलिस के लिए चुनौती बन गई है। शनिवार-रविवार की दरमियानी रात अज्ञात बदमाशों ने बिछिया थाना क्षेत्र अंतर्गत चिरहुला मंदिर के समीप संचालित मां शारदा ट्रेडर्स हार्डवेयर सैनेट्री की दुकान में चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। दुकान का शटर तोड़कर अज्ञात चोर लाखों के कीमती सामान सहित करीब 25 हजार रुपए नकद चुरा ले गए। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक घटना के बाद अज्ञात बदमाश फरार हो गए है। सुबह चोरी की जानकारी के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। घटना के संबंध में मां शारदा ट्रेडर्स के संचालक रितेश गुप्ता ने बताया कि बीती रात्रि करीब 2 बजे के बाद अज्ञात चोर उनकी दुकान का शटर तोड़कर दुकान के अंदर घुसे और काउंटर में रखे 25 हजार रुपए नकद सहित अन्य सामान उठा ले गए। दुकान संचालक के मुताबिक अज्ञात चोरों ने तकरीबन 4 से 5 लाख रुपए की चोरी की

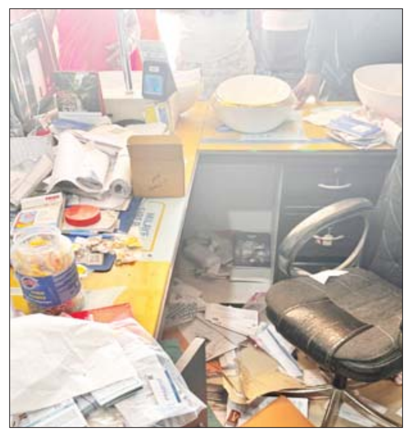

वारदात को अंजाम दिया है। बताया गया कि हार्डवेयर दुकान के अंदर नल फिटिंग का सामान ज्यादा था, जिसे बदमाशों ने पार कर दिया है। फिलहाल घटना की जानकारी के बाद पुलिस सहित एक्सपर्ट की टीम ने मौके पर पहुंचकर जरूरी साक्ष्य जुटाए, साथ ही अज्ञात आरोपियों के खिलाफ मामला पंजीबद्ध कर अब पुलिस उनकी तलाश में लगी हुई है।

घटना स्थल पर मिला सब्बल

बताया गया कि चिरहुला मंदिर के समीप स्थित हार्डवेयर की दुकान के पास ही एक सब्बल भी मिला है, आशंका है कि बदमाश इसी सब्बल की मदद से दुकान का शटर तोड़कर अंदर प्रवेश किए और चोरी की वारदात कर मौके से फरार हो गए। फिलहाल पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया है साथ ही आसपास के सीसीटीवी कैमरो को भी चेक कर आरोपियों के संबंध में जानकारी जुटाई जा रही है।

रिश्ते के देवर ने भाभी से किया दुष्कर्म

जागरण, रीवा। बीमारी से तंग महिला को उपचार कराने के बहाने रीवा लेकर आए कथित देवर ने उसे रीवा के व्यंकट मार्ग में स्थित एक होटल में ले जाकर दुष्कर्म का शिकार बनाया। आरोपी ने दुष्कर्म के साथ ही महिला का अश्लील वीडियो भी बनाया था, जिसके बाद वह लगातार ब्लैकमेल कर उसे कई बार अपनी हवस का शिकार बनाया। महिला ने अपनी बहन के देवर पर दुष्कर्म का आरोप लगाया है। गोविंदगढ़ थाना क्षेत्र से आई पीड़िता ने महिला थाना पहुंचकर अपने साथ हुई घटना की शिकायत दर्ज करवाई। पीड़िता ने पुलिस से की गई शिकायत में बताया कि बहन का देवर मैहर थाना क्षेत्र का रहने वाला था, जो रीवा आया और उसे उपचार कराने के बहाने एक होटल में नाश्ता कराने के बाद ले गया, जहां उससे दुष्कर्म किया और अश्लील वीडियो बना लिया। इसके बाद उसे वीडियो वायरल करने की धमकी देकर उसके साथ तीन बार आरोपी ने गलत काम किया। पीड़िता ने बताया कि इससे तंग आकर उसने आत्महत्या का भी प्रयास किया, जिससे उसके पैर टूट गए। जिसके बाद उसने पूरी घटना अपने पति को बताई और फिर महिला थाना में वह परिवार सहित शिकायत दर्ज करवाने पहुंची। पीड़िता की शिकायत पर महिला थाना पुलिस ने दुष्कर्म सहित आइटी एक्ट के तहत मामला पंजीबद्ध कर आरोपी के खिलाफ प्रकरण पंजीबद्ध कर कार्रवाई की है।

रीवा में अवैध शराब पैकारी का बड़ा खुलासा

जागरण, रीवा। रीवा में जगह बिक रही शराब और अवैध पैकारी के लिए का बड़ा खुलासा करते हुए आप के पूर्व जिला अध्यक्ष व समाज सेवी प्रमोद शर्मा ने एसपी पर आरोप मढ़ा है। रविवार को कॉफी हॉउस में आयोजित पत्रकारवार्ता में श्री शर्मा ने कहा कि पूरे रीवा जिले मे 2000 से ज्यादा अवैध शराब दुकान संचालित है। जिसका पूरा देखरेख व संचालन पुलिस विभाग की निगरानी में हो रहा है। प्रमोद ने कहा कि वह सेमरिया विधानसभा में पिछले कई महीनों से गाँव-गाँव घूम कर देखा व पूरा सिस्टम समझा जिसकी चर्चा कई बार पुलिस के कई बड़े अधिकारी से की गई किन्तु उनका कहना है की ऐसा बिल्कुल नहीं है। तब वह सेमरिया विधानसभा की तीन दुकानों के सामने सीसीटीवी कैमरे के साथ धरना दिया। जिसमें पाया गया की कैसे दुकान से पुलिस की जानकारी में खुलेआम शराब गाँव-गाँव तक पहुंचाई जा रही है। आरोप लगाया कि शराब ठेकेदार ने उससे बताया कि प्रति थाना एक लाख व बड़े अधिकारियों को 30 लाख महीना देना होता है। इसके लिए प्रमोद ने सीधे एसपी को जिम्मेदार ठहराया और कहा कि यही कारण कि जिले भर में खुले आम शराब का अवैध कारोबार फल फूल रहा है। प्रमोद शर्मा ने कहा कि शराब के दुकान से खुले आम पैकारी के सीसीटीवी कैमरों के सैकड़ों फुटेज लिए गए हैं।

विधायक के भ्रमण के बाद एक्शन में मऊगंज प्रशासन

दो क्रेशरों को किया सील 50 हजार का जुर्माना ठोका

नायब तहसीलदार ने की कार्रवाई

जागरण, रीवा। नवगठित मऊगंज जिले के दो दर्जन से अधिक गावों में अवैध उत्खनन की शिकायतें आती रहती थी। खासतौर सरदमन, हर्रहा, बहेरा डाबर में बलपूर्वक अवैध रूप से खदानों का संचालन किया जा रहा था। स्थानीय निवासियों ने शिकवा शिकायतें भी की थी लेकिन कोई असर नहीं हुआ। एक दो दिन उत्खनन बंद हुआ फिर शुरू हो गया। मऊगंज विधायक प्रदीप पटेल कुछ दिनों से ग्राम भ्रमण शुरू कर दिया है। पिछले दिनों सरदमन में बैठक की थी लोगों की समस्याएं सुनी जिसमें अवैध उत्खनन प्रमुख समस्या रही। विधायक के भ्रमण के साथ ही प्रशासन भी एक्टिव हो गया है। हालांकि डाइवर्सन के नाम पर कार्रवाई की जा रही है। ग्राम हर्रहा में नायब तहसीलदार श्यामलाल मांगरे ने 2 डायवर्सन बकायादारों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए दोनों क्रेशरों को सील कर 50 हजार रुपए की वसूली भी की है। उक्त कार्यवाही बकाया राशि क्रमशः 70,000 व 2,30,000 रुपए के संबंध में की गई है।

मऊगंज जिले के तीन पटवारी निलंबित

रीवा। अनुविभागीय राजस्व अधिकारी मऊगंज ने तीन पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। मऊगंज में फार्मर रजिस्ट्री, आरओआर एवं राजस्व वसूली, ईकेवाइसी के लिए गतदिनों आयोजित कैंप में उधौपुरवा पटवारी हल्का के कमलेश कुमार पाठक एवं नरैनी हल्का के पटवारी ललित प्रसाद शर्मा अनुपस्थित पाये गये थे। एसडीएम ने संबंधित पटवारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। निलंबन अवधि में पटवारियों का मुख्यालय तहसील कार्यालय मऊगंज नियत किया गया है। इसी प्रकार तहसील नईगढ़ी अन्तर्गत पटवारी हल्का देवरिहनगांव के पटवारी रामलखन चौधरी को बगैर सूचना के मुख्यालय से अनुपस्थित रहने फोन रिसीव नहीं करने, सीएम हेल्पलाइन के प्रकरणों में समाधानकारक जबाव दर्ज न करने तथा अन्य राजस्व संबंधी कार्यों में लापरवाही बरतने के आरोप में अनुविभागीय अधिकारी द्वारा तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

सड़क हादसे में मां-बेटे की मौत, पिता गंभीर

अनियंत्रित पिकअप की टक्कर से हुआ हादसा

जागरण, रीवा। बाइक से अपनी पत्नी और बेटे के साथ ससुराल से लौट रहे मां- बेटे की सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि वृद्ध गंभीर रूप से घायल हो गए, जिनका उपचार संजय गांधी अस्पताल में किया जा रहा है। घटना के संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक सेमरिया थाना क्षेत्र के चौरा निवासी शुक्ला परिवार के तीन लोग बाइक में सवार होकर सतना जिले के अमरैहा गए हुए थे। बताया गया कि घायल वृद्ध अपनी पत्नी व बच्चे के साथ अपनी सास को देखने ससुराल गया था, जहां से तीनों बाइक से वापस चौरा गांव लौट रहे थे। जैसे ही बाइक सवार सतना जिले के रामपुर बाघेलान थाना क्षेत्र के छिबौरा मझियार मोड़ के पास पहुंचे सामने से आई तेज रफ्तार पिकअप अचानक होकर पलट गई और बाइक सवारों की सीधी भिड़ंत पिकअप से हो गई। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने घटना की सूचना पुलिस को देते हुए गंभीर रूप से घायल हुए बाइक सवारों को संजय गांधी अस्पताल भिजवाया, जहां चिकित्सकों ने मां और बेटे को जांच उपरांत मृत घोषित कर दिया। वहीं वृद्ध का गंभीर हालत में संजय गांधी अस्पताल में उपचार जारी है। सड़क हादसे में घायल वृद्ध प्रेमलाल शुक्ला की पत्नी प्रेमवती शुक्ला और बच्चे पवन शुक्ला की मौत हो गई है, जिनके शव को संजय गांधी अस्पताल की मर्चुरी में रखवाया गया है।

जागरण पब्लिकेशन प्रा. लिमि. के लिए मुद्रक/प्रकाशक मदन मोहन गुप्ता द्वारा दैनिक जागरण प्रेस गांधी नगर उर्रहट रीवा (म.प्र.)से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादकः **मदन मोहन गुप्ता।** आर.एन.आई. नं- 1505/57, डाक पंजीयन क्र.- रीवा संभाग 04 /म.प्र. संस्थापक **स्व. गुरुदेव गुप्त**
कार्यालयः- मोबाइल नं रीवा- 9098357869, 9425018958 **सतना** - 9993315949 **सीधी**-7089620900 **सिंगरौली**-9424652999 E-mail: rewajagrannew2015@gmail.com